* ओड़िशा संस्करण

www.epaper.azadsipahi.in

01 जुलाई, 2025
आषाढ़, शुक्ल पक्ष, षष्ठी
संवत 2082
पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹3.00

कलम कलम बढ़ाये जा

आजाद सिपाही

रांची
मंगलवार, वर्ष 10, अंक 251

गृह मंत्री से शिल्पी नेहा तिर्की ने की विशेष आर्थिक पैकेज की मांग

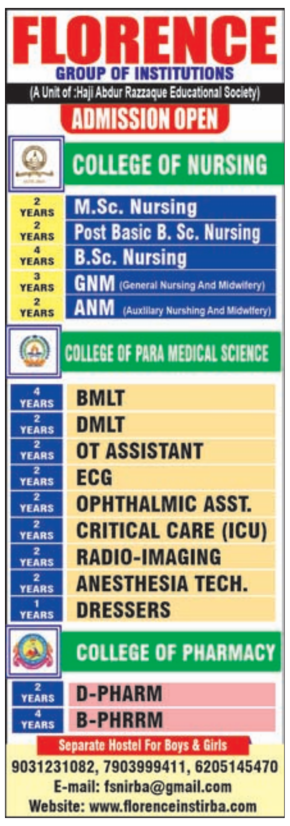

भोगनाडीह में पुलिस और शहीद के वंशजों के बीच हिंसक झड़प

आंसू गैस के गोले छोड़े गये, पुलिस पर भी पथराव और तीर चले

आजाद सिपाही संवाददाता

साहिबगंज। हूल दिवस पर सोमवार को सिदो-कान्हू की जन्मस्थली भोगनाडीह में ग्रामीणों और पुलिस के बीच विवाद हो गया। पुलिस को भीड़ को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले दागने पड़े। ग्रामीणों ने भी पुलिस पर पथराव भी किया। तीर भी चलाये जाने की चर्चा है। कुछ पुलिस कर्मियों के घायल होने की खबर है। इसके बाद पूरे इलाके में भारी संख्या में पुलिस बल तैनात कर दिया गया है।

दरअसल, 30 जून 1855 को सिदो-कान्हू ने भोगनाडीह में ही हूल क्रांति की शुरुआत की थी। इसके सम्मान में हर साल 30 जून को भोगनाडीह में राजकीय कार्यक्रम का आयोजन भी किया जाता है। सिदो-कान्हू हूल फाउंडेशन और अतु मांझी बैसी के बैनर तले भोगनाडीह में हर साल पंडाल लगाया जाता है। हूल दिवस पर वंशज मंडल मुर्मू के परिजन और परिवार के अन्य सदस्य सिदो-कान्हू की पूजा करते हैं और गंगा के पवित्र जल में स्नान कराते हैं। उसके बाद मुख्यमंत्री या कोई अन्य पूजा व माल्यार्पण करता है।

पूजा करने की प्रशासन ने नहीं दी अनुमति : इस बार जिला प्रशासन ने वंशजों को पंडाल लगाने की अनुमति नहीं दी। प्रशासन के मौखिक आदेश पर सुबह 10 बजे से पहले और शाम 4 बजे के बाद पूजा करने की अनुमति दी गयी थी। इसको लेकर वंशज के परिजन पिछले तीन दिनों से आक्रोशित थे। पुलिस ने रविवार को अस्थायी पंडाल को हटा दिया था। इसके विरोध में वंशज के परिजन व समर्थकों ने सोमवार की सुबह सिदो-कान्हू भोगनाडीह पार्क में ताला जड़ दिया। साथ ही किसी के लिए भी पूजा की अनुमति पर रोक लगा दी। पुलिस प्रशासन ने इसे खुलवाने का प्रयास किया, लेकिन समर्थक अड़े रहे। इस दौरान पुलिस और वहां मौजूद लोगों के बीच तनाव बढ़ गया और झड़प शुरू हो गया।

पुलिस ने छोड़े आंसू गैस के गोले : वहां मौजूद लोगों के साथ बढ़ते तनाव को देखते हुए, भीड़ को तितर-बितर करने के लिए पुलिस को आंसू गैस के गोले दागने पड़े, जिससे भगदड़ मच गयी। समर्थकों ने पुलिस पर पथराव किया और तीर भी चलाये। बताया जा रहा है कि इसमें तीन-चार पुलिसकर्मी घायल हुए हैं। घटना के बाद पूरे इलाके में पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। फिलहाल माहौल पूरी तरह तनावपूर्ण है, लेकिन स्थिति नियंत्रण में है।

झड़प में घायल वंशज परिवार और ग्रामीण

जेठु मुर्मू (42 वर्ष), शिव चरण हांसदा (55 वर्ष), सुरूज टुडू (50वर्ष), संगीता टुडू (28वर्ष), माही बास्की (35वर्ष), बिटिया हांसदा, नेहा मुर्मू (8 वर्ष) और वर्ष देवराज किस्कू।

घायल जवान

जैप 9 के जवान श्याम सुंदर यादव (38 वर्ष), रमेश कुमार पासवान (40 वर्ष), संजय कुमार यादव (47 वर्ष), छोटे लाल (46 वर्ष) और मृत्युंजय कुमार (55 वर्ष)।

प्रशासन ने विवाद से बचने के लिए नहीं दी अनुमति

गौरतलब है कि वंशज मंडल मुर्मू के परिजनों ने जिला प्रशासन से पंडाल लगाने और पूजा करने की लिखित अनुमति मांगी थी, लेकिन इस बार प्रशासन ने अनुमति नहीं दी। चूंकि इस मौके पर सरकारी कार्यक्रम का भी आयोजन होता है, इसलिए किसी तरह के विवाद से बचने के लिए प्रशासन ने पंडाल लगाने की अनुमति नहीं दी थी। उन्हें मौखिक आदेश पर सुबह 10 बजे से पहले और शाम 4 बजे के बाद पूजा करने की अनुमति दी गयी थी। शनिवार की रात कार्यक्रम के लिए पंडाल बना रहे 13 मजदूरों को पुलिस ने हिरासत में ले लिया। इसके विरोध में सिदो कान्हू के वंशज और आदिवासियों ने पारंपरिक हथियारों के साथ प्रदर्शन किया। उन्होंने जिला प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की और सिदो-कान्हू पार्क में ताला जड़ दिया। साथ ही चुड़का खोदकर सरकारी कार्यक्रम के लिए जिला प्रशासन द्वारा बनाये जा रहे पंडाल के काम को रोक दिया।

नयी दिल्ली में सीएम हेमंत सोरेन ने सिदो कान्हू , चांद-भैरव को दी श्रद्धांजलि, कहा

सरना धर्म कोड, आदिवासी संस्कृति पहचान के लिए होगा हूल उलगुलान

- वीर शहीदों के पदचिन्हों पर चलने वाले दिशोम गुरु अस्वस्थ हैं, इसलिए भोगनाडीह नहीं आ सका : हेमंत

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली/रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने नयी दिल्ली में 1855 में स्वतंत्रता की लड़ाई के अग्रगण्य, भारत माता के वीर सपूत और (हूल) आंदोलन के मुखिया सिदो-कान्हू और चांद-भैरव को माल्यार्पण अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर उन्होंने कहा है कि संथाल हूल विद्रोह के महानायक अमर वीर शहीद सिदो-कान्हू, चांद-भैरव, फूलो-झानो और हजारों वीर शहीदों के संघर्ष और समर्पण के पदचिन्हों पर चलने वाले आदरणीय बाबा दिशोम गुरु अभी अस्वस्थ हैं। इस कारण मैं इस बार भोगनाडीह की क्रांतिकारी, वीर भूमि पर नहीं आ पाया। हूल दिवस हमारे लिए सिर्फ एक दिन का कार्यक्रम नहीं है। हूल दिवस हमारे लिए संकल्प का दिन है, हूल हमारी ताकत है, हूल हमारी पहचान है। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि 'आने वाले समय में आदिवासी धर्म कोड, आदिवासी संस्कृति, भाषा, सभ्यता और पहचान के लिए हूल उलगुलान होगा। हूल दिवस पर अमर वीर शहीदों को शत-शत नमन!' इस अवसर पर विधायक कल्पना सोरेन, ममता देवी, मथुरा प्रसाद महतो, उदय प्रताप सिंह राजेश कच्छप और पूर्व विधायक केएन त्रिपाठी भी मौजूद थे।

दिशोम गुरु के स्वास्थ्य में धीरे-धीरे हो रहा सुधार, लौटने का है इंतजार

- पूजा-अर्चना का दौर जारी, रांची के पहाड़ी मंदिर में हुआ रूद्राभिषेक, तो दुर्गा मंदिर में हुई पूजा

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची/नयी दिल्ली। झारखंड में इन दिनों दिशोम गुरु शिबू सोरेन के लिए दुआएं और प्रार्थनाएं हर तरफ की जा रही हैं। उनके बेहतर स्वास्थ्य लाभ के लिए राज्य के मंदिर से लेकर मस्जिद, चर्च से लेकर गुरुद्वारे तक दुआ की जा रही है। इसी कड़ी में सोमवार को रांची के रातु रोड स्थित दुर्गा मंदिर में झामुमो ने गुरुजी के जल्द स्वस्थ्य होने को लेकर पूजा-अर्चना किया। वहीं, प्रसिद्ध पहाड़ी मंदिर में अबुआ अधिकार मंच के लोगों ने शिबू सोरेन के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना के साथ रूद्राभिषक का आयोजन किया गया। इस बीच उनकी तबीयत को लेकर ताजा अपडेट ये है कि धीर-धीरे सुधार हो रहा है और हालत फिलहाल स्थिर है। लोगों को उनका स्वस्थ्य हो कर झारखंड लौटने का बेसब्री से इंतजार किया जा रहा है।

बताते चलें कि शिबू सोरेन दिल्ली के गंगाराम अस्पताल में भर्ती हैं। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, विधायक कल्पना सोरेन और बसंत सोरेन दिल्ली में ही हैं। उनके स्वास्थ्य की जानकारी लेने के लिए हर दिन झारखंड से नेता और कार्यकर्ता दिल्ली पहुंच रहे हैं। वह सभी मुख्यमंत्री से मिल कर शिबू सोरेन की स्वस्थ्य की जानकारी ले रहे हैं।

धोनी 'कैप्टन कूल' को ट्रेडमार्क कराना चाहते हैं, किया आवेदन

- मंजूर होने पर अपने कोचिंग सेंटर को देंगे यह नाम

आजाद सिपाही संवाददाता

कोलकाता। पूर्व भारतीय कप्तान एमएस धोनी ने 'कैप्टन कूल' को ट्रेडमार्क कराने के लिए आवेदन किया है। अगर उन्हें इस शब्द के ट्रेडमार्क राइट्स मिल जाते हैं तो 'कैप्टन कूल' शब्द का प्रयोग कोई व्यक्ति या संस्था नहीं कर सकेगी। धोनी ने 5 जून को ट्रेडमार्क रजिस्ट्री पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन जमा किया। वे कोचिंग और ट्रेनिंग सेंटर्स के लिए 'कैप्टन कूल' का उपयोग करने के लिए विशेष अधिकार चाहते हैं।

पूर्व भारतीय कप्तान के आवेदन को शुरुआत में ट्रेड मार्क्स अधिनियम की धारा 11(1) के तहत बाधा का सामना करना पड़ा। क्योंकि, इस नाम से पहले ही एक ट्रेडमार्क रजिस्टर्ड था। ऐसे में नये ट्रेड मार्क से लोग भ्रमित हो सकते थे। धोनी के वकीलों ने तर्क दिया कि 'कैप्टन कूल' नाम धोनी से पिछले कई सालों से जुड़ा हुआ है। इसे जनता, मीडिया और प्रशंसकों ने बड़े पैमाने पर अपनाया है।

प्रशंसकों ने दिया था 'कैप्टन कूल' का तमगा

धोनी को कैप्टन कूल का टैग उनके फैंस और मीडिया ने दिया था। वे अपनी कप्तानी के दौरान मैदान पर काफी शांत नजर आते थे। मैच की परिस्थिति चाहे जितनी कठिन हो धोनी ठंडे दिमाग से ही फैसले लेते थे। यही कारण था कि उन्हें कैप्टन कूल के नाम से जाना जाने लगा।

दलित लड़की को दी आतंकी बनने की ट्रेनिंग

- ब्रेनवॉश करके केरल ले गये, धर्म परिवर्तन कराया
- पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया

आजाद सिपाही संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज की नाबालिग दलित लड़की को केरल में आतंकी बनाने की ट्रेनिंग दी जा रही थी। पुलिस के मुताबिक आरोपियों ने नाबालिग लड़की को अगवा किया। उसे प्रयागराज से केरल ले गये। जबरन धर्म परिवर्तन कराया। उसे जिहाद के नाम से ट्रेनिंग देने लगे। इसी बीच पीड़ित वहां से भागकर केरल के एक रेलवे स्टेशन पहुंची। जहां रेलवे पुलिस को उसने आपबीती सुनायी। केरल पुलिस ने प्रयागराज पुलिस को सूचना दी। इसके बाद पुलिस नाबालिग को लेकर प्रयागराज आयी। पीड़ित की मां की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी मोहम्मद कैफ और उसकी साथी एक नाबालिग लड़की को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों के गिरोह में कौन-कौन शामिल हैं? यह गिरोह अब तक कितने लोगों को शिकार बना चुका है? इसकी जांच के लिए पुलिस की तीन टीमें बनायी गयी हैं। वहीं मामला आतंकी ट्रेनिंग से जुड़ा होने के कारण एटीएस की प्रयागराज यूनिट फूलपुर थाने पहुंची। एटीएस आरोपियों से पूछताछ कर रही है। आतंकी साजिश को लेकर जांच शुरू की गयी है।

न्यूज रील्स

टिकट कंफर्म है या नहीं 8 घंटे पहले चलेगा पता

नयी दिल्ली। अगर आप ट्रेन से सफर करते हैं तो एक बात नोट कर लीजिए। दरअसल 1 जुलाई से कई नियमों में बदलाव हो रहे हैं। रिजर्वेशन चार्ट को लेकर भी नया नियम आया है। ट्रेन के रवाना होने से ठीक 8 घंटे पहले रिजर्वेशन चार्ट तैयार कर दिया जायेगा। पहले ये चार्ट 4 घंटे पहले बनता था। इस नए नियम से यात्रियों को ये पहले से पता चल जायेगा कि उनका टिकट कंफर्म हुआ है या नहीं। दोपहर 2 बजे से पहले चलने वाली ट्रेनों का चार्ट तो रात 9 बजे ही तैयार कर दिया जायेगा। आज से तत्काल टिकट बुकिंग के नियम में भी बदलाव आयेगा। अब 1 जुलाई से सिर्फ आधार-वेरिफाइड यूजर्स ही आइआरसीटीसी वेबसाइट या फिर एप के जरिये तत्काल बुकिंग कर पायेंगे।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत 4 साल में 52 स्पेशल डिफेंस सैटेलाइट लांच करेगा

- एआइ से लैस, आपस में कनेक्ट रहेंगे
- चीन-पाकिस्तान बॉर्डर पर निगरानी की तैयारी

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत अब अंतरिक्ष में अपनी सैन्य ताकत को और मजबूत करने जा रहा है। सरकार ने तय किया है कि 2029 (अगले 4 साल में) तक 52 स्पेशल डिफेंस सैटेलाइट अंतरिक्ष में भेजे जायेंगे, ये सभी सैटेलाइट अंतरिक्ष में भारत की आंख बनेंगे और पाकिस्तान-चीन बॉर्डर पर लगातार नजर रखेंगे। सैटेलाइट्स आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ) बेस्ड होंगे और 36 हजार किमी. ऊंचाई पर ये आपस में कम्युनिकेट कर सकेंगे। इससे पृथ्वी तक सिग्नल भेजने, मैसेज-तस्वीरें भेजने में आसानी होगी। यह पूरा अभियान रक्षा अंतरिक्ष एजेंसी के तहत चलाया जा रहा है और इसके लिए सरकार ने स्पेस-बेस्ड सर्विलांस फेज-3 (एसबीएस-3) योजना बनायी है। इसके लिए 26,968 करोड़ रुपये का बजट है। इसे अक्टूबर 2024 में कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी ने मंजूरी दी थी।

इसरो और तीन निजी भारतीय कंपनियों की भागीदारी: इस योजना के तहत इसरो 21 सैटेलाइट बनायेगा और लांच करेगा, जबकि 31 सैटेलाइट्स तीन निजी भारतीय कंपनियां तैयार करेंगी। पहला सैटेलाइट अप्रैल 2026 तक लांच किया जायेगा, लेकिन समय सीमा को और घटाने का प्रयास जारी हैं। ये सैटेलाइट्स लो-अर्थ ऑर्बिट और जियोस्टेशनरी ऑर्बिट में तैनात किये जायेंगे। वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक एसबीएस-3 का मकसद पाकिस्तान, चीन और हिंद महासागर क्षेत्र को ज्यादा विस्तार में कवर करना है, ताकि कम समय में हाई रिजोल्यूशन निगरानी संभव हो। ऑपरेशन सिंदूर के बाद योजना को लागू करने में तेजी लायी गयी है।

आजाद सिपाही | झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
VIEWERSHIP 5 Crore 90 lakh+
12 Crore + Watch Time (min)
200000 Subscribers
YouTube Channel
Subscribe NOW

आजाद सिपाही
रांची, मंगलवार, 01 जुलाई, 2025
www.azadsipahi.in

बिहार के सियासी रण में इस बार भी दिखेगा बाहुबल का रंग

■ राज्य के चर्चित बाहुबली इस बार किस्मत आजमाने की कर रहे तैयारी

■ हर दल के खेमे में चुनाव लड़ने को तैयार बैठे हैं बाहुबली और समर्थक

आजाद सिपाही विशेष

बिहार की सियासत में बाहुबल के तड़के का रिश्ता पुराना है। अनंत सिंह से लेकर सूरजभान, रामा सिंह, शहाबुद्दीन, राजू तिवारी से लेकर सुनील पांडेय तक, बाहुबली नेताओं की एक लंबी लिस्ट है। प्रदेश में इस साल के अंत तक विधानसभा चुनाव होने हैं और चुनावी साल में चर्चा बाहुबलियों की भी होने लगी है। कुछ बाहुबली खुद भी सियासत में सक्रिय हैं, तो कुछ अपने परिजनों के जरिये सियासी वजूद बनाये हुए हैं। कुछ बाहुबलियों की विरासत पर उनके परिवार के सदस्य खुद को मौजूं बनाये रखने और सियासत में खुद को स्थापित करने की जद्दोजहद में हैं। सबसे खास बात यह है कि बिहार में कोई भी दल ऐसा नहीं है, जिसके पास बाहुबली या उनके परिजन नहीं हों। बिहार की सियासत में चर्चित बाहुबलियों की सूची पर नजर डालने से एक तथ्य यह भी उभरता है कि इन बाहुबलियों का अपना दौर था और उस दौर में बिहार की सियासत भी अलग किस्म की थी। लेकिन अब गंगा में बहुत पानी बह चुका है। बाहुबलियों का दबदबा भी कम हुआ है, तो कुछ नये चेहरे भी तेजी से उभरे हैं। यहां नजर डालते हैं बिहार में कुछ ऐसे ही बाहुबलियों की राजनीति पर कि वे खुद या उनके परिजन इस बार के चुनाव से पहले किस दल की ओर नजर आ रहे हैं। कौन-कौन से बाहुबली खुद को या अपने परिजनों को चुनाव मैदान में उतारने की तैयारी कर रहे हैं और किस दल में कितने बाहुबली हैं, बता रहे हैं **आजाद सिपाही के विशेष संवाददाता राकेश सिंह।**

राकेश सिंह

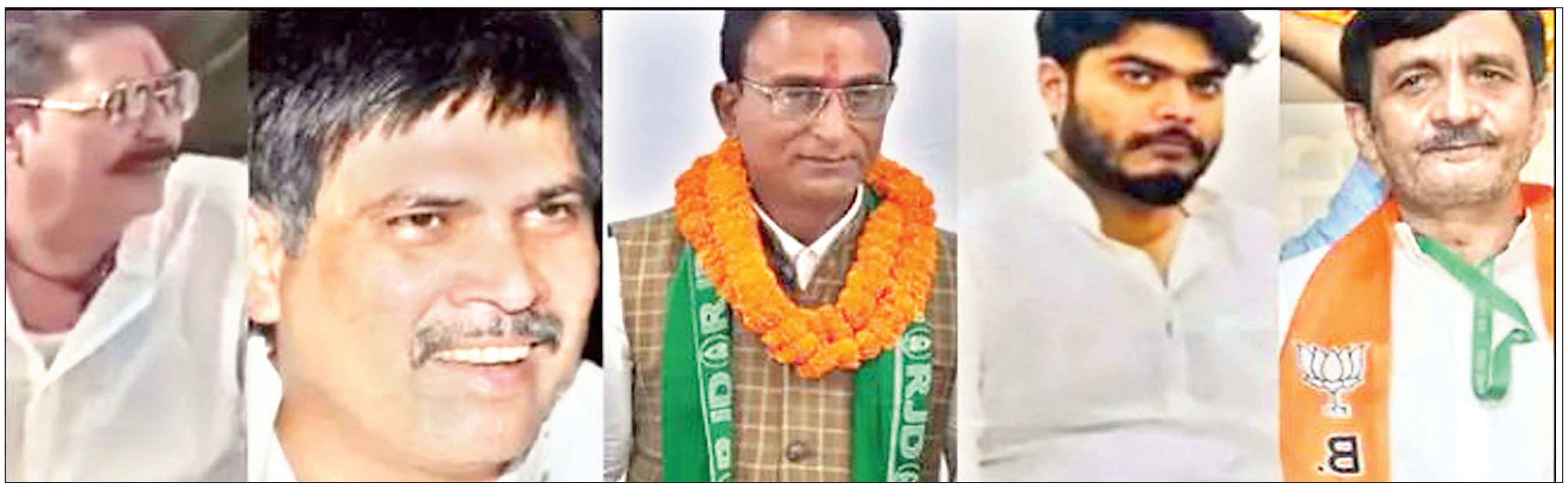

बिहार का आगामी विधानसभा चुनाव कितना अहम होगा, इसका संकेत इसी बात से मिल रहा है कि हर दल चुनाव जीतने के लिए 'साम-दाम-दंड-भेद' के इस्तेमाल से परहेज नहीं कर रहा है। बिहार की यह सियासत इस बात के भी पुख्ता संकेत दे रही है कि इस बार के चुनाव में केवल लोकतंत्र को ही कसौटी पर नहीं कसा जायेगा, बल्कि बाहुबलियों को भी सियासी जमीन पर परखा जायेगा। राज्य के बाहुबली इसकी तैयारी कर भी रहे हैं। इसका साफ मतलब यह है कि बिहार की राजनीति एक बार फिर 1990 के दौर में लौटने को बेताब है। प्रदेश में सक्रिय दोनों मजबूत सियासी गठबंधन- एनडीए और महागठबंधन की चुनावी तैयारियों से यही संकेत मिल रहे हैं। जहां तक बाहुबलियों का सवाल है, तो एनडीए में जदयू के पास दो बाहुबली- आनंद मोहन और अनंत सिंह हैं, जो खुद या अपने परिजनों के लिए विधानसभा चुनाव में ताल ठोंकने की तैयारी कर रहे हैं। एनडीए का दूसरा घटक भाजपा भी सुनील पांडेय को बेटे को फिर उम्मीदवार बनायेगी, यह तय है। इसलिए कि उन्होंने उपचुनाव में राजद उम्मीदवार को शिकस्त दी थी।

महागठबंधन में भी बाहुबलियों का बोलबाला

महागठबंधन में भी ऐसी ही तैयारी दिखती है। लोजपा-आर ने भी सिवान में रइस खां और उनके भाई को अपने साथ लिया है, तो यकीनन उनका इस्तेमाल विधानसभा चुनाव में करेगी। अपने समय में कुख्यात रहे दिवंगत सांसद शहाबुद्दीन के बेटे ओसामा शहाब भी राजद के साथ इसलिए आये हैं कि उन्हें पार्टी विधानसभा का टिकट देगी। ऐसे में इतना तो स्पष्ट है कि इस बार विधानसभा चुनाव में बिहार बाहुबलियों की पदचाप जरूर सुनेगा। या तो वे खुद अपने लिए मैदान सजाते नजर आयेंगे या अपने परिजनों के लिए ताल ठोकते नजर आयेंगे।

अनंत सिंह की ताकत सबको पता है

मोकामा के पूर्व विधायक अनंत सिंह और सोनू सिंह के बीच हाल में गोलीबारी की घटना यह बताती है कि चुनावी जंग इस बार कैसी रहेगी। अनंत सिंह हों या उनकी पत्नी नीलम देवी हों, दोनों की जीत जितनी उनकी लोकप्रियता के कारण होती रही है, उससे कम भूमिका उनकी दबंगई की नहीं होती। मोकामा-बाढ़ में 'छोटे सरकार' के नाम से मशहूर अनंत सिंह के दबदबे का असर लोकसभा चुनाव में भी दिखा था, जब राजीव रंजन उर्फ ललन सिंह के लिए अनंत सिंह का पैरोल पर बाहर आना ही वरदान बन गया। अनंत सिंह ने खुद ललन सिंह के लिए चुनाव प्रचार नहीं किया, लेकिन उनका संदेश सभी तक पहुंच गया कि ललन सिंह भारी मतों से जीत रहे हैं। घोषित अपराधी अशोक महतो ने राजद की प्रत्याशी बनी अपनी पत्नी के लिए कम कोशिश नहीं की, लेकिन अनंत सिंह का दबदबा भारी पड़ गया।

कई बाहुबली उतरेंगे विधानसभा चुनाव में

राजद ने रालोजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष पशुपति कुमार पारस से नजदीकी बढ़ायी है। पारस के दही-चूड़ा भोज में लालू प्रसाद यादव ने भी शिरकत की। उसके पहले और बाद में पारस की हाजिरी लालू यादव के दरबार में लगती रही है। एनडीए ने जिस तरह पारस के भतीजे चिराग पासवान की पार्टी लोजपा-आर को तवज्जो दी है और उन्हें हाशिये पर धकेल दिया है, उससे उनका राजनीतिक भविष्य तलाशना अनुचित भी नहीं है। पारस के साथ बाहुबली सूरजभान शिद्दत से खड़े रहे हैं। इस बार पारस उन्हें भी उम्मीदवार बनायें, तो आश्चर्य की बात नहीं होगी। मरहूम सांसद शहाबुद्दीन के बेटे ओसामा तो अपने राजनीतिक पुनर्वास के लिए पहले ही अपनी मां हिना शहाब के साथ राजद की सदस्यता ले चुके हैं।

चिराग के पास हुलास और खान ब्रदर्स

एनडीए की घटक लोजपा-आर के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान के करीबी बाहुबली नेताओं की संख्या फिलवक्त सबसे अधिक दिख रही है। सिवान में आपराधिक छवि के रइस खान और उनके भाई की हाल ही लोजपा-आर में एंट्री हुई है। हुलास पांडेय पहले से ही चिराग के साथ हैं। चिराग इनका भी इस्तेमाल इस बार विधानसभा चुनाव में करेंगे ही। भाजपा और जदयू की तरह लोजपा-आर भी इस बार बाहुबलियों पर दांव लगाने से पीछे नहीं रहना चाहती है।

भाजपा भी किसी से पीछे नहीं रहेगी

भाजपा भले अलग अंदाज की पार्टी होने का दावा करे, पर बिहार में उसकी छवि भी दूसरे दलों से अलग नहीं। बाहुबली सुनील पांडेय अपने बेटे विशाल प्रशांत के लिए फिर जोर लगायेंगे ही। उपचुनाव में विशाल प्रशांत तरारी सीट से भाजपा के टिकट पर विधायक बने हैं। बाहुबली रहे स्वर्गीय बृजबिहारी प्रसाद की पत्नी रमा देवी भाजपा की पूर्व सांसद हैं। इस बार लोकसभा चुनाव में भाजपा ने उन्हें टिकट नहीं दिया था। यह तय माना जा रहा है कि भाजपा उन्हें भी असेंबली चुनाव में उम्मीदवार बनायेगी।

जदयू दिख रहा है सब पर भारी

बिहार के सीएम नीतीश कुमार बाहुबलियों के खिलाफ रहे हैं। बाहुबलियों पर नकेल कसने के कारण ही 2005-2010 के कार्यकाल में नीतीश कुमार की छवि 'सुशासन बाबू' की बनी थी। अब नीतीश को भी बाहुबलियों से परहेज नहीं है। अनंत सिंह की रिहाई के बाद नीतीश उनके घर भी गये थे। अनंत सिंह की पत्नी नीलम देवी ने संकट में पाला बदल कर नीतीश का साथ दिया था। आनंद मोहन की रिहाई का रास्ता भी नीतीश कुमार ने ही प्रशस्त किया था। उनके बेटे चेतन आनंद ने भी आड़े वक्त नीलम देवी की तरह ही राजद से अलग होकर नीतीश का साथ दिया था। इस बार तो जदयू में राजन तिवारी को भी टिकट देने की तैयारी है।

राजद में ओसामा और अशोक

सीएम का ख्वाब देख रहे तेजस्वी यादव भी बाहुबलियों पर दांव लगाने की तैयारी में किसी से कमतर नहीं रहना चाहते। राजद के स्तंभों में रहे भूतपूर्व सांसद शहाबुद्दीन के रूठे परिवार को तेजस्वी ने अब मना लिया है। शहाबुद्दीन की पत्नी हिना शहाब और बेटे ओसामा शहाब ने राजद की फिर से सदस्यता ले ली है। मुंगेर से राजद के टिकट पर लोकसभा का चुनाव लड़ चुकीं कुख्यात अपराधी अशोक महतो की पत्नी भी विधानसभा चुनाव में ताल ठोंकने को तैयार हैं। पशुपति पारस के जरिये सूरजभान से राजद इस बार भाजपा नेता और डिप्टी सीएम विजय कुमार सिन्हा को सबक सिखाने की तैयारी में है। बाहुबलियों में शुमार रहे पूर्णिया के निर्दलीय सांसद पप्पू यादव भी अपने बेटे के लिए ताल ठोंक सकते हैं। हालांकि वे इसके लिए कभी कांग्रेस के करीब होने की कोशिश करते दिख रहे हैं, तो हाल में नीतीश कुमार से उनकी मुलाकात भी यह संकेत दे रही है कि विधानसभा चुनाव में वे भी अपनी भूमिका निभायेंगे।

गृह मंत्री से शिल्पी नेहा तिर्की ने की विशेष आर्थिक पैकेज की मांग

नयी दिल्ली में सहकार से समृद्धि राष्ट्रीय मंथन कार्यक्रम में शामिल हुईं झारखंड की कृषि मंत्री

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। कृषि और सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने सोमवार को दिल्ली में आयोजित अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष पर आयोजित सहकार से समृद्धि नामक राष्ट्रीय मंथन कार्यक्रम में झारखंड की सहकारिता क्षेत्र की चुनौतियों और जरूरतों को मजबूती से उठाया।

उन्होंने केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह की उपस्थिति में कहा कि झारखंड सहकारिता के क्षेत्र में पिछड़ा हुआ राज्य है और इसे विशेष नीति और आर्थिक सहयोग की आवश्यकता है।

मंत्री ने बताया कि राज्य में वर्तमान में 4,400 एमपीसीएस कार्यरत हैं, जिनमें अधिकांश आर्थिक रूप से कमजोर हैं। राज्य सरकार इन्हें चार श्रेणियों में बांटते हुए अब तक 28 करोड़ रुपये वर्किंग कैपिटल के रूप में दे चुकी है। उन्होंने केंद्र सरकार से आग्रह किया कि झारखंड के कुछ चयनित एमपीसीएस को वर्किंग कैपिटल मुहैया कराकर उन्हें सुदृढ़ किया जाये। गोदाम निर्माण पर बात करते हुए मंत्री ने कहा कि झारखंड को भंडारण क्षमता में 57 प्रतिशत की कमी का सामना करना पड़ रहा है। पैक्स के पास 10 प्रतिशत अंशदान की भी सामर्थ्य नहीं है, ऐसे में केंद्र को 100 प्रतिशत अनुदान देकर गोदाम का निर्माण करना चाहिए।

कार्यक्रम में धान की एमएसपी को वैधानिक दर्जा देने, एनसीसीटी ट्रेनिंग सेंटर के रूप में फुद्दी सेंटर के विकास और झारखंड में नाफेड का रीजनल सेंटर स्थापित करने की मांग भी मंत्री ने रखी। उन्होंने एससी-एसटी समुदाय को सहकारिता में उचित प्रतिनिधित्व देने और नयी सहकारी समितियों के गठन में आरक्षण और विशेष योजना लागू करने का भी सुझाव दिया।

मुख्य अतिथि केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने बैठक में भरोसा दिलाया कि सहकारिता आंदोलन को सशक्त बनाने के लिए राज्यों की सभी व्यवहारिक जरूरतों पर गंभीरता से विचार किया जायेगा और जरूरत पड़ने पर नीतिगत बदलाव भी किये जायेंगे। कार्यक्रम में देशभर के सहकारिता मंत्री, अधिकारी, विशेषज्ञ और सहकारी संगठनों के प्रतिनिधि शामिल हुए।

डुमरी विधायक जयराम महतो की एस्कॉर्ट गाड़ी दुर्घटनाग्रस्त, छह समर्थक घायल

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। गिरिडीह के डुमरी से जेएलकेएम विधायक जयराम कुमार महतो को एस्कॉर्ट कर रही गाड़ी सोमवार को दुर्घटनाग्रस्त हो गयी। इस हादसे में छह युवक घायल हो गये। सभी घायल युवक विधायक जयराम कुमार महतो के मित्र हैं। यह जानकारी विधायक के निजी सचिव संजय महतो ने दी। उन्होंने बताया कि यह हादसा रविवार की रात करीब 10.30 बजे पश्चिम बंगाल के बलरामपुर-पुरुलिया में हुआ था। घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद धनबाद के अशर्फी अस्पताल और जिम्स अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सभी खतरे से बाहर हैं लेकिन संतोष नामक एक युवक के कंधे के पास की एक हड्डी टूट गयी है। हादसे की जानकारी खुद विधायक जयराम महतो ने अपने एक्स हैंडल से घायलों की तस्वीरों के साथ साझा की है।

उन्होंने बताया है कि आपके आशीर्वाद से सभी सुरक्षित हैं और खतरे से बाहर हैं।

डुमरी विधायक के निजी सचिव संजय महतो ने बताया कि रविवार को कराईकेला में जनसभा को संबोधित करने के बाद काफिला लौट रहा था। उस दौरान भारी बारिश हो रही थी। एक स्कॉर्पियो गाड़ी में विधायक के छह मित्र थे जो उनकी गाड़ी को एस्कॉर्ट कर रहे थे। इसी दौरान गाड़ी के शीशे पर लगे कीचड़ को साफ करने के लिए रुक गये। फिर काफिला को ज्वाइन करने के लिए एस्कॉर्ट गाड़ी की रफ्तार तेज थी। इसी दौरान एक टर्निंग प्वाइंट पर गाड़ी पलट गयी और सड़क से करीब 100 मीटर दूर चली गयी। इसकी सूचना मिलते ही विधायक वापस लौटे और अपने सभी मित्रों को प्राथमिक उपचार कराने के बाद धनबाद लेकर गये। साथ ही क्रेन बुलवाकर क्षतिग्रस्त गाड़ी को खेत से निकाला गया।

कराईकेला में हुई थी पार्टी की जनसभा

विधायक के निजी सचिव के मुताबिक रविवार को पश्चिमी सिंहभूम के कराईकेला में जेएलकेएम पार्टी की ओर से जनसभा का आयोजन किया गया था। उन्होंने अपने संबोधन में बीमार चल रहे गुरुजी के जल्द स्वस्थ्य होने की कामना करते हुए सवाल उठाया था कि 25 वर्षों में कैसा झारखंड बनाया कि उनका इलाज झारखंड में नहीं हो पा रहा है। उन्होंने स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी को भी आड़े हाथों लिया था। उन्होंने कहा था कि हमे भीख नहीं अधिकार चाहिए, अगर झारखंडियों के लिए झारखंड है तो फिर 64 में 40 डीएसपी बिहारी कैसे।

सिदो-कान्हू के नाम पर देवघर एयरपोर्ट का नाम करे केंद्र : केशव महतो कमलेश

वक्फ बिल संशोधन के मामले में भाजपा समाज में मतभेद पैदा करना चाहती है

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने देवघर एयरपोर्ट का नाम राज्य के वीर सपूतों के नाम पर करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि जिस तरह कोलकाता एयरपोर्ट का नाम नेताजी सुभाष चंद्र बोस, पटना का जयप्रकाश नारायण ओड़िशा के दो मुख्य हवाई अड्डों का नाम बीजू पटनायक और वीर सुरेंद्र साई के नाम पर रखा गया है। उसी तरह संथाल परगना में बने देवघर हवाई अड्डे का नाम वहां के वीर सपूतों के नाम पर होना चाहिए। प्रदेश अध्यक्ष सोमवार को कांग्रेस भवन में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में बोल रहे थे।

उन्होंने कहा कि वक्फ बिल संशोधन के मामले में भाजपा समाज में मतभेद पैदा करने और बांटने एवं नफरत फैलाना चाहती है। वफ्फ बिल मुस्लमानों को उनके व्यक्तिगत कानूनों और संपति अधिकारों से वंचित करने का एक हथियार है। यह बिल संविधान पर हमला है। यह कदम सिर्फ मुसलमानों को निशाना बनाकर किया जा रहा है, लेकिन भविष्य में इसका इस्तेमाल अन्य समुदायों के खिलाफ भी किया जायेगा। यह बिल संविधान मे आर्टिकल 25 के तहत दिये गये धार्मिक स्वतंत्रता के अधिकार का उल्लंघन है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार वक्फ बोर्ड की संपतियों पर कब्जा करना चाहती है।

उन्होंने कहा कि गृहमंत्री ने लोकसभा में वक्तव्य दिया था वक्फ ट्रिब्यूनल के फैसले के खिलाफ कोई अपील नहीं हो सकती थी जो सरासर झूठ था। वक्फ एक्ट 1995 की धारा 83 (9) के तहत हाइकोर्ट में अपील की जा सकती है। इससे यह साफ पता चलता है कि यह बिल मुस्लिम समुदाय के खिलाफ एक राजनीतिक एजेंडा है। संविधान की धारा 26 धार्मिक स्वतंत्रता की गारंटी देता है लेकिन इस बिल के जरिये सरकार मुसलमानों के धार्मिक स्थलों को निशाना बना रही है।

वहीं प्रदेश अल्पसंख्यक कांग्रेस के अध्यक्ष मंजूर अंसारी ने कहा कि भाजपा के प्रवक्ता की ओर से दिया गया बयान समाज के सामने झूठ की थाली सजा कर रखने के समान है। यदि जफर इस्लाम में ताकत है तो इमरान प्रतापगढ़ी के साथ आमने-सामने बैठकर वक्फ बिल पर चर्चा कर लें।

मौके पर प्रदेश कांग्रेस मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा, प्रवक्ता सोनाल शांति, जगदीश साहू और राजन वर्मा उपस्थित थे।

देश में सामाजिक समरसता बिगाड़ रही भाजपा : शहजादा अनवर

प्रदेश कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष शहजादा अनवर ने कहा कि देश में सामाजिक समरसता को बिगाड़ने का काम केंद्र सरकार कर रही है। यह देश की खूबसूरती है कि लोकसभा में अल्पसंख्यक समुदाय के सिर्फ 24 सांसद हैं, लेकिन वक्फ बिल का विरोध धर्म से ऊपर उठकर 232 सांसदों ने किया है। लोकसभा और राज्यसभा में बहुमत के दुरुपयोग की जब चर्चा होगी तब इसका उदाहरण वक्फ बिल होगा।

आजाद सिपाही | झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
200000 Subscribers
VIEWERSHIP 5 Crore 90 lakh+
12 Crore + Watch Time (min)
YouTube Channel
Subscribe NOW

वेदर

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
रांची	28.4 °c	22.7 °c
सूर्यास्त (आज) :	18.39 बजे	
सूर्योदय (कल) :	05.06 बजे	

बारिश से हो रहे नुकसान पर सरकार की है नजर : हेमंत

प्रभावित लोगों के साथ सरकार हमेशा खड़ी है

आजाद सिपाही संवाददाता

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने एक वीडियो साझा कर राज्यवासियों को आश्वस्त किया

नयी दिल्ली। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने राज्यवासियों से कहा है कि मानसून की शुरूआत में ही झारखंड में हो रही लगातार बारिश चिंता का विषय है। बारिश के कारण प्रभावित लोगों के साथ सरकार खड़ी है और उन्हें हर संभव सहायता पहुंचाई जायेगी। मुख्यमंत्री ने कहा है कि झारखंड में मानसून अभी शुरू ही हुआ है और शुरूआत से ही बारिश की तीव्रता चिंता का विषय है। यह बदलाव पर्यावरण के दृष्टिकोण से हो रहे हैं। इन बदलावों से प्रभावित होने वाले लोगों पर सरकार की नजर है। मालूम हो कि झारखंड में मानसून के शुरूआत से ही लगातार बारिश हो रही है। इससे झारखंड के कई हिस्सों में बाढ़ जैसे हालात पैदा हो गये हैं। ऐसी परिस्थिति में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने एक्स के माध्यम एक वीडियो साझा कर राज्यवासियों को आश्वस्त किया है कि सरकार उन सभी लोगों के साथ खड़ी है, जो इस बारिश में प्रभावित हुए हैं। और वे सभी सरकार की निगरानी में हैं।

मंत्री सुदिव्य सोनू ने मुख्य सचिव के साथ किया उसरी वाटर फॉल और खंडोली डैम का निरीक्षण

दोनों स्थलों पर इको-टूरिज्म को विकसित करने पर भी विचार किया गया

आजाद सिपाही संवाददाता

गिरिडीह। गिरिडीह जिले में पर्यटन को बढ़ावा देने और प्रमुख पर्यटक स्थलों का समुचित विकास करने के उद्देश्य से सोमवार को नगर विकास मंत्री सुदिव्य कुमार और मुख्य सचिव अलका तिवारी ने उसरी वाटर फॉल और खंडोली डैम पर्यटन स्थल का निरीक्षण किया। मौके पर उपायुक्त, रामनिवास यादव, पुलिस अधीक्षक, डॉ बिमल कुमार, पूर्वी वन प्रमंडल पदाधिकारी, मनीष तिवारी, उप विकास आयुक्त, सहित अन्य कई विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे। निरीक्षण के क्रम में उसरी वाटर फॉल और खंडोली डैम को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने को लेकर चर्चा हुई। मौके पर सुदिव्य कुमार ने कहा कि जिले के दो प्रमुख स्थलों को पर्यटन स्थल के रूप में और बेहतर और विकसित करने को लेकर राज्य सरकार और जिला प्रशासन की ओर से सभी तैयारियां सुनिश्चित करायी जा रही हैं।

जिससे कि यहां के स्थानीय को भी रोजगार के अवसर प्राप्त हो और पर्यटन को बढ़ावा मिले। मंत्री ने दोनों स्थलों पर इको-टूरिज्म को विकसित करने पर भी विचार किया गया। मंत्री ने कहा कि उसरी वाटर फॉल और खंडोली डैम पर्यटन स्थलों को विकसित कर पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए सभी संबंधित विभाग, अधिकारी, कार्यकारी एजेंसी आपसी समन्वय स्थापित कर विकास कार्यों में तेजी लायें, जिससे कि यहां स्थानीय ग्रामीणों को इसका लाभ मिले।

निरीक्षण के दौरान मुख्य सचिव अलका तिवारी ने कहा कि गिरिडीह जिले में पर्यटन के बहुत संभावनाएं हैं। इसे राज्य सरकार की ओर से विकसित करने पर जोर दिया जा रहा है। यहां की प्राकृतिक सुंदरता मनोहारी है। उन्होंने कहा कि मंत्री के सहयोग से पर्यटन के क्षेत्र में काफी बेहतरी करने के प्रयास किये जा रहे हैं। मौके पर मौजूद गिरिडीह उपायुक्त ने कहा कि राज्य सरकार पर्यटन स्थलों को विकसित करने के दिशा में प्रयासरत है। जिले के पर्यटन स्थलों के विकास से यहां पर पर्यटकों की संख्या में बढ़ोतरी होगी और स्थानीय लोगों को लाभ मिलेगा।

उपायुक्त ने खंडोली डैम को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने के लिए सारी व्यवस्थाएं की जा रही हैं। खंडोली डैम के चारों तरफ कनेक्टिविटी पर काम किया जायेगा। डैम के चारों तरफ पर्यटक घुमकर प्राकृतिक घटा का आंनद उठा सके। इसके लिए पहुंच पथ का निर्माण कराया जायेगा। डैम के नीचे नदी पर पुल का निर्माण कराया जायेगा ताकि पर्यटकों को आवागमन की सुविधा उपलब्ध करायी जा सके।

साथ ही पर्यटक नदी के इस पार से उस पर का आनंद उठा सके। इसके अलावे मधवाडीह से खंडोली मोड़ को जोड़ने वाली बाइपास पथ का भी निर्माण कराया जायेगा।

बरियारपुर तक कॉरिडोर बनाया जायेगा। साथ ही पर्यटकों के लिए इसे और भी आकर्षक बनाने के लिए सभी व्यवस्थाओं को सुदृढ़ किया जायेगा। उल्लेखनीय है कि रविवार को राज्य प्रमुख सचिव दो दिवसीय प्रवास के क्रम में गिरिडीह पहुंची थीं।

राशिफल

डॉ एनके बेरा | 9431114351

मेष चिंतनीय वातावरण से मुक्ति, रोजी-रोजगार में उलझनों से राहत मिलेगी।

वृष कर्मक्षेत्र में बाधाएं तो आयेंगी परंतु आप अपनी चतुराई व सूझ-बूझ से उनसे छुटकारा पा लेंगे।

मिथुन भाग्योन्नति के अवसर प्राप्त होंगे, राजकीय सहयोग-समर्थन, व्यवसाय में लाभ होगा।

कर्क संपत्ति संबंधी अनेक समस्याएं उत्पन्न होंगी, आय कम होगी, जिसके कारण बचत कम होने से मन उदास रहेगा।

सिंह आप इस समय किसी राजकीय विपत्ति के शिकार हो सकते हैं, व्यावसायिक उलझनें भी बढेंगी।

कन्या प्रयास, परिश्रम से सफलता मिलेगी, मनोवांछित कार्य पूरे होंगे, रोमांस के लिए समय ठीक है।

तुला विवाह आदि उत्सवों की योजना बनेगी, परिवार में शुभ और धार्मिक कार्य होंगे।

वृश्चिक परिवार में कोई खुशी का अवसर आयेगा, रिश्तेदार और मित्रों से मेल-मिलाप होगा।

धनु परिश्रम-प्रयत्न से आय में आशानुकूल वृद्धि होगी, शुभ कार्य की ओर प्रवृत्ति बढ़ेगी।

मकर दैनिक कार्य सरलता से पूरे होंगे, जिस कार्य के लिए प्रयास करेंगे वह पूरा होने की संभावना है।

कुंभ आज आप व्यस्त रहेंगे,लंबित काम निपटायेंगे,स्थितियां धीरे-धीरे सामान्य होती जायेंगी।

मीन समय कष्टकारी है, बिना पढ़े किसी कागज पर हस्ताक्षर न करें।

आरोप : राज्य सरकार आदिवासियों की भावनाओं को कुचल रही

सिदो-कान्हू के वंशजों पर लाठीजार्च बर्दाश्त नहीं करेंगे : बाबूलाल मरांडी

हूल दिवस पर लाठीचार्ज की दमनकारी घटना सरकार के पतन का कारण सिद्ध होगी

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने भोगनाडीह में हूल दिवस के दिन आदिवासी समाज के ऊपर हुए बर्बर लाठीचार्ज की घटना की कड़ी निंदा की है।

मरांडी ने सोमवार को कहा कि जिस तरह वीर सिदो-कान्हू, चांद-भैरव और फूलो-झानो ने हूल क्रांति के माध्यम से अंग्रेजी सत्ता की नींव हिला दी थी, उसी तरह आज भोगनाडीह में लाठीचार्ज की दमनकारी घटना राज्य सरकार के पतन का कारण सिद्ध होगी।

उन्होंने कहा कि हूल दिवस के पावन अवसर पर भोगनाडीह में पुलिस की ओर से किये गये लाठीचार्ज और आंसू गैस के प्रयोग की घटना अत्यंत निंदनीय और दुर्भाग्यपूर्ण है। इस बर्बर कार्रवाई में कई ग्रामीण घायल हुए हैं। इस तरह की घटना वह बर्दाश्त नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि साहिबगंज एसपी से दूरभाष पर पूरी घटना की जानकारी मिली है। उन्होंने कहा कि आज की यह बर्बरता अंग्रेजी हुकूमत के दौर की यादें ताजा कर दी हैं। हूल क्रांति की भूमि पर, छह पीढ़ियों के बाद एक बार फिर सिदो-कान्हू के वंशजों को अत्याचार और अन्याय के विरुद्ध सड़क पर उतरना पड़ा है। उन्होंने कहा कि दरअसल, घुसपैठियों की गोद में बैठी राज्य सरकार नहीं चाहती कि झारखंड का आदिवासी समाज अपने पुरखों की वीरगाथाओं और बलिदानों से प्रेरित होकर अपनी अस्मिता और अधिकारों की रक्षा के लिए संगठित हो। लेकिन सरकार की यह साजिश कभी सफल नहीं होगी।

भोगनाडीह में आदिवासी समाज पर लाठीचार्ज निंदनीय : दीपक प्रकाश

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। भाजपा प्रदेश के पूर्व अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद दीपक प्रकाश ने भोगनाडीह में हूल दिवस के दिन सिदो-कान्हू, चांद-भैरव के वंशजों और वहां के आदिवासी समाज के ऊपर हुए बर्बर लाठीचार्ज की घटना की कड़ी निंदा की है। श्री प्रकाश ने कहा कि हूल दिवस के पावन अवसर पर भोगनाडीह में पुलिस द्वारा किये गये लाठीचार्ज और आंसू गैस के प्रयोग की घटना अत्यंत निंदनीय और दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि अपने आपको आदिवासी समाज का हितैषी बताने वाली सरकार की हकीकत आज सबके सामने खुल कर आ गयी है। आज भोगनाडीह की घटना ने अंग्रजों द्वारा भारतीयों पर की गयी अत्याचार और दमनकारी हुकूमत की याद ताजा करा दी। श्री प्रकाश ने कहा कि आदिवासियों पर किया गया लाठीचार्ज और छोड़े गये आंसू गैस को यह समाज कभी नहीं भूलेगा और आने वाले समय पर इसका करारा जबाब देगा। श्री प्रकाश ने कहा कि इस लाठी, गोली की दमनकारी सरकार को एक क्षण भी सत्ता में बने रहने का कोई अधिकार नहीं है।

सिदो-कान्हू के वंशजों पर लाठीचार्ज नहीं करेंगे बर्दाश्तः सुदेश

राज्य भर में जिला स्तर पर आजसू ने मनाया हूल दिवस

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। आजसू पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश महतो ने कहा कि भोगनाडीह में सिदो-कान्हू के वंशजों और ग्रामीणों को शहीद स्थल पर पहुंचने से रोकने के लिए लाठीचार्ज और आंसू गैस के इस्तेमाल से शहीदों का अपमान हुआ है। उन्होंने कहा कि क्या इसी दिन के लिए शहीदों ने बलिदान दिया था। उन्होंने कहा कि आजसू शहीदों के वंशजों पर लाठी चार्ज को बर्दाश्त नहीं करेगा। सुदेश महतो सिदो-कान्हू की प्रतिमा पर माल्यार्पण करने के बाद सोमवार को मीडिया से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार लाठी-डंडे के जोर पर काम करना बंद करे और हूल के यथार्थ को समझने का प्रयास करे। उन्होंने कहा कि सरकार को हूल के मूल आधार को समझना पड़ेगा। क्या हम जल, जंगल और जमीन तथा झारखंडी अस्मिता को बचा पा रहे हैं।

हूल के मूल को स्थापित करने की कोशिश करें सीएम

सुदेश ने कहा कि यदि हेमंत सोरेन में राजनीतिक इच्छाशक्ति और क्षमता है तो उन्हें कोशिश करना चाहिए कि हूल के मूल को स्थापित करने की कोशिश करनी चाहिए। पार्टी प्रवक्ता डॉ देवशरण भगत ने कहा कि हूल पर सिर्फ राज्य सरकार या झामुमो का एकाधिकार नहीं है। जानकारी मिली है कि सिदो-कान्हू के वंशजों मंडल मुर्मू के नेतृत्व में वहां पहुंचे ग्रामीणों को रोकने के लिए प्रशासन द्वारा लाठी चार्ज किया गया और आंसू गैस के गोले बरसाये गये, जो बर्दाश्त के योग्य नहीं है। पार्टी नेता प्रवीण प्रभाकर ने कहा कि राज्य सरकार आदिवासियों की भावनाओं का सम्मान नहीं कर रही है। उन्होंने कहा कि पहले रांची में फ्लाइओवर मुद्दे पर आदिवासियों का दमन हुआ और अब भोगनाडीह में लाठीचार्ज किया गया है। उन्होंने कहा कि झामुमो का आदिवासी विरोधी चरित्र सामने आ गया है।

इधर, पार्टी की ओर से पूरे राज्य में जिला स्तर पर हूल दिवस मनाया। मुख्य कार्यक्रम रांची के सिदो-कान्हू पार्क में हुआ, आजसू प्रमुख सुदेश महतो आजसू नेताओं के साथ भारी बारिश के बीच सिदो-कान्हू पार्क पहुंचे और माल्यार्पण किया। कार्यक्रम में पार्टी नेता हसन अंसारी, राजेंद्र मेहता, जिप अध्यक्ष निर्मला भगत सहित कई नेताओं ने भी माल्यार्पण किया।

प्रत्यारोप : भाजपा झारखंड की शांति-व्यवस्था भंग करने पर आमादा

कानून व्यवस्था से कोई समझौता नहीं होगा : विनोद कुमार पांडेय

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी द्वारा हूल दिवस के दिन भोगनाडीह की घटनाओं को लेकर राज्य सरकार पर लगाये गये बेबुनियाद आरोपों पर झारखंड मुक्ति मोर्चा ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। झामुमो के महासचिव सह प्रवक्ता विनोद कुमार पांडेय ने सोमवार को जारी प्रेस वक्तव्य में कहा है कि राज्य की कानून व्यवस्था सर्वोपरि है। किसी को भी इसे हाथ में लेने की इजाजत नहीं दी जा सकती।

उन्होंने कहा कि हूल दिवस के अवसर पर भोगनाडीह में श्रद्धा और सम्मान के साथ कार्यक्रम आयोजित किया गया था, लेकिन कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा सुनियोजित ढंग से स्थिति को बिगाड़ने की कोशिश की गयी। ऐसे हालात में प्रशासन ने संयम और संवेदनशीलता के साथ कार्रवाई की, ताकि माहौल और बिगड़ने से रोका जा सके। सरकार से असामाजिक तत्वों की जरूर पहचान करेगी और ऐसे लोगों का पर्दाफाश किया जायेगा। झामुमो की अगुवाई वाली सरकार में विभाजनकारी ताकतों को कभी भी सिर उठाने नहीं दिया जायेगा। ये सब भाजपा नेतृत्व वाली सरकारों में ही देखने को मिलता है। चंद लोगों की नादानी के कारण पूरे राज्य की जनता की सुरक्षा को खतरे में नहीं डाला जा सकता। प्रवक्ता श्री पांडेय ने कहा कि भाजपा जानबूझकर भ्रामक प्रचार कर रही है और झूठे आरोपों के जरिए लोगों को भड़काने की कोशिश कर रही है। राज्य में कानून का शासन है। भाजपा को चाहिए कि वह गैर-जिम्मेदार विपक्ष की भूमिका छोड़कर रचनात्मक सुझावों और जनहित के मुद्दों पर बात करे। उन्होंने कहा कि झारखंड मुक्ति मोर्चा और हेमंत सोरेन सरकार ने हमेशा आदिवासियों के इतिहास, अस्मिता और अधिकारों की रक्षा को सर्वोपरि रखा है। भाजपा का यह आरोप कि सरकार आदिवासियों की भावनाओं को कुचल रही है, पूरी तरह तथ्यहीन और दुर्भावनापूर्ण है। हूल दिवस हमारी सांस्कृतिक चेतना का प्रतीक है। इसका राजनीतिक उपयोग करना बेहद शर्मनाक है। विनोद पांडेय ने दो टूक कहा कि जो भी व्यक्ति या संगठन कानून को अपने हाथ में लेगा, उस पर नियमानुसार कार्रवाई होगी, चाहे वह किसी भी विचारधारा या दल से जुड़ा क्यों न हो। हम लोकतंत्र में विश्वास रखते हैं, लेकिन अराजकता की इजाजत नहीं दी जायेगी। राज्य सरकार अपने हर नागरिक की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है।

भोगनाडीह में चंपाई सोरेन और लोबिन हेंब्रम को बीजेपी ने दिया था माहौल बिगाड़ने का टास्कः केशव महतो कमलेश

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने आरोप लगाया है कि भोगनाडीह में पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन और पूर्व विधायक लोबिन हेंब्रम ने माहौल बिगाड़ने का काम किया है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने इन दोनों नेताओं को वहां अशांति पैदा करने का टास्क दिया था। इस टास्क को दोनों ही नेताओं ने अंजाम तक पहुंचाने का काम किया।

केशव महतो कमलेश ने कहा कि पहले से आज के दिन भोगनाडीह में कार्यक्रम होते रहा है। कभी कोई अप्रिय घटना नहीं घटी। लेकिन भाजपा नेताओं ने इस बार वहां व्यवधान खड़ा करने का काम किया। उन्होंने कहा कि सिदो-कान्हू की शहादत को झारखंड की जनता कभी भूल नहीं सकती है। इन दोनों अमर शहीदों ने जिस तरह अंग्रेजों और साहुकारों के विरुद्ध लड़ाई लड़ी, वह आज भी आदिवासियों और झारखंडियों में अन्याय के खिलाफ लड़ने का उत्साह पैदा करता है।

जनहित के कार्यों को लेकर पूरी तरह समर्पित है हेमंत सरकारः दीपिका पांडेय

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। ग्रामीण विकास विभाग के मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने कहा है कि झारखंड में हेमंत सोरेन के नेतृत्व वाली महागठबंधन सरकार जनहित के कार्यों में पूरी तरह समर्पित है। उन्होंने कहा कि हेमंत सरकार हर वर्ग के लोगों को योजनाओं का सीधा लाभ दे रही है। मंत्री ने ये बातें सोमवार को सोशल मीडिया एक्स पर प्रतिक्रिया देते हुए कहीं।

उन्होंने कहा कि मंईयां सम्मान योजना, अबुआ आवास योजना और सावित्रीबाई फुले छात्रवृत्ति योजना जैसे कल्याणकारी कार्यक्रम समाज के हर वर्ग तक प्रभावी रूप से पहुंच रहे हैं और लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रहे हैं। ये योजनाएं केवल राजनीतिक घोषणाएं नहीं, बल्कि जन-जीवन को बेहतर बनाने की ठोस पहल है। उन्होंने कहा कि सरकार की मंशा है कि गरीब, महिला, किसान और युवा आत्मनिर्भर बनें और उन्हें उनके अधिकार मिले। मंत्री ने कहा कि किसानों को कर्ज माफी और बिजली बिल में राहत देने का निर्णय ऐतिहासिक है। इससे उन्हें आर्थिक संबल मिला है और खेती-किसानी को लेकर उनका आत्मविश्वास बढ़ा है। हमारी सरकार समाज के हर वर्गों को साथ लेकर चल रही है। विकास और न्याय हमारा संकल्प है। आने वाले समय में और भी योजनाएं शुरू की जाएंगी। ताकि, झारखंड के अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुंच सके।

मरकच्चो में झामुमो ने मनाया हूल दिवस

मरकच्चो (आजाद सिपाही)। नवलशाही थाना क्षेत्र के कोडरमा-गिरिडीह मुख्य मार्ग पर कानीकेंद जंगल चंचाल धाम गेट के समीप सोमवार को बिरसा मुंडा खेल मैदान में झामुमो केंद्रीय कमेटी के निर्देशानुसार कोडरमा जिला सचिव बीरेंद्र पांडेय की अध्यक्षता में हुल क्रांति दिवस मनाया गया। इस अवसर पर सिदो कान्हु और चांद भैरव फूलों झानो और बिरसा मुंडा सहित सभी वीर शहीदों की तस्वीर पर श्रद्धांजलि अर्पित कर नमन करते हुए बिरसा मुंडा अमर रहे के नारे लगाये गये। झामुमो जिला अध्यक्ष बीरेंद्र पांडे ने कहा कि झारखंड के आदिवासियों ने अंग्रेजो के खिलाफ हथियार उठाया था। 30 जून को विद्रोह किया था उसी दिन से हुल क्रांति दिवस के रूप में मनाया जाता है। मौके पर मुख्य रूप से केंद्रीय समिति सदस्य गंगा प्रसाद यादव, संजय पांडे, रामेश्वर मुर्मू, बैजनाथ मेहता, दिवाकर तिवारी, मोहम्मद जावेद, रामचंद्र सिंह, सुरेंद्र वर्मा, रियासत आलम, किशोर प्रसाद, दीपक सोनी, सुरेन्द्र यादव, प्रदीप चौधरी, दानवीर सिंह, केदार यादव, मोहम्मद कुदुस, आशिक सिंह, संजय सजान, विश्वनाथ राय, गणेश राय समेत कई लोग मौजूद थे।

अमर शहीद सिदो-कान्हू को दी गयी श्रद्धांजलि

आजाद सिपाही संवाददाता

हजारीबाग। जिला कांग्रेस कार्यालय कृष्ण बल्लभ आश्रम में सिदो व कान्हू की 177 वीं शहादत हूल क्रांति दिवस में उनके चित्र पर पुष्प अर्पित और माल्यार्पण कर दोंनो शहीदों को भावभीनी श्रद्धांजली दी गयी। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए जिला अध्यक्ष शैलेन्द्र कुमार यादव ने कहा कि 30 जून 1855 को क्रांतिकारी सिदो मूर्मु और कान्हू मुर्मु के अह्वान पर बरहेट के भोगनाडीह में 20 हजार संथालियों ने ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ महाजनों की प्रथा और अंग्रेजी सरकार की बंदोबस्ती नीति के खिलाफ विद्रोह किया था। आदिवासियों से 50 प्रतिशत से 500 प्रतिशत तक खेती कर वसूल करना इस अन्याय के खिलाफ जब सिदो और कान्हू चांद और भैरव के साथ दोंनो बहन फूलो और झानों ने आवाज उठाई तो हजारों की संख्या में लोगों ने इसका स्वागत किया और अपने परंपरागत तीर धनुष के साथ भोगनाडीह गांव में होकर खूद को स्वतंत्र घोषित किया और स्थानीय जमींदार पूंजीपतियों सूदखोरों के खिलाफ जंग छेड़ने की शपथ ली। कार्यक्रम में जिला मिडिया अध्यक्ष निसार खान महानगर अध्यक्ष मनोज नारायण भगत 20 सुत्री सदस्य संजय कुमार तिवारी सेवादल अध्यक्ष गुड्डू सिंह, सुनिल अग्रवाल, मनिषा टोप्पो, परवेज अहमद, अनिल कुमार भुईंया, अजय गुप्ता, कृष्णदेव प्रसाद सिंह, विजय कुमार सिंह, अजीत कुमार सिंह, डॉ. भैया असीम कुमार, सदरूल होदा, कृष्णा कुमार यादव, मुस्ताक अंसारी, सैयद अशरफ आदि उपस्थित थे ।

सिदो-कान्हू की तस्वीर पर माल्यार्पण कर हूल दिवस मनाया गया

बरकट्ठा (आजाद सिपाही)। ऐतिहासिक पर्यटक स्थल सूरजकुंड में भारत जकात मांझी परगना महाल समाज के अध्यक्ष राम जी बेसरा, सचिव मनोज मुर्मू के नेतृत्व में अमर वीर शहीद सिद्धू-कानू ,चंद -भैरव, फूलो- झानो के तस्वीर पर माल्यार्पण कर हुल दिवस मनाया गया। मौके पर गोरहर थाना के एस आई निरंजन कुमार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। वहीं अध्यक्ष राम जी बेसरा ने कहा हुल दिवस के महानायक अमर वीर शहीद सिदो-कान्हू, चंद भैरव, फूलों झानो और अन्य वीर शहीदो और वीरांगनाओं के संघर्ष और शहादत को शत-शत नमन, आजादी के लड़ाई से पहले संथाल में हुल विद्रोह के हमारे वीरों ने अंग्रेजी हुकूमत और महाजनों के शोषण और अत्याचार के खिलाफ और जल जंगल जमीन की रक्षक के लिए आदिवासी अस्मिता की मशाल जलाई थी। हमारे पूर्वजों की यही सीख हमें हमेशा न्याय और स्वाभिमान के लिए प्रेरित करती है।

मौके पर सभी सदस्यों ने सिद्धू कानू चांद भैरव फूलों जानू का जमकर जयकारा लगाया। मौके पर अध्यक्ष रामजी बेसरा, सचिव मनोज मुर्मू, कोषाध्यक्ष सुनील मुर्मू, शिवलाल मुर्मू, रामू मरांडी, कन्हैया बेसरा, प्रदीप कोल, हरिलाल टुडू, सहदेव हेम्ब्रम, प्रेम हांसदा, सहदेव मरांडी, मणिलाल सोरेन, बालेश्वर बास्के, मेहीलाल मुर्मू, छोटकी देवी, अजंती देवी, सुरजी देवी, बासुदेव मुर्मू, लखन महतो, जेएलकेएम नेता महेंद्र मंडल के अलावे कई लोग उपस्थित थे।

डीसी-एसपी ने सिदो-कान्हू की प्रतिमा पर किया माल्यार्पण

हजारीबाग। हूल दिवस के अवसर पर डीसी शशि प्रकाश सिंह और एसपी अंजनी अंजन ने पीडब्ल्यूडी चौक पर अवस्थित ऐतिहासिक वीरता और बलिदान के प्रतीक सिदो-कान्हू की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर अपने श्रद्धासुमन अर्पित किये। इस अवसर पर जिले के पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि और आमजन भी उपस्थित रहे। डीसी ने अपने संदेश में कहा कि सिदो-कान्हू ने 30 जून 1855 में ब्रिटिश शासन के खिलाफ हूल विद्रोह का नेतृत्व कर आदिवासी समाज में जागरूकता और स्वतंत्रता की अलख जगायी। यह आंदोलन भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का एक महत्वपूर्ण अध्याय है, जो हमें अन्याय के खिलाफ संघर्ष और आत्मसम्मान की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि

आज का दिन हमें यह संकल्प लेने का अवसर देता है कि हम सामाजिक एकता, समरसता और स्वतंत्रता के मूल्यों को बनाए रखें और सिदो-कान्हू, चांद भैरव, फूलो झानो के आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात करें। मौके पर जिले के सभी वरीय पदाधिकारी उपस्थित थे।

गौ सेवा का संकल्प लेकर झरनाकुंड से कांवर पैदल यात्रा रवाना

कोडरमा (आजाद सिपाही)। डोमचांच की बेटी और विश्व हिंदू परिषद कोडरमा जिले के गौ रक्षा विभाग के जिला महिला गौ भक्त प्रमुख कुसुम साहू जी अपने लड्डू गोपाल, अपने माता सरिता देवी और पिता सुरेंद्र साव के साथ सोमवार को सुबह 9 बजे 400 किलो मीटर की पैदल यात्रा शुरू की। झुमरीतिलैया के झरनाकुंड से 21 लीटर जल लेकर कांवर पैदल यात्रा प्रारंभ की जो डोमचांच, जमुआ, चकाई होते हुए सुल्तानगंज जायेगी। पुनः सुल्तानगंज मे भी 21 लीटर जल भरकर पैदल देवघर (बाबाधाम) और वासुकीनाथ जायेगी। आज झरना कुंड मे जल भरने के बाद सुश्री कुसुम ने उपस्थित सभी कार्यकर्ताओं से कहा कि गौ सेवा से बढ़कर कोई सेवा नहीं है, और इसी संकल्प के साथ बोल बम का नारा, गौ माता की नारा लगाते हुए प्रस्थान की। वहीं विभाग गौ रक्षा प्रमुख अजय वर्मा ने झारखंड सरकार से मांग की कि जिस प्रकार आपने मैया योजना चलाई, उसी प्रकार गैया योजना भी चलाया जाय ताकि गौ माता की सेवा हो सके। साथ ही साथ नगर मंत्री बिनय सिन्हा ने कहा कि हम सभी को कुसुम के जैसा ही बढ़चढ़ कर गौ सेवा के लिए बढ़ना चाहिए। स्वदेशी मंच के जिला संयोजक प्रदीप सुमन और मातृ शक्ति की प्रांत सह संयोजिका सुषमा सुमन ने अंग वस्त्र और माला देकर सभी को सम्मानित किया। इसमे नगर सह मंत्री लाल बहादुर चौधरी, नगर विशेष संपर्क प्रमुख मनोज राणा, लाल बाबा, मीरा देवी, देवंती देवी, अन्नू कुमारी, रेणु देवी, सिंधु कुमार, प्रियांशु यादव, अर्पना सिन्हा, शंकर बर्नवाल, ज्योति पहाडी, विश्व हिंदू परिषद के अरबिंद सिंह, मनोज चंद्रवंशी, अरबिंद एकघरा, सूरज मेहता, दिलीप कुमार, ओम प्रकाश, अभिनव पाठक, श्याम सेवा मंडल के जोशी कुमार, बिनीत पहाडी, सोनू पहाडी, प्रशांत तर्वे, विजय पांडे उपस्थित थे।

सांप काटने से महिला की स्थिति गंभीर

कोडरमा (आजाद सिपाही)। जिले के तिलैया डैम ओपी थाना अंतर्गत सिमरिया गांव में सोमवार की अहले सुबह एक महिला सर्पदंश का शिकार हो गयी। महिला की पहचान सिमरिया गांव निवासी 60 वर्षीय मूर्ति देवी पति पच्चू यादव के रूप में हुई है। महिला के परिजनों ने बताया कि सोमवार की सुबह वह अपने गौशाले में गोबर उठा रही थी कि अचानक वहां पर एक सांप आया और इन्हें डस लिया। जिसके पश्चात इन्हें आनन फानन में कोडरमा सदर अस्पताल लाया गया। जहां चिकित्सकों ने इन्हें इंजेक्शन लगाया। हालांकि इनके स्वास्थ्य में सुधार नहीं होने के कारण इन्हें रिम्स (रांची) रेफर कर दिया गया है।

मोहर्रम को लेकर शांति समिति की बैठक

बड़कागांव (आजाद सिपाही)। सिकरी ओपी थाना परिसर में सोमवार को मोहर्रम पर्व को लेकर शांति समिति की बैठक की गयी। बैठक की अध्यक्षता थाना प्रभारी सुनील कुमार सिंह की किया। मोहर्रम पर्व को शांति एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाने पर बल दिया गया। साथ ही यह निर्णय लिया गया कि आयोजन पूरी तरह सरकारी दिशा-निर्देशों और गाइडलाइन के अनुरूप ही किया जायेगा। थाना प्रभारी ने स्पष्ट किया कि लाइसेंस की शर्तों का पालन अनिवार्य है। जुलूस के दौरान असामाजिक तत्वों की गतिविधियों पर कड़ी नजर रखी जायेगी। मौके पर सीकरी ओपी थाना प्रभारी सुनील कुमार सिंह, संजीव कुमार पांडेय, कृष्ण सिंह, सिकरी मुखिया प्रभु महतो, पंचायत समिति सदस्य प्रतिनिधि सहित कई गणमान्य व्यक्ति शामिल थे।

हजारीबाग में व्यवसायियों को मिल रही धमकी, स्वर्ण व्यवसायी निशाने पर

आजाद सिपाही संवाददाता

हजारीबाग। हजारीबाग में गिरते कानून व्यवस्था को लेकर हर कोई दहशत में है। 22 जून को शहर के बीचों बीच ज्वेलरी शॉप के बाहर 7 राउंड फायरिंग के बाद हर कोई चिंतित है। दूसरी ओर जिला प्रशासन लोगों को आश्वस्त कर रही है कि सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किये जा रहे हैं। 22 जून को सदर थाना क्षेत्र अंतर्गत श्री ज्वेलर्स पर 7 राउंड गोली चलने के बाद दो अन्य स्वर्ण व्यवसायी को लेवी के लिए धमकी मिली है। धमकी के बाद स्वर्ण व्यवसायी इस बात को लेकर दहशत में है कि कैसे व्यवसाय करें। हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल ने दो बार हजारीबाग एसपी से मुलाकात कर सुरक्षा की मांग की है। स्वर्ण व्यावसायिक संघ ने सोमवार को भी हजारीबाग सांसद के साथ पुलिस अधीक्षक अंजनी अंजन से मुलाकात कर उन्हें स्थिति से अवगत कराया है। स्वर्ण व्यवसायों का कहना है कि अज्ञात अपराधी मोबाइल और व्हाट्सएप के जरिए धमकी देते हुए लवी की मांग कर रहे हैं। जिस कारण व्यवसायी प्रतिष्ठान खोलने में भी डर रहे हैं। हजारीबाग के पुलिस अधीक्षक अंजनी अंजन ने कहा कि इसे देखते हुए पेट्रोलिंग की गस्ती बढ़ा दी गयी है। अलग से पेट्रोलिंग टीम का गठन किया गया है। जितने भी धमकी मिले हैं सभी को लेकर एसआईटी का गठन किया गया है। बहुत जल्द अपराधी गिरफ्त में होंगे। इन्होंने स्वर्ण व्यवसाईयों को विश्वास दिलाया है कि पुलिस सभी व्यवसायियों को सुरक्षा देने के लिए वचनबद्ध है। ऐसी कोई भी घटना की पूणार्वृति नहीं होगी जो पहले हुई है।

रात रात भर बिजली गायब लोग परेशान

मरकच्चो(आजाद सिपाही)। बिजली विभाग के मनमानी रवैया के कारण मरकच्चो प्रखंड के ग्रामीणों को भुगतना पड़ रहा है। दिन में तो बिजली रानी का आना जाना लगा रहता है लेकिन इधर दो दिनों से रात रात भर बिजली आपूर्ति बंद रह रही है। जिससे इस उमस भरी गर्मी में लोगों को रात काटना काफी कठिन हो रहा है। बिना बारिश व आंधी के यहां कभी भी बिजली बंद हो जाती है। इससे उपभोक्ता काफी परेशान रहते हैं। उपभोक्ताओं की शिकायत है कि पावर हाउस मरकच्चो में फोन लगाया जाता है तो कोई भी कर्मी फोन नही उठाते है। उमसभरी गर्मी के चलते लोग वैसे भी गर्मी से परेशान हैं। ग्रामीणों ने बिजली व्यवस्था कम से कम 20 घण्टे बहाल करने की मांग की है।

रिसाइकलिंग वेस्ट मैनेजमेंट की योजना शुरू

जयनगर (आजाद सिपाही)। प्रखंड में झारखंड सरकार की स्वच्छता अभियान को लेकर एक महत्वाकांक्षी योजना बिंदी रिसाइकलिंग वेस्ट मैनेजमेंट के तहत जयनगर पूर्वी पंचायत मुखिया कौशर खान की उपस्थिति में जयनगर पूर्वी पंचायत के गणमान्य व प्रबुद्ध लोगों की उपस्थिति में मुख्य अतिथि समाजसेवी सुरेन्द्र भाई मोदी ने हरी झंडी दिखाकर जयनगर पूर्वी पंचायत में कार्यक्रम की शुरुआत की। इस योजना के तहत प्रत्येक दिन पंचायत में एक ट्रैक्टर और दो मजदूर घुमेंगे और जगह-जगह पर जमा किये गये कचरा को उठाकर गंतव्य तक पहुंचायेंगे। मौके पर समाजसेवी अरमान खान, शशिकांत प्रसाद, रामविलास स्वर्णकार, प्रकाश वर्मा, राजेश कुमार, मनोज वर्मा, बहादुर साव सहित कई लोग मौजूद थे।

झारखंड सहायक अध्यापक संघर्ष मोर्चा की जिला स्तरीय बैठक संपन्न

कोडरमा (आजाद सिपाही)। सहायक अध्यापक संघर्ष मोर्चा कोडरमा जिला की बैठक मध्य विद्यालय फुलवरिया डोमचांच में कोडरमा जिला अध्यक्ष बीरेंद्र कुमार राय की अध्यक्षता में की गयी। संचालन जिला सचिव दामोदर यादव ने किया, जिसमें जिले के सभी प्रखंडों से पारा शिक्षक, शिक्षिकाओं ने भाग लिया। जिला अध्यक्ष वीरेंद्र कुमार राय ने कहा कि आज वक्त है एक-एक पारा शिक्षक को एकजुट रहने की यदि वेतनमान लेना है तो अन्यथा वेतनमान तो दूर विभाग के पदाधिकारी का मनोबल इतना ऊंचा हो गया है वह मनमानी पर उतर आये हैं। जिसको मन कर रहा है विभाग से सेवा मुक्त करने का आदेश जारी कर दे रहे हैं और ये माटी की सरकार सब कुछ जानते हुए भी मौन होकर तमाशा देख रही है। वीरेंद्र कुमार राय ने कहा कि इलाहाबाद, प्रयागराज, मगध यूनिवर्सिटी से फर्जी बोर्ड, संस्थान कहने वाले सहायक अध्यापकों के साथ संघ खड़ा है और जब तक उनकी समस्या का समाधान नहीं होता है तबतक संघर्ष मोर्चा उनके साथ है, संघ इसके लिए कृत संकल्प है। सभी प्रखंडों में सभी प्रखंड अध्यक्ष दिनांक 13 जुलाई 2025 को बैठक करेंगे। आगामी दिनों में राज्य कमेटी संघर्ष मोर्चा के द्वारा आंदोलन का बिगुल फूंकने जा रही है। बैठक में मुख्य रूप से जिला कमेटी सदस्य सुभाष कुमार सिंह, रामू यादव, चंद्रदेव साव, साकिब महमूद, जिला कोषाध्यक्ष परमेश्वर यादव, चंदवारा प्रखंड अध्यक्ष प्रदीप कुमार गिरि, मरकच्चो प्रखंड अध्यक्ष तनवीर आलम, जयनगर प्रखंड अध्यक्ष वीरेंद्र कुमार साव, कैलाश कुमार, राजेंद्र पासवान, मनोज यादव, राजेश सिंह, पोखराज साव, राजेंद्र पासवान, रामचंद्र यादव, कौशल किशोर, सुरेश रविदास, विजय पासवान, मोदअसीर आलम, अशोक दास, मुखलाल यादव, सुकदेव कुमार, मुंशी यादव आदि शामिल हुए।

हाथियों के झुंड ने घरों और फसलों को नुकसान पहुंचाया

आजाद सिपाही संवाददाता

बड़कागांव। बड़कागांव प्रखंड के गोंदलपुरा पंचायत के अंतर्गत ग्राम गाली और बलोदर में आज पांचवे दिन हाथियों ने भारी उत्पात मचाया। इस दौरान 40 लोगों के घरों के दीवारों और दरवाजा को तोड़कर नुकसान पहुंचाया। और कई किसानों के फसल को भी नष्ट कर दिया। गिरजा भुइयां लालदेव गंझू, संदीप भुइयां ने बताया कि हाथियों का झुंड 7:30 बजे से लेकर 8:00 बजे के बीच में जंगल से हाथी आकर घरों का तोड़ फोड़ किया। हाथियों ने गिरजा भुइयां, कजरू भुइयां, कुंती मोसोमात, प्रकाश भुइयां, सुखदेव गंझू, गूंजरी मोसोमात, मुनेश्वर गंझू, नागेश्वर भुइयां, विशेश्वर भुइयां, दीपक भुइयां, फलिंदर गंझू, अर्जुन गंझू, संदीप भुइयां, दिनेश भुइयां, बिंदेश्वरी गंझू, लालदेव गंझू, कार्तिक भुइयां, दशरथ गंझू, अवधेश गंझू, पूनम देवी, प्रवीण गंझू, धनु गंझू, जलधर महतो, सीता राम गंझू, टेकन महतो, मालती देवी, जामुनी देवी, सरिता देवी, सुमन देवी, मोसोमात कांति देवी, अजीत राम, गंगिया देवी, बसंती देवी, कौशल्या देवी, सुनीता देवी, तेतरी देवी, किरण देवी जयंती देवी के घर की तोड़फोड़ की। ग्रामीण ने बताया कि हाथियों ने घर में रखे चावल, गेहूं, चट कर गये और खेतों में लगे फसल कद्दू, बोदी टमाटर, मिर्च, मकई और कटहल को नुकसान पहुंचाया। घटना की जानकारी मिलते हैं गोंदलपुरा पंचायत के मुखिया वासुदेव यादव ने सभी पीड़ित लोगों के घरों का अवलोकन किया और उन्हें हर संभव मदद दिलाने की बात कही।

वन विभाग की टीम ने हाथों को खदेड़ा

बड़कागांव रेंजर कमलेश सिंह के नेतृत्व में वन विभाग की टीम गाली और बलोदर में 11:00 बजे रात पहुंच कर जंगल की ओर भगा दिया गया। हाथियों को लगभग 1:00 बजे रात तक वन कर्मी भागने में सफल रहे।हाथियों को भगाने में में ग्रामीणों ने भी सहयोग किया। मोहर गंझू अपने घर के पास खड़ा था। उसके पीछे दो हाथी खड़े थे। हाथियों पर अचानक नजर पड़ते ही अपनी जान बचाने के लिए दौड़ने लगा। उसी दौरान वह भागने के क्रम में गिरकर बुरी तरह घायल हो गया। मोहर के माथा में गंभीर चोट लगी है।

मिट्टी का घर गिरने से आंगनबाड़ी सेविका घायल

बरकट्ठा (आजाद सिपाही)। चेचकप्पी पंचायत क्षेत्र के ग्राम उपरैली डेबो और डुमरडीहा में खपरैल मिट्टी के मकान गिरने से आंगनबाड़ी सेविका घायल हो गयी। पहली घटना में ग्राम उपरैली डेबो निवासी मंजू देवी पति दशरथ सिंह के खपरैल मिट्टी का मकान बारिश से गिर गया है। मकान के गिर जाने से घरवालों के समक्ष विकट स्थिति उत्पन्न हो गयी है। मंजू देवी के रहने का एक मात्र सहारा छीन जाने से उसके चार छोटे-छोटे बच्चे समेत उसे काफी परेशानी हो रही है। दूसरी घटना में ग्राम डूमरडीहा निवासी आंगनबाड़ी सेविका सोनिया देवी का घर गिरने से दीवार से उनका पैर दबकर टूट गया। जिसे ग्रामीणों ने तुरंत इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बरकट्ठा ले जाकर भर्ती कराया। जहां से उसे बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल हजारीबाग रेफर कर दिया गया। मामले की सूचना मिलने पर मुखिया रीता देवी और मुखिया प्रतिनिधि डेगलाल साव घटना स्थल पहुंचकर जानकारी ली।

एनटीपीसी केरेडारी परियोजना में कार्यरत पीआरओ का निधन

केरेडारी (आजाद सिपाही)। एनटीपीसी की केरेडारी कोयला खनन परियोजना में कार्यरत जनसंपर्क अधिकारी मुकुल तायल 27 वर्ष का आकस्मिक निधन रविवार की देर रात रांची में हो गयो ये सितंबर 2021 से केरेडारी परियोजना स्थित सिकरी साइट कार्यालय में कार्यरत थे व अपने कुशल व्यवहार और हंसमुख व्यक्तित्व के धनी और परियोजना में सभी अधिकारीयों के चहेते थे और पिछले कुछ समय से छुट्टी पर दिल्ली गए हुए थे प्राप्त जानकारी के अनुसार ये रविवार की देर रात रांची पहुंचे व एक होटल में रुके जहां अचानक इनकी तबियत खराब हुई तो होटल मैनेजमेंट ने इन्हें आनन फानन में राज हॉस्पिटल में एडमिट कराया लेकिन बचाया नहीं जा सका और इलाज के दौरान ही इनका असामयिक निधन हो गया है। इनके निधन से एनटीपीसी की केरेडारी व चट्टी कोल परियोजना में कार्यरत अधिकारीयों और सभी कर्मियों के साथ क्षेत्र के सभी पत्रकारों ने भी संवेदना प्रकट किया है।

पुलिस ने शुरू की है स्पेशल पेट्रोलिंग, टीम की गली मोहल्ले तक में रहेगी पैनी नजर

दीपक सिंह

हजारीबाग (आजाद सिपाही)। हजारीबाग शहर में अपराध पर लगाम लगाने और युवाओं में बढ़ती नशे की प्रवृत्ति को रोकने के लिए हजारीबाग जिला प्रशासन ने एक नई पहल की शुरुआत की है। सोमवार को हजारीबाग डीसी शशि प्रकाश सिंह और एसपी अंजनी अंजन ने बाइकर्स रक्षक पुलिस पेट्रोलिंग टीम को कंट्रोल रूम से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया है। इस बाइक पुलिसिंग अभियान को सैट टीम (स्पेशल एक्टिव टीम) नाम दिया गया है। इसका उद्देश्य सिर्फ अपराध की रोकथाम नहीं है, बल्कि ऐसे युवाओं को भी चिन्हित करना है जो नशे की लत की ओर बढ़ रहे हैं। टीम को अपराध नियंत्रण के क्षेत्र में एक अहम सशक्त कदम माना जा रहा है। टीम में 50 प्रशिक्षित पुलिसकर्मियों को आधुनिक बाइकों के साथ शहर के उन 160 संवेदनशील और चिन्हित स्थलों पर तैनात किया जायेगा। जिन्हें अपराध या नशे की गतिविधियों के लिहाज से हॉटस्पॉट के रूप में चिन्हित किया गया है। प्रशासन का मानना है कि इन स्थानों पर नियमित उपस्थिति से न केवल असामाजिक तत्वों पर नजर रखी जा सकेगी, बल्कि आम नागरिकों को सुरक्षा का अहसास भी होगा। हाल के समय में हजारीबाग में नशा और अपराध की घटनाओं में इजाफा देखा गया है। जिससे शहर का माहौल भी बिगड़ने लगा था। बढ़ते अपराध को रोकने के लिए हजारीबाग के व्यवसाईयों ने हजारीबाग बंद का आवाहन भी किया था। पुलिस अधीक्षक अंजनी अंजन ने बताया कि इस विशेष यूनिट को हर स्थिति में सतर्क और सक्रिय रहने का प्रशिक्षण दिया गया है। बाइक पर गश्त करने की सुविधा के कारण वे गलियों, मोहल्लों और तंग इलाकों तक भी पहुंचने में सक्षम होंगे, जहां आमतौर पर पारंपरिक पुलिस वाहन नहीं पहुंच पाते। इस टीम की मॉनिटरिंग वह स्वयं करेंगे।

हजारीबाग में जन संस्कृति मंच का कवि सम्मेलन

हजारीबाग (आजाद सिपाही)। झारखंड जन संस्कृति मंच की ओर से रविवार को पेंशनर कार्यालय में मासिक कवि सम्मेलन का आयोजन हुआ, जिसमें साहित्य की विविध भाषाओं हिंदी, खोरठा, भोजपुरी, मैथिली, नागपुरी में रचनाओं का बहुरंगी संगम देखने को मिला। चार घंटे तक चले इस कवि सम्मेलन में करीब 30 से अधिक कवि और कवयित्रियों ने अपनी भावपूर्ण प्रस्तुतियों से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. रमेश शर्मा ने की, वहीं मुख्य अतिथि समाजसेवी और भाजपा नेता बटेश्वर मेहता और विशिष्ट अतिथि अवकाश प्राप्त वन अधिकारी और कवि अजय कुमार रहे। कवियित्री डॉ. प्रमिला गुप्ता की वर्षा पर आधारित कविता से कार्यक्रम की शुरुआत हुई, जिसे खूब सराहा गया। शिक्षक विजय कुमार राणा ने अपने देश की बनती पहचान शीर्षक कविता के अलावा कवि प्रमोद रंजन की दो कविताओं का पाठ किया। कवयित्री डॉ. कविता सिन्हा की बरसे हैं मेघ जमकर और ह्यनींद की तलाश जैसी रचनाएं गूंजती रहीं। अधिवक्ता अरविंद झा, शिक्षक राजु विश्वकर्मा, मैथिली कवि हितनाथ झा, डॉ. करन कशिश, डॉ. साकेत पाठक, गजलकारा रुबीना वफा और हास्य कवि संजय जी जैसे कई रचनाकारों ने अपनी-अपनी शैली में श्रोताओं को साहित्यिक अनुभूति कराई। मुख्य अतिथि बटेश्वर मेहता और अध्यक्ष डॉ. शर्मा ने सभी रचनाकारों की मुक्त कंठ से सराहना की। डॉ. शर्मा ने कहा कि इस सम्मेलन ने झारखंड की भाषाई विविधता और सांस्कृतिक चेतना को एक नई ऊर्जा दी है। उन्होंने कार्यक्रम संयोजकों को बधाई देते हुए साहित्यिक उलगुलान का आह्वान किया।

ग्रामीणों ने रेलवे लाइन बिछाने के कार्य का किया विरोध

पतरातू (आजाद सिपाही)। पतरातू प्रखंड अंतर्गत पालू पंचायत के ग्राम किरीगड़ा में गांव बचाओ संघर्ष समिति के तत्वावधान में सोमवार को बैठक हुई। बैठक कि अध्यक्षता पालू पंचायत के पूर्व मुखिया गंगाधर महतो ने किया। इस दौरान बैठक के माध्यम से पालू पंचायत के किरीगड़ा गांव में रेलवे के द्वारा नयी रेलवे लाइन चारों और बिछाई जा रही है उसका विरोध और कड़ी निंदा की गयी। क्योंकि रेलवे चारों ओर बिछने से ग्राम किरीगडा गांव वालों को काफी परेशानी होगी और जीना मुश्किल हो जायेगा। इसलिए गांव वालों ने यह निर्णय लिया की रेलवे प्रशासन गांव को बचाते हुए दूसरे और से सर्वे कर काम करें। ताकि रेलवे का काम भी हो जाये और गांव वालों को क्षति भी न पहुंचे। बैठक में ग्रामीणों ने रेलवे लाइन का कार्य को किसी भी हाल में नहीं होने देने का संकल्प भी लिया। इस मौके पर कामेश्वर साव, सिकंदर सिंह, राहुल सिंह, अरविंद सिंह, बलराम सिंह, गणेश सिंह, बबलू साहू, प्रकाश साहू, प्रमोद साहू, प्रीतम सिंह, ज्वाला सिंह, हर-देव सिंह, जेठन साहू, कृष्ण सिंह, मोती साव, देवानंद सिंह, बृजेश रजवार, टीकू रजवार, बबलू साहू, ओंकार सिंह, मुकेंद्र सिंह, बिरजू सिंह, पुकार साहू, गुलशन सिंह, करण सिंह, बाल गोविंद सिंह, शत्रुघ्न सिंह, भूपेंद्र सिंह सहित कई ग्रामीण उपस्थित थे।

रामगढ़ में भाजपाइयों ने मनाया हूल दिवस

संथाल आंदोलन की याद में हूल दिवस को सम्मान और जुनून के साथ मनाया जाता है: सूर्यवंश

आजाद सिपाही संवाददाता

रामगढ़। भारतीय जनता पार्टी रामगढ़ कैंट मंडल के तत्वावधान में सोमवार को हूल दिवस पर गांवों में जन चौपाल लगाया गया। भाजपा रामगढ़ कैंट मंडल के वार्ड नंबर 4 के शक्ति केंद्र कुंवर टोला में हूल दिवस का कार्यक्रम किया गया। साथ ही शक्ति केंद्र पर जन चौपाल लगाकर प्रधानमंत्री मोदी के द्वारा किये जा रहे कार्यों को अवगत कराया। कार्यक्रम का आयोजन मंडल अध्यक्ष सूर्यवंश श्रीवास्तव के नेतृत्व में किया गया। जबकि कार्यक्रम में प्रभारी प्रो संजय प्रसाद सिंह उपस्थित हुए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंडल अध्यक्ष सूर्यवंशी श्रीवास्तव ने कहा कि ऐतिहासिक संथाल आंदोलन की याद में 30 जून को सम्मान और जुनून के साथ हर जगह हूल दिवस मनाया जाता है।

सिद्धू और कान्हू दो भाइयों ने इस विद्रोह का नेतृत्व किया था और उन्होंने संथाल समुदाय को एकजुट करके ब्रिटिश शासन के खिलाफ लड़ाई लड़ी थी। इस विद्रोह को झारखंड की इतिहास में एक महत्वपूर्ण स्थान प्राप्त है और इसे हर साल 30 जून को हूल दिवस के रूप में मनाया जाता है। झारखंड के लोग सिदो और कान्हू के बलिदान को याद करते हैं और उनके संघर्ष को सम्मान देते हैं। कार्यक्रम के संचालन केंद्र मंडल के महामंत्री ऋषिकेश सिंह और धन्यवाद ज्ञापन मंडल की उपाध्यक्ष ब्रजेश पाठक ने किया।

हूल दिवस और जन चौपाल कार्यक्रम बूथ अध्यक्ष रमेश करमाली, पूर्व प्रदेश कर समिति के सदस्य इलारानी पाठक, जिला महामंत्री विजय जायसवाल, शीतल सिंह, मनोज जायसवाल, राजेश ठाकुर, सुनील पासवान, महेंद्र पांडे, शक्ति केंद्र के सह प्रभारी अमित कुमार ठाकुर, मीडिया प्रभारी, संजय अग्रवाल, रवि गुप्ता आदि उपस्थित थे।

चितरपुर में भाजपा कार्यकर्ताओं ने हूल दिवस मनाया

रजरप्पा (आजाद सिपाही)। चितरपुर चट्टी स्थित प्रयाग साव के निवास में हूल दिवस मनाया गया जिसकी अध्यक्षता मंडल सांसद प्रतिनिधि अर्जुन वर्मा और संचालन प्रेतनाथ सिंह ने किया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि रामगढ़ विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी रंजय कुमार उर्फ कुंटू बाबू,रामगढ़ विधानसभा सांसद प्रतिनिधि चंद्रशेखर चौधरी, जिला उपाध्यक्ष स्नेहलता चौधरी मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि सिद्दो, कान्हो, चांद, भैरव और फूलो-झानो संताल हूल विद्रोह के महानायक हैं। इनका जन्म झारखंड के भोगनाडीह गांव में हुआ था। ये सभी भाई-बहन आदिवासी समाज से थे और 30 जून 1855 को अंग्रेजों के खिलाफ विद्रोह किया। फूलो-झानो ने भी आंदोलन में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और जल, जंगल, जमीन की रक्षा के लिए संघर्ष किया। हूल विद्रोह में हजारों आदिवासी एकजुट हुए थे। फूलो-झानो ने हथियारों की जिम्मेदारी संभाली थी। इनका बलिदान आज भी प्रेरणा देता है। हर साल 30 जून को हूल दिवस मनाया जाता है। इनकी गाथा आदिवासी अस्मिता और साहस की मिसाल है। मौके पर मुख्य रूप से हम सभी मौजूद रहे।

क्रांतिकारी सिदो-कान्हू को किया गया नमन

रामगढ़(आजाद सिपाही)। आजसू जिला कार्यालय में सोमवार को हूल दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि पार्टी के केंद्रीय सचिव मनोज कुमार महतो मौजूद हुए। इस दौरान मुख्य अतिथि मनोज कुमार महतो ने महान क्रांतिकारी सिदो- कान्हू के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। इसके बाद पार्टी के अन्य सदस्यों ने सिदो और कान्हू के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। मौके पर मनोज कुमार महतो ने कहा कि महान क्रांतिकारी सिदो और कान्हू ने 1855-56 में ब्रिटिश सत्ता, साहूकारों, व्यापारियों और जमींदारों के अत्याचार के विरूद्ध विद्रोह की शुरुआत की। कहा कि इस विद्रोह को हूल आंदोलन के नाम से जाना जाता है। उन्होंने कहा कि इस विद्रोह में सिदो और कान्हू ने नारा दिया था कि अंग्रेजों हमारी माटी छोड़ो। कहा कि सिदो ने संथालों को संगठित किया और 30 जून 1855 ई को भोगनाडीह में विशाल सभा का आयोजन किया। इस सभा में सिदो को राजा, कान्हू को मंत्री, चांद को मंत्री और भैरव को सेनापति बनाया गया। कहा कि हूल विद्रोह भोगनाडीह से आरंभ हुआ, जिसमें संथाल तीर और धनुष से लैस होकर दुश्मनों पर टूट पड़े। कहा कि हूल विद्रोह ने तत्कालीन समय में देश वासियों को जागरित करने का कार्य किया था। कहा कि इस विद्रोह और इसकी सफलता के बाद देश वासियों को आभाष हुआ कि यदि हम संगठित होंगे तो अंग्रेजों को देश से खदेड़ा जा सकता है। जिसके बाद देश के विभिन्न भागों में लोग संगठित होने लगे और अंग्रेजों के विरूद्ध संगठित आंदोलन चलाया। जिसके परिणाम स्वरूप अंग्रेजों को यहां से भागना पड़ा और देश को आजादी मिली। कहा कि देश में स्वतंत्रता आंदोलन को गति देने में हूल विद्रोह को बहुत बड़ा योगदान है। कहा लोग सिदो और कान्हू बताए मार्ग पर चलकर उनके सपनों को साकार करें यही उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि होगी। मौके पर राजेंद्र महतो, नीरज मंडल, कुलदीप वर्मा, नरेश महतो, कैलाश रजक, नंदू महतो, रेवालाल महतो, बिनय राम आदि उपस्थित थे।

कुजू में सेवानिवृत्त सीसीएल अधिकारी और कर्मियों को दी गयी विदाई

कुजू (आजाद सिपाही)। सीसीएल कुजू जीएम सभागार में सोमवार को सेवानिवृत्त होने वाले सीसीएल अधिकारियों और कर्मियों के लिए विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य रूप से जीएम आरके सिन्हा शामिल रहे। उन्होंने सेवानिवृत्त होने वाले कुजू क्षेत्र के एसओपी गिरीशचंद्र, एमके बढ़ईक, जग्गू सिंह, डीएन चौधरी, शिबू भुईयां, गोपाल मांझी, उमेश प्रसाद गुप्ता, बुद्धू मुंडा को फूल माला पहनाकर सम्मानित किया। साथ ही, सूटकेश, ग्रेच्युटी चेक आदि देकर उनके उज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर जीएम श्री सिन्हा ने कहा कि सेवानिवृत्त हम सभी के जीवन का एक अनोखा पल है। जिससे हम सभी को गुजरना है। उन्होंने सभी के शेष जीवन की मंगल कामना किया। मौके पर प्रताप रंजन, भूषण यादव, सरोज कुमार, अविनाश श्रीवास्तव, सुमित सारंगी, पंकज सिंह, जानकी महतो, श्रवण कुमार, विजय एक्का, सोनम देवी, सूचिता मरांडी, बिनु कुमारी, राजकुमार महतो, सुधीर प्रसाद शामिल रहे।

विस्थापित प्रभावित वाहन मालिक संघ ने विधायक को सौंपा ज्ञापन

टंडवा (आजाद सिपाही)। विस्थापित और प्रभावित ट्रक वाहन मालिक संघ संयोजक आशुतोष मिश्रा के नेतृत्व में सिमरिया विधायक उज्जवल दास से एक प्रतिनिधि मंडल मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। विधायक उज्जवल दास ने परियोजना की वस्तु स्थिति और उत्पन्न समस्या को सुना, वहीं आशुतोष मिश्रा ने समस्याओं से अवगत कराते हुए कहा है की विस्थापित दरदर की ठोकर खाने पर मजबूर है बाहरी माला माल है। परियोजना में अब अंत राज्य के बाहरी तत्व हावी है। समस्याओं को सुनकर विधायक उज्जवल दास ने आश्वस्त किया की विस्थापितों के साथ अन्याय नहीं होने देंगे।

पूर्व तट रेलवे

1) ई-निविदा सूचना सं. e-Tender-Elect-G-24-25
कार्य का विवरण: रेल सदन भवन के उत्तर एवं दक्षिण ब्लॉक में पुरानी लाइटों एवं अन्य विद्युत परिसंपत्तियों के प्रतिस्थापन के साथ विद्युत आपूर्ति प्रणाली में सुधार।
कार्य की अनुमानित लागत (₹): 1,01,84,847.94, EMD (₹) : 2,00,900.00

2) ई-निविदा सूचना सं. e-Tender-Elect-G-25-25
कार्य का विवरण: खोरधा रोड मंडल के अनुगुल सेटलमेंट क्षेत्र में स्टाफ क्वार्टरों के विद्युत उपकरणों का प्रतिस्थापन के साथ रिवायरिंग।
कार्य की अनुमानित लागत (₹): 2,61,45,818.03, EMD (₹) : 2,80,700.00

3) ई-निविदा सूचना सं. e-Tender-Elect-G-26-25
कार्य का विवरण: खोरधा रोड मंडल के विभिन्न स्टेशनों के विभिन्न स्थानों पर पुराने एयर कंडीशनरों के प्रतिस्थापन के साथ विद्युत परिसंपत्तियों का विस्तार।
कार्य की अनुमानित लागत (₹): 2,79,75,830.30, EMD (₹) : 2,89,900.00

कार्य पूरा होने की अवधि : 04 महीने (क्र.सं 1 हेतु) एवं 06 महीने (क्र.सं 2 एवं 3 हेतु)।

निविदा बंद होने की तिथि व समय : दिनांक : 16.07.2025 को 1500 बजे (सभी निविदा हेतु)।

ऐसी ई-निविदा के तहत डाक / कूरियर / फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही यह फर्म (Firm) के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्ताव को अवैध माना जायेगा तथा उसके बारे में किसी विचार के बिना तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा। उपरोक्त ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाइट : http://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होंगे।

द्रष्टव्य : प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि इस ई-निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन / शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा बंद होने की कम से कम 10 (दस) दिन पहले वेबसाइट का पुन: अवलोकन करें।

वरिष्ठ मण्डल विद्युत अभियन्ता (G), खोरधा रोड
PR-297/Q/25-26

बिहार विस चुनाव को लेकर पूर्व विधायक अंबा प्रसाद को बनाया गया पर्यवेक्षक

पतरातू (आजाद सिपाही)। बिहार में विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक सरगर्मी तेज है। कांग्रेस पार्टी भी बिहार चुनाव को लेकर अपनी तैयारियों में जुटी है। इस बीच अब कांग्रेस ने बिहार विधानसभा चुनाव के लिए पर्यवेक्षक नियुक्त किये हैं। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने इनकी नियुक्ति का आदेश जारी किया है। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की राष्ट्रीय सचिव सह बड़कागांव की पूर्व विधायक अंबा प्रसाद को पार्टी की ओर से बिहार में चुनाव अभियान को धार देंगे। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष के अनुमोदन के बाद इस संबंध में पार्टी ने आदेश जारी कर दिया है। बिहार चुनाव को लेकर मिली जिम्मेदारी के बाद अंबा प्रसाद ने पार्टी आलाकमान को धन्यवाद देते हुए कहा कि मिली जिम्मेदारी का निर्वहन पूरी निष्ठा से करेंगे और आगामी बिहार विधानसभा चुनाव में पार्टी को मजबूती प्रदान करते हुए एनडीए को जड़ से उखाड़ने का कार्य करेंगे। कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय सचिव सह बड़कागांव के पूर्व विधायक अंबा प्रसाद का पार्टी में इस कदर पार्टी में कद को बढ़ते हुए देख पतरातू प्रखंड के कांग्रेस कार्यकर्ताओं में हर्ष का माहौल है। हर्ष व बधाई देने वालों में पूर्व विधायक को पतरातू प्रखंड के पूर्व विधायक प्रतिनिधि कृष्णा सिंह, पूर्व प्रखंड अध्यक्ष असगर अली, जयंत तूरी, संतोष साव, नईम अंसारी, मुस्तफा अंसारी, अमित साहु, याकुब राय, राजेश साव, प्रदीप साव, मोहम्मद हसीब, राजकिशोर पांडे, रमाकांत दुबे, सुनेश्वर बेदिया, मुनेश्वर बेदिया, मुख्तार अंसारी, कपिल रवानी, मटुकलाल बेदिया, मंटू बेदिया, सफीक अंसारी, संजय सिंह, तिलेश्वर साहू, जगदीश साहू, विक्रांत पांडे, अजय पासवान, शंकर पासवान, रंजीत ठाकुर, प्रीतम सिंह, मुन्ना अंसारी, पंकज कुमार सहित सैकड़ों कार्यकर्ता व ग्रामीणों शामिल है।

स्वतंत्र डाक वितरण केंद्र का शुभारंभ

रामगढ़ (आजाद सिपाही)। प्रधान डाकघर रामगढ़ में सहायक डाक अधीक्षक नवीन कुमार अग्रवाल ने सोमवार को स्वतंत्र डाक वितरण केंद्र का शुभारंभ किया। मौके पर उन्होंने बताया कि अब मेल ब्रांच का जिला में डाक विभाग द्वारा डाक वितरण के लिए एक केंद्र बनाया गया है। जिसके द्वारा अब रामगढ़ जिले के बरकाकाना, कुजू, चितरपुर, अरगड्डा, मरार, छतरमांडू कोर्ट, चैनगडा, रामगढ़ सहित अन्य जगहों के पोस्टमैन रामगढ़ कैंट प्रधान डाकघर से ही स्पीड पोस्ट, रजिस्ट्री पत्र, पार्सल आदि लेकर पाने वाले के पास पहुंचा देंगे। अब सभी पत्रों का लेन देन पोस्टमैन प्रधान डाकघर में करेंगे। इससे ग्राहकों को सुविधा मिलेगी। इस अवसर पर मुख्य रूप से प्रधान डाकघर रामगढ़ डाकपाल मनोज कुमार, सहायक रविशंकर राय, नरेंद कुमार सिंह, चन्द्र शेखर प्रसाद, शंभू दत्ता सिंह, कुंदन कुमार, दीपक कुमार पटेल, शुभम कुमार राम, शुभम सौरव, शमीम अहमद, रामकुमार मुंडा, संजू कुमारी, अभिषेक भारती राय सहित अन्य डाक कर्मचारी उपस्थित थे।

रोटरी रामगढ़ सिटी को मिला बेस्ट क्लब का अवार्ड

क्लब के सभी सदस्यों के सहयोग से यह अवार्ड मिला है: अनिल

आजाद सिपाही संवाददाता

रामगढ़। पार्क लेन रिसॉर्ट धनबाद में आयोजित सत्र 2024-25 के कार्यकाल के लिए अवार्ड सेरेमनी कार्यक्रम में रोटरी रविवार को रोटरी रामगढ़ सिटी को सत्र 2024-25 के कार्यकाल में अपने उत्कृष्ट कार्यों के लिए (डिस्ट्रिक्ट 3250) झारखंड और बिहार के सभी क्लबों में डिस्ट्रिक्ट गवर्नर के द्वारा बेस्ट क्लब के अवार्ड से सम्मानित किया गया। साथ ही पांच अन्य अवार्ड भी दिये गये। जिला 3250 के गवर्नर विपिन चचान ने रोटरी रामगढ़ सिटी की प्रशंसा करते हुए कहा की रोटरी रामगढ़ सिटी बहुत कम समय में डिस्ट्रिक्ट में अपने कार्यो से अपनी अलग पहचान बनाई है। इस कार्यक्रम में अध्यक्ष अनिल कुमार गोयल के साथ आदर्श चौधरी और पंकज जैन को मंच में बुला कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में अध्यक्ष अनिल गोयल ने कहा कि हमारे क्लब को जो बेस्ट क्लब के अवार्ड के साथ-साथ पांच अन्य अवार्ड से सुशोभित किया गया है यह हमारे क्लब के सभी सदस्यों के सहयोग और मेहनत का परिणाम है। इसके लिए में अपने सभी सदस्यों का आभार व्यक्त करता हूं।

माता वैष्णो देवी मंदिर परिसर में रक्तदान शिविर आज

रामगढ़ (आजाद सिपाही)। पंजाबी हिन्दू बिरादरी रामगढ़ के सौजन्य से झंडा चौक स्थित माता वैष्णों देवी मंदिर परिसर में रोटरी रामगढ़ सेंट्रल के द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया है। शिविर का शुभारंभ 1 जुलाई को सुबह 10 बजे किया जायेगा। सभी रक्तदाता बंधुओं से आग्रह किया गया है कि इस रक्तदान शिविर में आकर रक्तदान करें और बहुमूल्य मानव जीवन को बचाने में सहभागी बनें। पंजाबी हिन्दू बिरादरी के अध्यक्ष सुरत चन्द्र वासुदेव व महासचिव वरिष्ठ पत्रकार महेश मारवाह ने संयुक्त रूप से बताया कि रक्तदान शिविर एक अच्छा मौका है।

PUBLIC NOTICE

TO WHOM SOEVER IT MAY CONCERN

This is to bring to the notice of all the legal heirs of late Shiva Priya Nath Nath Ganju that the Hon'ble Khunti Court has issued the final decree in Partition suit no. P.S. 90/1951 and thereby partitioned the properties between Late Dashrath Ram Ganju and Late Shiva Priya Nath Ganju. Out of thetotal properties in the suit, Late Shiva Priya Nath Ganju has been allotted properties in districts Khunti and Gumla the possession of all of which has been given by the competent court of Khunti in P.S 90/1951 to Samarendra Kumar vide order dated 01.10.2023 & 3.10.2023 . The legal heirs are henceforth notified that a meeting for Internal Partition cum Family Arrangement among all the heirs of Shiva Priya Nath Ganju regarding the aforesaid properties will be held on 6th of July 2025 at 10:00 AM in the house of late Jyotindra Nath Ganju at D-16 MIG plot Harmu Housing Colony.

The failure of any legal heir to appear for this meeting will be seen as their non-interest to participate in the Family Arrangement and that they are waiving their right to raise any objections to this Family Arrangement with respect to the share of properties allotted to them.

The property allotted to him/her in the Family Arrangement, thereafter shall be final, binding and not challengeable in any court of law.

(Samarendra Kumar)
Mobile No. 7217811316

झामुमो ने मनायी जगदेव महतो की पुण्यतिथि

कुजू (आजाद सिपाही)। झामुमो मांडू प्रखंड समिति ने सोमवार को बूढ़ाखाप फोरलेन में पूर्व करमा पंचायत अध्यक्ष स्व जगदेव महतो की 12वीं पुण्यतिथि मनाया। इस अवसर पर मुख्य रूप से केंद्रीय सदस्य राजकुमार महतो मौजूद रहे। इस दौरान उन्होंने जगदेव महतो की तस्वीर पर श्रद्धांजलि अर्पित कर कहा कि जगदेव महतो ने करमा क्षेत्र में विकास को नया आयाम दिया। लोगों के हक व अधिकार के लिए हमेशा लड़ते रहे। हालांकि वह हमारे बीच नहीं रहे, लेकिन हमेशा लोगों के दिलों में बसते हैं। मौके पर जगदेव महतो की धर्मपत्नी कुंती देवी, मोहरलाल महतो, राजनाथ महतो, सुरेश चंद्र पटेल, खगेश्वर महतो, मोगलचंद पटेल, सहदेव महतो, भुवनेश्वर महतो, अजय डीसिल्वा, गुड्डू वर्मा, बबीता कुमारी समेत कई लोग शामिल रहे।

मुहर्रम को लेकर शांति समिति की बैठक

निर्धारित रूट से जुलूस निकालने का निर्देश

आजाद सिपाही संवाददाता

चतरा। सदर थाना परिसर में सोमवार को शांति समिति की बैठक हुई। जिसकी अध्यक्षता सदर अनुमंडल पदाधिकारी जहूर आलम और संचालन सदर थाना प्रभारी बिपीन कुमार ने किया। बैठक में दोनों समुदाय के गणमान्य लोग उपस्थित थे। अनुमंडल पदाधिकारी जहुर आलम ने सभी से मुहर्रम पर्व शांतिपूर्ण माहौल में मनाने एवं जुलूस निर्धारित रूट से निकालने का निर्णय लिया गया। उन्होंने कहा कि पर्व के दौरान किसी प्रकार के अफवाह या सूचना मिलती है तो इसकी जानकारी तुरंत प्रशासन को दें। अनुमंडल पदाधिकारी ने कहा कि पर्व के दौरान अगर कोई भी अफवाह फैलता है अथवा सोशल मीडिया में भ्रामक खबर डालता है तो वैसे व्यक्ति को चिन्हित कर सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी। इसके अलावा उन्होंने कहा कि पर्व को शांतिपूर्ण तरीके से मनाने को लेकर सुरक्षा व्यवस्था का चाक चौबंद व्यवस्था की गई है। शहर के प्रमुख चौक चौराहों पर दंडाधिकारी प्रतिनियुक्त किये गये हैं। इस मौके पर दोनों समुदाय के सैंकड़ों लोग मौजूद थे।

दक्षिण पूर्व रेलवे - निविदा

ई-निविदा सूचना सं. 28-ईएल-डब्ल्यूटी-2025-26, दिनांक 27.06.2025, भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिए, मंडल विद्युत इंजीनियर (सा.)/चक्रधरपुर द्वारा खुली निविदा के प्रतिपक्ष ई-निविदाएँ आमंत्रित की जाती हैं। इस निविदा के लिए मैनुअल प्रस्ताव की अनुमति नहीं दी जाती है एवं ऐसा कोई मैनुअल प्रस्ताव प्राप्त होने पर ध्यान नहीं दिया जाएगा। **कार्य का नाम :** 01 वर्ष की अवधि के लिए दुर्घटना के मामलों/उद्घाटन समारोहों/कार्यक्रमों आदि जैसी आपातकालीन परिस्थितियों के लिए लाइटिंग एवं वेंटिलेशन व्यवस्थाओं के साथ डीजी सेट को किराये पर लेना एवं प्रावधान। **निविदा मूल्य:** रु. 27,36,780/- **बयाना राशि:** रु. 54,700/-, **निविदा कागजात का मूल्य रु. में :** शून्य । **बंद होने/खुलने की तिथि:** दिनांक 25.07.2025, निविदा वेबसाइट **http://www. ireps.gov.in** में देखी जा सकती है। निविदाकार/बोलीदाता के पास क्लास-III डिजिटल सिग्नेचर सर्टिफिकेट रहना चाहिए एवं आईआरईपीएस पोर्टल के अधीन जरूर पंजीकृत रहें। केवल पंजीकृत निविदाकार/बोलीदाता ई-निविदा प्रणाली में भाग ले सकते हैं। ई-निविदा प्रणाली में भाग लेते समय सभी संबंधित कागजात अवश्य अपलोड किए जाएं। (PR-333)

चतरा में जिलाध्यक्ष निलेश ज्ञासेन का कार्यकर्ताओं ने किया स्वागत

संगठन की मजबूती पर हुई चर्चा

आजाद सिपाही संवाददाता

चतरा। जिले के टंडवा प्रखंड के कबरा पंचायत के मुखिया सह झारखंड मुक्ति मोर्चा के नवनियुक्त जिला अध्यक्ष मुखिया निलेश ज्ञासेन का आज चतरा परिसदन में आगमन हुआ। इस मौके पर झामुमो के पूर्व जिला अध्यक्ष सह केंद्रीय कार्यकारिणी सदस्य पंकज प्रजापति, पूर्व प्रवक्ता सत्येंद्र मित्तल, झामुमो युवा मोर्चा के पूर्व अध्यक्ष राहुल यादव, चतरा प्रखंड अध्यक्ष उपेंद्र कुमार समेत अन्य कार्यकर्ताओं ने बुके और पौधा देकर नवनियुक्त जिला अध्यक्ष का स्वागत किया। जिला अध्यक्ष के साथ उनकी टीम में जिला सचिव चंद्रदेव साव, उपाध्यक्ष अमरदीप प्रसाद और कोषाध्यक्ष नितेश कुमार राणा समेत सैंकड़ों की संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे। स्वागत समारोह से पूर्व, जिला अध्यक्ष और कार्यकर्ताओं ने बीर बिरसा मुंडा के चित्र पर माल्यार्पण किया। तत्पश्चात परिसदन के सभागार में नवनियुक्त जिला अध्यक्ष की अध्यक्षता में कार्यकर्ताओं की बैठक संपन्न हुई। बैठक को संबोधित करते हुए पूर्व जिला अध्यक्ष पंकज प्रजापति ने कार्यकर्ताओं को एकजुट होने की सलाह देते हुए संगठन की मजबूती पर बल दिया। नवनियुक्त जिला अध्यक्ष निलेश ज्ञाशेन ने अपने संबोधन में कहा कि सिदो-कान्हू झारखंड के स्वाभिमान संघर्ष के प्रतीक हैं। उन्होंने आदिवासी समाज को अन्याय और शोषण के विरुद्ध एकजुट किया और अंग्रेजों के खिलाफ विद्रोह का नेतृत्व किया। हम सबको उनके कार्य से प्रेरणा लेनी चाहिए। जिला अध्यक्ष ने केंद्रीय कमेटी का आभार प्रकट करते हुए कहा कि कार्यकर्ताओं की उम्मीदों पर खरा उतरने का प्रयास करेंगे। पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए नवनियुक्त जिला अध्यक्ष ने कहा कि पार्टी के सभी पदाधिकारियों, केंद्रीय कमिटी के लोगों और कार्यकर्ताओं को साथ लेकर जिला स्तर पर पार्टी को मजबूत बनाने का कार्य करेंगे। पंचायत स्तर से लेकर बूथ स्तर पर कार्यकर्ताओं को जोड़ेंगे। उन्होंने कहा कि, पूरे जिले में झामुमो को इतना मजबूत बना देंगे कि संगठन के मामले में पार्टी राज्य में प्रथम स्थान की बुलंदियों पर पहुंच जाये। उन्होंने सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं को जनता तक ले जाने का भी भरोसा दिया। कार्यक्रम में सुरेश साहू, धीरेन्द्र सिंह, बबलू पासवान, मनोज सिंह, बबलु केसरी, बंटी कुमार, मुकेश यादव, विनय साव, मल्लेश्वर साहू, रमन साहू, पुरण राम, दिनेश साव, महमूद खान, एकरामुल हक, बाबूलाल केसरी सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

बालिका उच्च विद्यालय, कुजू
ग्राम+पो०- कुजू, प्रखंड-माण्डू, जिला - रामगढ़
राज्य - झारखंड, पिन कोड - 825316

स्थापना अनुमति प्राप्त विद्यालय
योग्य उम्मीदवारों से आवेदन आमंत्रित

1) सहायक शिक्षक :- संस्कृत विषय में एक पद : (जनरल कैटेगरी)
2) सहायक शिक्षक :- जीव विज्ञान और रसायन विज्ञान संयुक्त, भूगोल, कंप्यूटर अनुदेशक, शारीरिक शिक्षा, प्रत्येक विषय में एक पद अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति महिला उम्मीदवार के लिए आरक्षित ।
3) आदेशपाल / परिचारिका:- महिला पद एक
अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाती महिला उम्मीदवार को प्राथमिकता ।

उम्र एवं योग्यता : झारखंड सरकार के नियमावली के अनुरूप । नियुक्ति हेतु झारखंड राज्य का आवसीय प्रमाण पत्र एवं जाति प्रमाण पत्र अनिवार्य है ।

आवेदन देने की अंतिम तिथि :- 11/07/2025
साक्षात्कार की तिथि :- 21/07/2025
समय प्रात:- 10:00 बजे से.
स्थान:- विद्यालय परिसर में

अध्यक्ष के आदेशानुसार
अनीष कुमार गुप्ता
सचिव
बालिका उच्च विद्यालय, कुजू
जिला - रामगढ़ (झारखंड)

पत्रांक संख्या :- 39/2025

इंटेंसिव रिविजन

बिहार में विधानसभा चुनाव से पहले मतदाता सूची का स्पेशल इंटेंसिव रिविजन (विशेष गहन पुनर्निरीक्षण) शुरू किया है। यह काम 25 जुलाई 2025 तक होना है। आयोग की इस अप्रत्याशित सक्रियता से बिहार की विपक्षी पार्टियों और मतदाताओं के बीच खलबली मचना स्वाभाविक है। चुनाव आयोग के आंकड़ों के अनुसार इन एजेंटो की संख्या डेढ लाख से ऊपर है। आयोग ने राजनीतिक पार्टियों से कहा था कि वे चाहें तो और एजेंटों की नियुक्ति भी कर लें। यानी बिहार विधानसभा चुनावों की तैयारी चल रही थी कि आयोग में सूची बदल डालूंगा का जोश उमड़ आया। गहन पुनर्निरीक्षण को इतने कम समय में करने का वादा किया गया है कि उससे आयोग के अपने तर्कों का भी खंडन होता है। अपनी क्षमता की दुहाई देकर वह एक या दो चरणों में होने वाले चुनाव कई चरणों में कराता है और अब बिहार की करीब सात करोड़ 89 लाख वोटरों की सूची को महज 25 दिनों में पूरी तरह बदल लेगा। इसी दौरान सभी मतदाताओं के फॉर्म और दस्तावेज उसके पास जमा हो जायेंगे और उनकी जांच भी कर ली जायेगी। यह सब करके वह एक सितंबर को नयी संशोधित सूची जारी कर देगा। ध्यान रहे, बिहार के करीब 3 करोड़ लोग देश के दूसरे हिस्सों में काम करते हैं। क्या फॉर्म के साथ जमा होने वाले दस्तावेज सबके पास हैं? क्या वे इतने कम दिनों में इकट्ठा कर सकते हैं? यह लगभग असंभव है। आयोग ने आसानी से पहचान और आवास के सहज ही उपलब्ध सबूतों को स्वीकार करने से मना कर दिया है। आधार कार्ड, वोटर आई कार्ड और पैन कार्ड भी पहचान और आवास के प्रमाण नहीं होंगे। आयोग ने मतदाताओं की पहचान और आवास के जो सबूत मांगे हैं उससे लोगों को मतदान का अधिकार मिलने के बजाय इसके छिन जाने का खतरा पैदा हो गया है। एक जुलाई 1987 के पहले जनमे मतदाताओं को यह प्रमाण देना पड़ेगा कि उनका जन्म किस तारीख को और कहां हुआ। उन दिनों बिहार के अधिकांश लोग घर में पैदा होते थे। साल 2018 के आंकड़े के अनुसार, बिहार में अभी भी 18 प्रतिशत लोगों का जन्म घर में ही होता है। स्कूली शिक्षा का प्रतिशत ऐसा है कि बिहार की जाति जनगणना के अनुसार अभी मैट्रिकुलेशन या दसवीं पार करने वालों का प्रतिशत 15 है तो उस समय तो और भी कम होगा। घर में पैदा होने वालों के पास जन्म के स्थान को प्रमाणित करने के लिए जमीन का कोई कागज चाहिए, जिसमें उसका नाम हो। बिहार में करीब एक चौथाई लोग ऐसे हैं जिनके घर मिल्कियत वाली जमीन पर नहीं हैं। इसमें ज्यादातर दलित और अति पिछड़े समाज के लोग हैं। आयोग ने एक जुलाई 1987 और 2 दिसंबर 2004 के बीच पैदा होने वालों से जन्म की तिथि और स्थान के दस्तावेज के साथ माता-पिता में से किसी एक की जन्म की तिथि और स्थान के सबूत मांगे हैं। तीसरा समूह उन लोगों का है जो 2004 के बाद जनमे हैं। उन्हें अपने साथ साथ माता-पिता के लिए भी ये दस्तावेज देने होंगे। आयोग ने जिन अन्य दस्तावेजों को मान्य किया है, उनमें सरकारी नौकरी, पासपोर्ट के अलावा बैंक, बीमा, पोस्ट ऑफिस, किसी सरकारी संस्थान या स्थानीय निकाय से जारी पहचानपत्र, जाति प्रमाणपत्र और मूल निवास का प्रमाणपत्र शामिल हैं। ये सारे पहचान और प्रमाण के पत्र बिहार के पढे-लिखे और संपन्न लोगों के पास ही आसानी से मिल सकते हैं। बिहार में पासपोर्टधारकों का प्रतिशत 0.2 के करीब है। सरकारी नौकरी करने वाले सिर्फ डेढ़ प्रतिशत हैं। आयोग ने अभियान के जो कारण गिनाए हैं, उनमें मतदाता सूची में अवैध अप्रवासियों के नाम शामिल होने की बात कही है। सच मानिए तो आयोग ने बिहार विधानसभा चुनावों का एजेंडा बदल दिया है।

अपनी क्षमता की दुहाई देकर वह एक या दो चरणों में होने वाले चुनाव कई चरणों में कराता है और अब बिहार की करीब सात करोड़ 89 लाख वोटरों की सूची को महज 25 दिनों में पूरी तरह बदल लेगा।

अभिमत
आजाद सिपाही

श्रीकृष्ण के जीवन का 36 साल! क्या हुआ, कैसा अनुभव रहा? इस काल में श्री कृष्ण महाभारत-करीब सारा नजर द्वारिका में ही रह रहे हैं। युद्ध के बाद वे अपने प्रिय सखा अर्जुन से कभी हस्तिनापुर में नहीं मिले। यश और कीर्ति के सहभागी होना तक अलग ही बात है। महाभारत युद्ध के बाद आखिर श्रीकृष्ण क्या कर रहे थे। उनके मनोभाव में क्या था? यह यादव के आंतरिक आत्म संघर्षों और उनके अपने स्वर्णिम काल के अथाह अंत की एक दुखद कहानी है।

महाभारत बाद के 36 साल की कृष्ण कथा

डॉ मयंक मुरारी

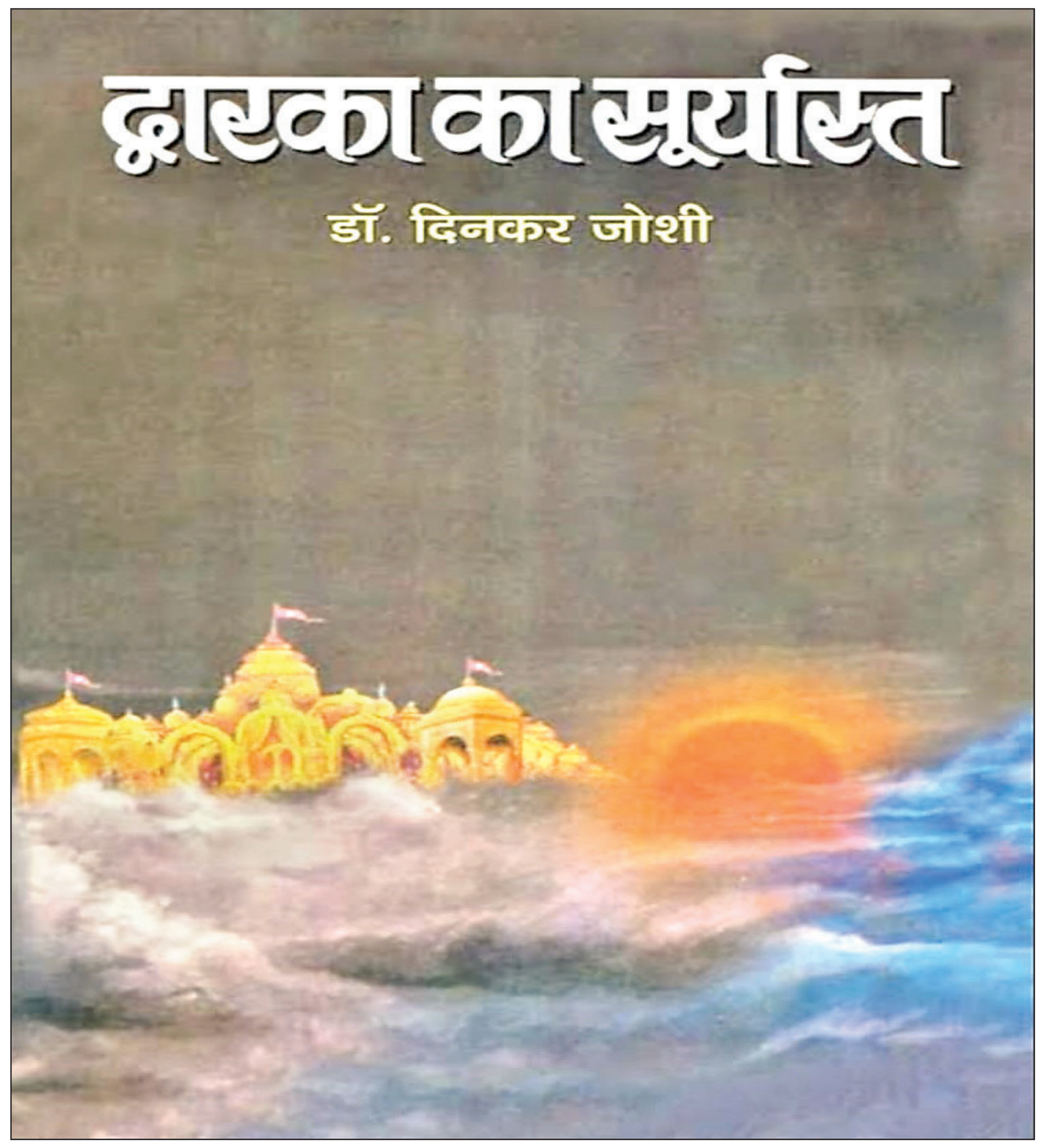

कृष्ण देव है। यह सबको पता है। कृष्ण के देवत्व का राह पता है? महाभारत के विनाश के बाद अगले यादवकुल के विनाश तक। श्रीकृष्ण के जीवन का 36 साल! क्या हुआ, कैसा अनुभव रहा? इस काल में श्री कृष्ण महाभारत-करीब सारा नजर द्वारिका में ही रह रहे हैं। युद्ध के बाद वे अपने प्रिय सखा अर्जुन से कभी हस्तिनापुर में नहीं मिले। यश और कीर्ति के सहभागी होना तक अलग ही बात है। महाभारत युद्ध के बाद आखिर श्रीकृष्ण क्या कर रहे थे। उनके मनोभाव में क्या था? यह यादव के आंतरिक आत्म संघर्षों और उनके अपने स्वर्णिम काल के अथाह अंत की एक दुखद कहानी है। एक देवत्वधारी के भी दिल में कितनी व्यथा और दर्द हो सकता है। गांधारी के शाप फिर महर्षि कश्यप द्वारा शापित। दीर्घ आयु के अंतिम वर्षों में एक परिवार के बुजुर्ग जैसे निवृत्ति वाला जीवन संघर्ष करते हैं ऐसा ही होगा। यदि हम श्री कृष्ण के मानव स्वरूप का दर्शन करना चाहते हैं, उनके देवत्व के साथ जुड़ी करुण कथा का सहभागी होना चाहते है, तो एक किताब द्वारिका का सूर्यास्त भारतीय साहित्य की बेहतरीन उपन्यास है। एक इंसान जो अपने जीवन के उतरार्द्ध काल में कर्म से देवत्व को धारण करता है फिर अपने भूतकाल से व्यथित होता है। एक सामान्य मानवी जैसे उनकी वेदना है, दुःख है, कष्ट है, दैवी शक्ति का कोई जिक्र नहीं है। दिनकर जोशी ने द्वरिका का सूर्यास्त लिखा है।

श्रीकृष्ण विलय की घटना समग्र सृष्टि में अब तक की सबसे बड़ी दुःख, पीड़ा भरी एवं करुण घटना है।

सोमनाथ के समुद्र तट पर अवस्थित जंगल। अंतिम वेला में कृष्ण टहल रहे थे। समग्र मार्ग पर दोनों ओर तमाल वृक्ष फैले हुए थे। वे कहते है कि मेरे दर्शन करते समय पलकें झपकने के कारण जो जरा सा व्यवधान पड़ता है, उसे सहन न कर सकने के कारण गोपियां नयनों के देव की निंदा करती है। उन्ही गोपियों का परित्याग कर आज मैं कितना दूर आ गया हूं। (श्रीमद. 10.31.15)। श्रीकृष्ण विलय की घटना समग्र सृष्टि में अब तक की सबसे बड़ी दुःख, पीड़ा भरी एवं करुण घटना है। श्रीकृष्ण और रुक्मिणी संवाद है। रुक्मिणी कहती है- मुझे राधा की नहीं, लेकिन माता देवकी से ईर्ष्या होती है। ईर्ष्या होती हैं, उनके समग्र स्त्रीत्व से। कृष्ण कहते हैं कि एक सत्य जो दुनिया ने नहीं जाना, उसे प्रकट करता हूं देवी। कृष्ण कहते हैं- माता देवकी और उनका पुत्र श्रीकृष्ण दुनिया के सबसे दुर्भाग्यशाली माता और पुत्र है। जिसकी कल्पना कोई लोक या इंसान नहीं कर सकता! स्त्री के जीवन का सर्वश्रेष्ठ पल होता है, उसका मातृत्व का सुख। माता देवकी को आठ-आठ पुत्र हुए, लेकिन किसी भी संतान को वह हृदय से लगाकर अपना दूध नहीं पिला सकी। हर नवजात संतान का जन्म, उसे दुख और भय से भर देता। यही नहीं हर नवजात शिशु के लिए अपनी माता के स्तन से लगकर दुग्धपान सबसे बड़ा सुख व अधिकार है। लेकिन इस प्राकृतिक अधिकार से भी मैं वंचित रहा।

श्रीकृष्ण को जीवन के उत्तरार्द्ध में इसका बोध होता है। सवाल भी उठता है, पहले क्यों बोध नहीं हुआ? इसके लिए जन्म के साथ कृष्ण को समय कहां मिला? बचपन में जीवन संकट, तो बाद में धर्म स्थापना का दायित्व ने इस ज्ञानबोध से उनको दूर रखा। श्रीकृष्ण कहते हैं- स्मृति-विस्मृति कभी-कभी ऐसे अगम्य रहस्यों का सृजन करती है। इस अगम्य को जो भी अधिक से अधिक बूझ सकता, उसके लिए जीवन हमेशा एक विकट समस्या ही बना रहता है। श्रीकृष्ण के जीवन के अंतिम पल। पैर के तलवे में वाण लगा, बहेलिया विलाप करने लगा। श्रीकृष्ण सांत्वना देते हैं-तुम तो शाप को फलीभूत होने के निमित्त बने हो। मन पर कोई बोझ न रखना। शेष जीवन कर्म संपन्न करने के पश्चात तुम्हारी भी ऊर्ध्व गति हो। उनको याद आता है-माता गांधारी का शाप, महर्षि कश्यप का शाप और अपने वंश एवं अपने लोग का मद एवं अहंकार। इसमें उनका कहां दोष था? कृष्ण चिंतन करते हैं- उनका जीवन ही मृत्यु की परछाई में आगे बढ़ा। जन्म के बाद अभी घुटनों पर चलना शुरू किया कि पूतना मौसी पहुंच गयी। इसके बाद शकटासुर, बकासुर, धेनुकासुर, कलियानाग आदि से खुद को बचाया, गोकुलवासियों को निर्भयता का संदेश दिया। लेकिन जब गोकुल छोड़ने का समय आया, जीवन पर कंस रूपी विपत्ति आयी, तो कोई साथ नहीं था। न गोकुलवासी और न ही मथुरावासी।

आज भी मन व्यथित हो जाता है कि श्री कृष्ण पर उनके परिवार के यादवों ने चोरी का इल्जाम लगाया था। इस युग के पुरुष को नहीं पता इस दुनिया ने क्या वेदनाएं दी हैं और क्या कहा है? इन सबके बावजूद भी हर बार हर परिस्थिति से वह पहले से ज्यादा बेहतर बनकर निकल आते है। हम सब के लिए यह सबसे बड़ी सीख है। द्वारिका के सूर्यास्त में वर्णन है कि अंतिम चरण में ऊधव जी और श्री कृष्ण जब आखिरी बार द्वारिका में मिले तो संवाद में वह बड़े ही भावुक हो गए। श्री कृष्ण से उनकी चरण पादुका मांगते हैं ताकि अपने शेष जीवन में भी उन्हें श्री कृष्ण का स्पर्श मिले।

श्रीकृष्ण को आर्यवर्त का प्रथम पुरुष होने का बहुमान मिला, युधिष्ठिर के राजसूय यज्ञ पर जिसे प्रातः पूजा के लिए स्वीकार किया गया वह प्रथम पुरुष है! पर महाकाल के लिए ये महापुरुष नगण्य के बराबर है। काल के लिए सब एक समान है। एक बहेलिया का तीर उनके महाप्रयाण का कारण बन जाता है। और उसके पूर्व द्वारिका में कहां कुछ बचता है, सब उनके आंखों के समक्ष खत्म हो जाता है। काशीनाथ सिंह के उपन्यास उपसंहार में कृष्ण को भगवान के रूप में नहीं बल्कि मानवीय भावनाओं और भ्रांतियों वाले राजा के रूप में दर्शाया गया है। उपसंहार को पढ़कर पता चलता है कि कृष्ण को युद्ध के बाद अवसाद और दुःख का सामना करना पड़ा था, उनके द्वारिका के संस्थापकों में से एक, इंद्र की अमरावती से भी सुंदर ढंग से बनाया गया था वह द्वारिका और यादवकुल का नाश कैसे होता है? यह भी कि जिस न्याय और धर्म की स्थापना के लिए इतना बड़ा युद्ध हुआ था। क्या उसकी स्थापना हो पाई थी? या फिर वो सिर्फ एक मिथ्या बन कर रह गयी ? महाप्रयाण के पूर्व की घटना है। कृष्ण और नारद के मध्यम सह प्रश्न उठता है कि सामान्य को असामान्य का वितरण यानी अपने जनों यथा सत्यभाभा, बलराम, उग्रसेन, अंक्रुर या कृतवर्मा को आपने कृष्णत्व का अंश प्रदान किया। जिस संयम और ऐश्वर्य रूपी संस्कार का आमजन को संवर्द्धन करना होता है, वह सब उन्हें सहज ही प्राप्त हो गया। क्या यह ठीक था? नारदमुनि कहते है कि इसी कारण ये सारे पूर्णता को प्राप्त नहीं कर सके। कृष्ण तो कई एक ही बनता है। जगत में एक ही पूर्ण होता है, जो अर्जुन जैसे के विषाद को योग में बदल देने की क्षमता रखता है। कुंती के मन के दुख को खुद ही दिशा देता है। माता गांधरी के श्राप को सहज स्वीकार करता है और अपने प्रिय साथी राधा को वचन देकर अंतहीन इंतजार की यात्रा पर छोड़ देता है।

बड़े-बड़े ज्ञानी क्या करने योग्य है और क्या नहीं करना चाहिए। इसके बारे में सही निर्णय नहीं ले पाते हैं। कर्म मार्ग पर लगातार चलते वे इससे परे हटाने का संदेश नहीं देते हैं। वे गीता में कहते हैं कि हरेक श्रेष्ठ पुरुष को लोक का ध्यान रखते हुए लोकयात्रा में कर्म करना होता है। वे कहते हैं कि यद्यपि मेरे लिए कुछ भी करने की जरूरत नहीं है, लेकिन श्रेष्ठ पुरुष जो करते है, उसे लोक में अनुसरण किया जाता है। इसलिए सदैव कर्म करना चाहिए। भारतीय जीवन में कर्म के विचार ने संपूर्ण जीवन को जोडे हुए हैं। यही कर्म का प्रवाह है और जीवन में श्रीकृष्ण का केंदीय प्रवाह भी है। यह कर्म का प्रवाह ही बंधन से मुक्त करता है और मुक्ति की ओर ले जाता है।

कोल्हान की खबरें

चलंत भोजनालय से चार हजार से अधिक लोगों को मिला लाभ

जमशेदपुर (आजाद सिपाही)। जमशेदपुर पश्चिम के विधायक सरयू राय ने सोमवार को स्वर्णरेखा क्षेत्र विकास ट्रस्ट द्वारा संचालित चलंत भोजनालय की मासिक समीक्षा की। उन्होंने बताया अब हर हफ्ते इसकी समीक्षा होगी। 4 जून से शुरू इस सेवा से अब तक 4000 जरूरतमंदों को सिर्फ 5 रुपये में भरपेट भोजन मिला है। कदमा बाजार के सामने दोपहर 12:30 से 2 बजे तक चलंत भोजनालय की गाड़ी खड़ी रहती है। सोमवार से शनिवार तक रोज अलग मेन्यू में चावल, दाल, सब्जी, अचार या खिचड़ी-पापड़ परोसे जाते हैं। रविवार को भोजनालय बंद रहता है। चलंत भोजनालय में लाभ मिलने से सैकड़ो जरूरतमंदो ने विधायक व उनके टीम के प्रति आभार जताया।

बाल विवाह और नशा मुक्ति के खिलाफ डालसा का जागरूकता अभियान

जमशेदपुर (आजाद सिपाही)। जिला विधिक सेवा प्राधिकार (डालसा) जमशेदपुर ने जिले में बाल विवाह और नशाखोरी पर रोक लगाने के लिए जन जागरूकता अभियान चलायेगा। सोमवार को प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अरविंद कुमार पांडेय के निर्देश पर यह अभियान चलाया जाएगा। जिसमें डालसा के पीएलवी सक्रिय भूमिका निभाएंगे। प्रशिक्षण में पीएलवी को नालसा की साथी, जागृति और ड्रग्स विरोधी स्कीम की जानकारी दी गयी। डालसा सचिव धर्मेंद्र कुमार ने कहा जिले के युवाओं में ड्रग्स की लत बढ़ रही है, इसे रोकने का एकमात्र तरीका जागरूकता है। डालसा सचिव ने पीएलवी से नशाखोरी प्रभावित इलाकों को चिन्हित कर वहां जागरूकता कैंप लगाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा बाल विवाह पर रोक के लिए भी लोगों को कड़े कानूनों और इसके दुष्परिणामों के बारे में बताया जायेगा। ट्रेनिंग प्रोग्राम को वरीय मध्यस्थ अधिवक्ता के के सिन्हा ने भी संबोधित किया। शिविर में शहरी और ग्रामीण क्षेत्र के सभी पीएलवी मौजूद रहे।

सरयू राय ने हफ्ते में दूसरी बार किया मिनी डिपो का औचक निरीक्षण

सुपरवाइजर और जेएनएसी के कर्मचारी गायब

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। सफाई व्यवस्था की लचर स्थिति को लेकर लगातार मिल रही शिकायतों के बाद जमशेदपुर पश्चिम के विधायक सरयू राय ने सोमवार को सोनारी स्थित मिनी डिपो का एक बार फिर औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान विधायक ने पाया पहले जैसी ही स्थिति अब भी बनी हुई है। डिपो पर मजदूरों की संख्या कम थी। करीब 20 मजदूर ही मौजूद थे। ठेकेदार का कोई सुपरवाइजर और जेएनएसी की तरफ से देखरेख करने वाला कोई कर्मचारी वहां नहीं मिला।श्री राय ने कहा ऐसा लगता है जेएनएसी ठेकेदारों को सफाई का जिम्मा देकर खुद सो गया है। डिपो पर यह पता ही नहीं चलता कितने मजदूर आए, कहां भेजे गए, और कौन किस इलाके में काम कर रहा है। मौके पर न तो कोई रजिस्टर उपलब्ध था और न ही सही निगरानी की व्यवस्था।श्री राय ने मुंशी से जानकारी चाही गैरहाजिर मजदूरों की हाजिरी काटी जाती है या नहीं। मुंशी ने बताया 10 मजदूर डोर-टू-डोर कचरा संग्रह के लिए गये, पर वह यह नहीं बता पाया किस इलाके में और किस वाहन से वे भेजे गए हैं। विधायक ने कहा यह व्यवस्था ही सबसे बड़ी विडंबना है। ठेकेदार चाहे जो हो, मुंशी वही रहता है और काम की निगरानी नहीं होती।

मोहल्लों में गंदगी का आलम : श्री राय ने कहा सफाई व्यवस्था यूं ही लचर रहेगी अगर जेएनएसी सक्रिय निगरानी नहीं करेगा। उन्होंने उप नगर आयुक्त से कहा मिनी डिपो पर जेएनएसी का कोई प्रतिनिधि नियमित तौर पर मौजूद रहे ताकि मजदूरों की संख्या, ड्यूटी और उपस्थिति की सही जानकारी रहे।विधायक ने चेतावनी दी अगर यही हाल रहा तो ऐसे ठेकेदारों को बदला जाना चाहिए।जरूरत पड़ने पर जनता का दबाव बनाया जाएगा। उन्होंने कहा उनके प्रतिनिधि नियमित रूप से मिनी डिपो का निरीक्षण करते रहेंगे।वही स्थानीय लोगों ने विधायक के पहल की सराहना की और नगर निगम से जल्द सुधार की मांग की।इस अवसर पर जनसुविधा प्रतिनिधि मुकुल मिश्रा, प्रशांत पोद्दार, अशोक सिंह, प्रदीप सिंह, महेंद्र यादव, बाबू सिंह, नरेश बागती, संजय रजक, रवि शर्मा, संजय मुंडा समेत दर्जनों लोग मौजूद रहे।

जमशेदपुर में आजसू पार्टी ने हूल दिवस को समर्पण दिवस के रूप में मनाया

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। आजसू पार्टी ने हुल दिवस के अवसर पर परसुडीह स्थित सिदो-कान्हू के प्रतिमा पर माल्यार्पण कर आज के दिन को समर्पण दिवस के रूप में मनाया। मौके पर पूर्व मंत्री रामचंद्र सहिस ने कहा हुल दिवस को समर्पण दिवस के रूप में मनाकर आजसू पार्टी शहीद सिद्धू-कान्हू, फूलो-झानो जैसे वीरों को उचित सम्मान देने का संकल्प दोहराती है। उन्होंने कहा राज्य सरकार द्वारा इन अमर शहीदों को जो सम्मान मिलना चाहिए था, वह नहीं मिला।लेकिन आजसू पार्टी झारखंडी भावनाओं का सम्मान करते हुए उनके सपनों को पूरा करेगी। कन्हैया सिंह ने कहा पार्टी क्षेत्र की जनसमस्याओं के समाधान और संघर्ष करने वालों को सम्मान देने के लिए हमेशा तत्पर रहेगी। उन्होंने घोषणा की आजसू पार्टी हुल दिवस को आगामी दिनों में राजकीय पाठ्यक्रम में शामिल कराने का भी संकल्प लेती है। मौके पर धीरज यादव, संजय सिंह, प्रसन्नजीत भौमिक, ललन झा, संतोष सिंह, कीर्तिवास मंडल, प्रवीण प्रसाद, सौरभ राहुल सिंह, मनोज महतो, बबलू करूआ, शंकर प्रजापति, शेखर सहिस समेत कई कार्यकर्ता और स्थानीय लोग मौजूद रहे।

सिविल सर्जन कार्यालय की दीवारों में पड़ी दरारें

सरायकेला (आजाद सिपाही)। जिले के लोग पहले से ही स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाली से लोग परेशान हैं।अब तो हालात ऐसे बन गए की स्वास्थ्य तंत्र की रीढ़ कहे जाने वाले सिविल सर्जन कार्यालय खुद ही खतरे में आ गया है।कार्यालय की छत जगह-जगह से झर रही, दीवारों में दरारें पड़ चुकी हैं। मानसून में छत का गिरना तय मानी जा सकती है।जर्जर हालत से सिविल सर्जन समेत सभी कर्मियों की जान पर भी खतरा बनी हुई है। बीते कई दिनों से लगातार बारिश में हालात और भयावह होते जा रही हैं। कर्मचारी हर दिन जान हथेली पर रखकर काम करने को मजबूर हैं। मिली जानकारी के अनुसार करीब दो साल पहले भवन की मरम्मत के लिए फंड जारी हुआ था। लेकिन भवन निर्माण विभाग ने सिर्फ छत पर पेटी स्टोन ढलाई कर खानापूर्ति कर दी। बाकी काम अधूरे छोड़ दिये गये, जो आज तक पूरे नहीं हुए।जब भवन निर्माण विभाग के कार्यपालक अभियंता सत्येश देवगाम से जानकारी लेने की कोशिश की गयी तो उन्होंने मीडिया से बात करने के लिए इनकार कर दिया। सहायक अभियंता ने हालांकि यह स्वीकार किया फंड तो मिला था, लेकिन काम अब भी अधूरा और प्रक्रिया में है।

पोटका विधायक बाढ़ पीड़ितों की मदद की

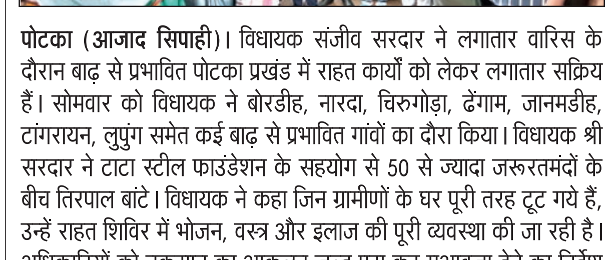

पोटका (आजाद सिपाही)। विधायक संजीव सरदार ने लगातार वारिस के दौरान बाढ़ से प्रभावित पोटका प्रखंड में राहत कार्यों को लेकर लगातार सक्रिय हैं। सोमवार को विधायक ने बोरडीह, नारदा, चिरुगोड़ा, ढेंगाम, जानमडीह, टांगरायन, लुपुंग समेत कई बाढ़ से प्रभावित गांवों का दौरा किया। विधायक श्री सरदार ने टाटा स्टील फाउंडेशन के सहयोग से 50 से ज्यादा जरूरतमंदों के बीच तिरपाल बांटे। विधायक ने कहा जिन ग्रामीणों के घर पूरी तरह टूट गये हैं, उन्हें राहत शिविर में भोजन, वस्त्र और इलाज की पूरी व्यवस्था की जा रही है। अधिकारियों को नुकसान का आकलन जल्द पूरा कर मुआवजा देने का निर्देश दिया गया। श्री सरदार ने बताया टाटा स्टील के सहयोग से जल्द ही कच्चा राशन और मच्छरदानी का वितरण की जायेगी। मौके पर टाटा स्टील फाउंडेशन के मैनेजर शिवशंकर कांडेययांग, आंजिकय बिरुआ, पूर्व पार्षद चंद्रावती महतो, मुखिया असीत सरदार, झामुमो नेता सुनील महतो, हितेश भगत, मनोरंजन सरदार समेत कई स्थानीय प्रतिनिधि और समाजसेवी राहत कार्य में जुटे रहे।

एसडीएम ने रंका मोड़ पर संचालित अवैध गैस गोदाम को किया सील

नगर परिषद, सीओ और गढ़वा थाना के साथ हुई संयुक्त कार्रवाई

ग्रामीण क्षेत्र ओबरा के लिए मिला था लाइसेंस, गोदाम शहरी इलाके में अवैध रूप से चल रहा था

कुछ माह पूर्व भी इस गोदाम को एसडीएम ने शिफ्ट करवाया था

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। सदर अनुमंडल पदाधिकारी संजय कुमार ने रविवार को नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी सुशील कुमार, अंचल अधिकारी सफी आलम एवं गढ़वा थाना के उप निरीक्षक सुबोध बड़ाइक, नगर प्रबंधक ओमकार यादव के साथ संयुक्त टीम बनकर एक बड़ी कार्रवाई करते हुए शहर के भीड़भाड़ वाले इलाके में अवैध रूप से संचालित एचपी गैस एजेंसी के एक गोदाम को सील कर दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, उक्त गैस एजेंसी को ग्रामीण क्षेत्र ओबरा के लिए एचपी गैस ग्रामीण वितरक के रूप में लाइसेंस प्राप्त था। लेकिन एजेंसी संचालक ने नियमों का उल्लंघन करते हुए शहरी क्षेत्र में रंका मोड़ के पास, घनी आबादी वाले क्षेत्र में यह गोदाम अवैध रूप से खोल रखा था। यह गैस गोदाम प्रशासन को गुमराह कर यामाहा बाइक और आटो पार्ट्स दुकान के अंदर चोरी से चल रहा था। न तो इस स्थान के लिए कोई वैध अनुमति ली गयी थी, और न ही वहां सुरक्षा मानकों का पालन किया जा रहा था। जन सुरक्षा की दृष्टिकोण से अत्यंत घातक होने के कारण एसडीएम संजय कुमार ने अन्य अधिकारियों सहित इस गोदाम परिसर का औचक निरीक्षण किया। मौके पर उक्त अवैध गोदाम में 76 भरे हुए सिलेंडर तथा 149 खाली सिलेंडर रखे पाये गये। चूंकि भरे हुए सिलेंडर सहित गोदाम को सील करना भी सुरक्षा की दृष्टि से ठीक नहीं था, इसलिए सभी भरे हुए सिलेंडर को बाहर निकाल कर एजेंसी के ओबरा में स्थित निर्धारित गोदाम भिजवा दिये गये, जबकि गोदाम परिसर को खाली सिलेंडरों सहित मौके पर एसडीएम के आदेश पर सील कर दिया गया। एसडीएम संजय कुमार ने बताया कि इस गोदाम पर पिछले 6 महीने में तीन बार छापामारी की जा चुकी है, हर बार वहां से सिलेंडर हटवा दिये जाते थे। लिखित हिदायत भी दी गयी, कारण पृच्छा किया गया, अनुज्ञप्ति रद्द करने की चेतावनी भी दी गयी, किंतु संचालक पर कोई प्रभाव नहीं पड़ रहा था। इसलिए मजबूरन जनहित में इस परिसर को सील करने का निर्देश दिया गया है ताकि परिसर का इस खतरनाक कार्य में पुनःप्रयोग न किया जा सके।

मौके पर गैस गोदाम संचालक नहीं मिला, जबकि उसका स्टाफ गुड्डू सिंह उर्फ विकास सिंह मौके पर मिला। स्थानीय लोगों ने बताया कि इस एजेंसी का वास्तविक मालिक यहां कभी नहीं आता है, बल्कि इस एजेंसी संचालक का कोई परिचित रिंकू धर दुबे ही लंबे समय से चला रहा है।

बिना लाइसेंस चल रही पैथोलॉजी को एसडीएम ने कराया बंद

गढ़वा। सदर एसडीएम संजय कुमार ने सोमवार को कांडी भ्रमण के दौरान एक गैर पंजीकृत पैथोलॉजी केंद्र को बंद करवा दिया। दरअसल उनके भ्रमण के दौरान उन्हें एक संदिग्ध पैथोलॉजी सह जांच केंद्र दिखा, जिसकी उन्होंने सरसरी तौर पर जांच की। केजीएन पैथोलॉजी नाम से चल रहे इस जांच केंद्र का जिला स्तर से कोई पंजीकरण नहीं है। इसकी पुष्टि तब हुई जब जांच केंद्र संचालक से कागज मांगे गये, साथ ही सिविल सर्जन गढ़वा से फोन पर बात की गयी। फलस्वरुप एसडीएम में इस पैथोलॉजी केंद्र को अगले आदेश तक बंद करने का निर्देश देते हुए मौके पर ही ताला लगवा दिया और संचालक को निर्देश दिया कि जब तक विधिवत पंजीकरण न हो जाए तब तक इस केंद्र को वे नहीं खोलेंगे, उल्लंघन करने पर उन पर नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई की जायेगी।

एसडीएम ने कांडी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का किया औचक निरीक्षण

गढ़वा। सदर अनुमंडल पदाधिकारी संजय कुमार ने सोमवार को कांडी प्रखंड स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान एसडीएम ने सर्वप्रथम डॉक्टरों की ड्यूटी रोस्टर और उपस्थिति की जांच की। मौके पर ओपीडी में रोस्टर के अनुरूप चिकित्सक अमित कुमार मरीजों का इलाज करते हुये मिले। उन्होंने बताया कि प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी मझिआंव सदर अस्पताल में हैं। इस दौरान एसडीएम ने पाया कि अस्पताल में एंटी वेनम (सर्पदंश की दवा) और रैबीज इंजेक्शन उपलब्ध नहीं थे। एसडीएम ने इसे अस्वीकार्य बताते हुये चिंता व्यक्त की और संबंधित प्रभारी को निर्देशित किया कि अतिशीघ्र एंटी वेनम और रैबीज इंजेक्शन आदि जीवनरक्षक उपायों की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि आपातकालीन स्थितियों में मरीजों को तत्काल उपचार मिल सके।

नेशनल हाइवे के उद्घाटन की तैयारियों को लेकर भाजपा नेताओं किया प्रेस कांफ्रेंस

नितिन गडकरी के आगमन से गढ़वा जिला नयी ऊंचाइयों को छुयेगा : अलखनाथ पांडेय

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। भारत सरकार के सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी के आगामी तीन जुलाई (गुरुवार) को नेशनल हाईवे के उद्घाटन समारोह को लेकर गढ़वा की तैयारियों को लेकर भाजपा नेताओं ने प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित किया। प्रेस कॉन्फ्रेंस भाजपा नेता मुकेश निरंजन सिन्हा के साहिजन मुल्ला स्थित आवास पर जिलाध्यक्ष ठाकुर प्रसाद की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में जिले के वरिष्ठ भाजपा नेता एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। मौके पर बोलते हुए वरिष्ठ भाजपा नेता एवं प्रदेश कार्य समिति सदस्य अलखनाथ पांडेय ने कहा कि सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी का गढ़वा दौरा निश्चित रूप से जिले के लिए ऐतिहासिक दौरा साबित होगा।

उन्होंने कहा कि नितिन गडकरी एक ईमानदार और साफ छवि वाले नेता हैं, जो कहते हैं, वह करते हैं। 2014 से अब तक उनके नेतृत्व में देश ने सड़क निर्माण के क्षेत्र में अद्भुत प्रगति की है और करोड़ों लोगों के जीवन में बदलाव आया है। उनके आगमन से गढ़वा जिला भी विकास की नयी ऊंचाइयों को छुयेगा और क्षेत्र की कनेक्टिविटी एवं आर्थिक प्रगति को एक नई दिशा मिलेगी। अलखनाथ पांडेय ने विशेष रूप से पलामू सांसद विष्णु दयाल राम के योगदान का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि सांसद विष्णु दयाल राम 2014 से लगातार एनएच-75 निर्माण की स्वीकृति और संसाधन उपलब्ध कराने के लिए प्रयासरत रहे। उनके अथक प्रयासों एवं संकल्प का ही परिणाम है कि आज यह नेशनल हाईवे बनकर तैयार है। अब 3 जुलाई को नितिन गडकरी के द्वारा इसका विधिवत उद्घाटन होगा।

जिलाध्यक्ष ठाकुर प्रसाद महतो ने आम जनता से अपील करते हुए कहा कि 3 जुलाई को होने वाले उद्घाटन समारोह में अधिक से अधिक संख्या में लोग शामिल होकर इस ऐतिहासिक क्षण के साक्षी बनें। इस अवसर पर वरिष्ठ भाजपा नेता मुकेश निरंजन सिन्हा ने कहा कि नितिन गडकरी एक सच्चे विकास पुरुष हैं, जिनके नेतृत्व में देश में सड़क निर्माण और बुनियादी ढांचे के विकास ने एक नई ऊंचाई हासिल की है। आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में वरिष्ठ भाजपा नेता ओमप्रकाश तिवारी, भाजपा नेता कन्हैया चौबे, वरिष्ठ भाजपा नेता अरविंद तूफानी, पतंजलि केसरी, अरविंद पांडे, मनोज ठाकुर, सहित अन्य नेता व कार्यकर्ता गण उपस्थित थे।

पांच फरार वारंटी गिरफ्तार

आजाद सिपाही संवापददाता

भवनाथपुर। थाना पुलिस ने समकालीन अभियान के तहत कार्रवाई करते हुए पांच फरार वारंटियों को गिरफ्तार कर किया। थाना प्रभारी के नेतृत्व में यह अभियान क्षेत्र में आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से चलाया गया। गिरफ्तार किये गये सभी वारंटियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मामले दर्ज थे और ये लंबे समय से फरार चल रहे थे। पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर सभी को अलग-अलग स्थानों से पकड़ा। गिरफ्तारी के बाद सभी को आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। जिसमें पकड़े गये लोगों में रामप्रसाद साह, बनारसी साह, तारकेश्वर साह, मोती चंद साह, प्रयाग साह सभी सरइया गांव निवासी है। थाना प्रभारी रजनी रंजन ने बताया कि ऐसे अभियान आगे भी जारी रहेंगे।

लगातार बारिश में गिरा मिट्टी का मकान, परिवार बेघर

आजाद सिपाही संवाददाता

हरिहरपुर। मझिगावां पंचायत के अकढ़हवा टोला में मंगलवार की शाम लगातार बारिश के कारण एक गरीब मजदूर का आशियाना पूरी तरह से ढह गया। भरदुल यादव, पिता रामदेव यादव का खपड़ैल मिट्टी का मकान बारिश की मार नहीं झेल सका और 25 जून 2025 को पूरी तरह ध्वस्त हो गया। गनीमत रही कि हादसे के समय घर में मौजूद भरदुल की पत्नी और बच्चे किसी तरह सुरक्षित बच गये। भरदुल यादव ने बताया कि लगातार हो रही बारिश के बीच शाम को अचानक उनका कच्चा मकान भरभराकर गिर पड़ा, जिससे घर में रखा राशन और अन्य जरूरी सामान कीमती गीली मिट्टी में मिल गया। अब वह प्लास्टिक के तिरपाल के नीचे पत्नी और छोटे-छोटे बच्चों के साथ रहकर किसी तरह रात गुजार रहे हैं। उनके साथ साथ घर में पाले गये पशुओं को भी परेशानी हो रही है। मजदूरी कर परिवार का पेट पालने वाले भरदुल यादव ने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना और अबुआ आवास योजना की सूची में उनका नाम दर्ज था, लेकिन आज तक किसी भी योजना का लाभ नहीं मिल सका। ऐसे में यह सोचने पर विवश कर देता है की पक्के मकानों में रहने वालों को आवास की सुविधा दी जा रही है, जबकि वास्तविक रूप से जरूरतमंदों को नियमों का हवाला देकर दरकिनार कर दिया जाता है। जिससे प्रखंड में व्याप्त भ्रष्टाचार साफ तौर पर झलकती है। मानसून की पहली बारिश ने न सिर्फ भरदुल यादव का घर छीना, बल्कि सरकारी योजनाओं की जमीनी हकीकत भी उजागर कर दी है। अब देखना यह होगा कि प्रशासन भरदुल और उसके जैसे अन्य जरूरतमंदों की सुध कब लेता है।

इस संबंध में कांडी प्रखंड विकास पदाधिकारी राकेश सहाय ने कहा कि यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और हम सभी के लिए बड़े शर्म की बात है कि अब तक ऐसे गरीब लाभुक को आवास नहीं मिल पाया। यदि वह आवश्यक दस्तावेजों के साथ आवेदन करता है, तो हरसंभव मदद दी जायेगी।

कांडी थाना में मुहर्रम को लेकर शांति समिति की बैठक

कांडी (आजाद सिपाही)। आगामी मुहर्रम पर्व को शांति और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने को लेकर सोमवार को कांडी थाना परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित की गयी। बैठक की अध्यक्षता कांडी बीडीओ सह सीओ राकेश सहाय ने की। बैठक में दोनों हिंदू और मुस्लिम समुदाय के प्रतिनिधियों की भागीदारी रही, जिसमें सभी से आपसी समन्वय व भाईचारे के साथ पर्व मनाने की अपील की गयी। इस अवसर पर सीओ राकेश सहाय, सब इंस्पेक्टर अरविंद कुमार सिंह, विद्यासागर प्रसाद, एएसआई अरुण पासवान, मनोज पासवान, रानाडीह पंचायत मुखिया ललित बैठा, मुखिया प्रतिनिधि अरुण राम, इसहाक अंसारी, भाजपा मंडल अध्यक्ष शशिरंजन दुबे, समेत बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक एवं समुदाय के लोग मौजूद थे।

पीएलवी समाजसेवी अमरेंद्र कुमार ने डाउन सिंड्रोम बीमारी से पीड़ित बच्चे का इलाज कराया

रंका (आजाद सिपाही)। जिला विधिक सेवा प्राधिकार, गढ़वा से जुड़े रंका प्रखंड स्थित पंचायत पीएलवी समाजसेवी अमरेंद्र कुमार के द्वारा रंकाकला पंचायत के शिवनाला निवासी गरीब मजदूर अरूण कुमार एवं चंद्रमा कुमारी के पुत्र आरूष कुमार जो डाउन सिंड्रोम नामक बीमारी से पीड़ित था, का इलाज रंका सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में चिकित्सक टीम से करायी गयी। जांचोपरांत इस बच्चे के बारे में प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ असजद अंसारी ने बताया कि इसमें डाउन सिंड्रोम बीमारी जैसी लक्षण हैं। डॉ असजद अंसारी ने कहा कि रंका में इस बीमारी का इलाज फिलहाल नहीं है। उन्होंने कहा कि भंडरिया प्रखंड में कुपोषण मुक्ति केंद्र बनाया गया है जिसमें बच्चों को उनके एक अभिभावक के साथ एक मांह रख कर इलाज और पोषण किया जाता है। पीएलवी समाजसेवी अमरेंद्र कुमार ने बताया कि उनके द्वारा रंका, मानपुर पंचायत में गरीब मजदूरों के लिए हर प्रकार की सेवा, सहयोग और समस्याओं का समाधान करने का काम लगातार जारी है। इस मौके पर डॉ गोरखनाथ पांडेय, डॉ इस्तेयाक अंसारी, डॉ प्रिती सिंह तिवारी, डॉ कृष्ण कुमार सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

फिल्म अभिनेत्री आंचल मुंजाल ने शौकत खान को राष्ट्रीय सम्मान से किया सम्मानित

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। गरीबों की निरंतर सेवा करने वाले शौकत खान को हिन्दी फिल्म और पुष्पा 2 की मशहूर अभिनेत्री आंचल मुंजाल ने आइकॉनिक पर्सनालिटी ऑफ भारत सम्मान 2025 से बिहार की राजधानी पटना में सम्मानित किया गया। बीआईबी के बड़े मंच से आयोजकों ने बताया कि शौकत खान निस्वार्थ सेवा कार्यों से झारखंड के शान कहें जातें हैं। और शौकत खान भारतीय सेना और शहीदों के सम्मान में लगातार दस वर्षों से अधिक समय से राष्ट्रीय तिरंगा सम्मान समारोह के तहत हर घर तिरंगा का अलख जगाते रहते हैं। और अब तक तीन लाख से अधिक नागरिकों को राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा भेंटकर पुरे भारतवर्ष में देशभक्ति का जज्बा आम जनों में जगाते रहते हैं। इसके साथ-साथ शौकत खान गरीबों के लिए भी दस वर्षों से अधिक समय से निःशुल्क कपड़ा बैंक, चावल बैंक, सत्तू बैंक, पुस्तक बैंक का प्रतिदिन सफल संचालन करते आ रहे हैं। इस अनेक निःशुल्क बैंक से प्रत्येक दिन सैकड़ों गरीब असहाय जरूरतमंद लोगों को प्रत्येक दिन मदद मिलती है।

जंगली हाथी ने दो ग्रामीणों को कुचलकर मार डाला

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। जिले के चिनियां थाना क्षेत्र अंतर्गत चिरका गांव में बीती रात जंगली हाथी ने दो ग्रामीणों को कुचलकर मौत के घाट उतार दिया। यह घटना रात लगभग 11 बजे की है, जिससे पूरे गांव में दहशत और मातम का माहौल है। मृतकों की पहचान प्रमिला देवी (40 वर्ष) और सुधीर सोरेंग (35 वर्ष) के रूप में हुई है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, प्रमिला देवी अपने प्रवासी पति से मोबाइल पर बात करने के लिए घर से कुछ दूर निकली थीं। तभी एक जंगली हाथी ने अचानक हमला कर दिया। प्रमिला देवी जान बचाने के लिए भागने लगीं, लेकिन हाथी ने उन्हें लपककर कुचल दिया, जिससे उनकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गयी।

वहीं, पास के घर में सो रहे सुधीर सोरेंग को जब अपने कटहल के पेड़ में हलचल महसूस हुई, तो वे बाहर निकले। वहां पहले से मौजूद हाथी ने उन पर भी हमला कर दिया और कुछ्

हालांकि, चिनिया थाना प्रभारी अमित कुमार पुलिस बल के साथ सुबह ही घटनास्थल पर पहुंच गए और ग्रामीणों को समझाने का प्रयास कर रहे हैं। लेकिन वन विभाग का कोई अधिकारी अब तक नहीं पहुंचा है, जिससे ग्रामीणों का गुस्सा और भी बढ़ गया। बाद में काफी समझने के बाद ग्रामीण शांत हुए। बताते चले कि पिछले छह महीनों में चिरका गांव में हाथियों के हमले में यह पांचवीं मौत है। इससे पहले भी गांव में जंगली हाथियों के हमलों को लेकर गांव वालों ने चिनिया चौक पर जाम लगाकर विरोध किया था, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई।

पूर्व पत्रकार रमेश तिवारी के निधन पर शोक

पूर्व पत्रकार रमेश तिवारी का फाइल फोटो।

भवनाथपुर (आजाद सिपाही)। समाजसेवी, पत्रकार एवं बहुप्रतिभाशाली व्यक्तित्व के धनी रमेश तिवारी (49)का सोमवार की अहले सुबह रांची में हृदयाघात से निधन हो गया। उनके असामयिक निधन की सूचना मिलते ही भवनाथपुर एवं आसपास के क्षेत्रों में शोक की लहर दौड़ गई। रमेश तिवारी अपने मिलनसार स्वभाव और बहुआयामी प्रतिभा के कारण समाज में विशेष पहचान रखते थे। उनके निधन पर प्रखंड के पत्रकार सीताराम पाठक, अरविंद पाठक, दयाशंकर पाठक, प्रदीप चौबे, सुनील कुमार, रवि रंजन यादव, विमलेश कुमार, सुरेश राउत, रमाशंकर मेहता, श्याम विमल, शिव कुमार साह, अयोध्या साह, अजीत कुमार, फुलेंद्र यादव ने दिवंगत की आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा ईश्वर से प्रार्थना की।

पॉक्सो एक्ट मामले में फरार आरोपी के घर पर पुलिस ने चिपकाया इश्तेहार

मेराल (आजाद सिपाही)। थाना पुलिस ने सोमवार को रमुना थाना क्षेत्र के हारादाग खुर्द गांव में पॉक्सो एक्ट के मामले में फरार चल रहे अभियुक्त के घर पर ढोल बाजे के साथ पहुंच कर इश्तेहार चिपकाया। पुलिस अवर निरीक्षक रवि कुमार दलबल के साथ अभियुक्त के घर पर इश्तेहार चिपकाने के साथ घर पर मौजूद परिवार के सदस्यों को कानूनी कार्रवाई की जानकारी भी दी। इधर ढोल बाजे के साथ पहुंची पुलिस को देखकर ग्रामीणों की भीड़ अभियुक्त के दरवाजे पर लग गयी। थाना प्रभारी विष्णु कांत थानाध्यक्ष ने बताया कि चीकू यादव उर्फ निकू यादव पास्को एक्ट का मामला दर्ज होने के बाद से फरार चल रहा है। कोर्ट से आदेश निर्गत होने के बाद उसके घर पर इश्तेहार चिपकाया गया है।

सिदो-कान्हू झारखंड की आत्मा हैं : मुक्तेश्वर पांडेय

आजाद सिपाही संवाददाता

श्रीबंशीधर नगर। विधायक अनंत प्रताप देव के नगर गढ़ स्थित आवास पर सोमवार को हुल दिवस मनाया गया। इस अवसर पर झामुमो के नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने वीर शहीद सिदो-कान्हू की शहादत को याद करते हुये उनके चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम की शुरूआत पारंपरिक रीति-रिवाजों और आदिवासी संस्कृति के सम्मान के साथ की गयी।

इस मौके पर झामुमो के वरिष्ठ नेता मुक्तेश्वर पांडेय ने कहा कि सिद्धू-कान्हू झारखंड की आत्मा हैं। वे न सिर्फ संथाल विद्रोह के महानायक थे, बल्कि उन्होंने आदिवासी समाज को ब्रिटिश शासन के खिलाफ एकजुट होकर आवाज उठाने की प्रेरणा दी। उन्होंने 1855 में अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ विद्रोह कर जल, जंगल और जमीन की रक्षा के लिए जो संघर्ष शुरू किया वह आज भी हमें हक और अधिकार की लड़ाई लड़ने की प्रेरणा देता है।

उन्होंने कहा कि जब आदिवासियों पर जमींदारों, पुलिसकर्मियों और ब्रिटिश सरकार द्वारा अत्याचार किया जा रहा था, उस दौर में सिदो और कान्हू ने अपनी बहनों की कुर्बानी देकर भी हार नहीं मानी। उन्होंने हूल (विद्रोह) का बिगुल फूंका और हजारों आदिवासियों को संगठित कर क्रांति की मशाल जलायी। उनका यह बलिदान इतिहास के पन्नों में स्वर्णाक्षरों में दर्ज है। उन्होंने ने कहा कि झामुमो शुरू से ही शहीदों के सपनों को साकार करने की दिशा में काम कर रही है और झारखंड को एक समृद्ध राज्य बनाने के लिये कटिबद्ध है। मौके पर झामुमो नेता निर्मल पासवान, कामता प्रसाद, प्रखंड अध्यक्ष अमरनाथ पांडेय, पूर्व प्रखंड अध्यक्ष अमर राम, रमेश चंद्रवंशी, प्रदीप राम, मदन सिंह, सूर्यदेव राम, रमना महिला मोर्चा अध्यक्ष रागनी देवी, सीमा देवी, पूजा देवी, पुष्पा देवी, बीडी पांडेय, पप्पू सिंह, दिलेश सिंह सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित थे।

सिदो-कान्हू को दी गयी श्रद्धांजलि

केतार (आजाद सिपाही)। केतार बाजार स्थित बिंदु राम के आवास पर सोमवार को झारखंड मुक्ति मोर्चा के तत्वाधान में हूल दिवस मनाया गया। मौके पर उपस्थित लोगों ने अमर वीर शहीद सिदो कान्हू के चित्र पुष्प चढ़ाकर श्रद्धा सुमन अर्पित किया। वक्ताओं ने कहा कि झारखंड में प्रत्येक वर्ष 30 जून को हूल क्रांति दिवस के रूप में मनाया जाता है। इसी दिन साल 1855 में सिद्धू कान्हू के नेतृत्व में आदिवासियों ने अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ आवाज उठाई थी। इस क्रांति में 20 हजार लोगों ने बलिदान दिया था। झामुमो प्रखंड अध्यक्ष लालेश्वर राम, प्रखंड सचिव छोटन कुमार सिंह, महेंद्र पाल, बिंदु राम, सुरेश कुमार, मदन पटेल, शंभू सिंह, सूर्यनाथ सिंह, राजीव बैठा, श्यामा राम, बालमुकुंद बैद्य, इंतियाज अंसारी, राम बचन राम, नागेंद्र राम सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

बाबू दिनेश सिंह विश्वविद्यालय में हूल दिवस मनाया गया

गढ़वा (आजाद सिपाही)। 30 जून 2025 को हूल दिवस के अवसर पर बाबू दिनेश सिंह विश्वविद्यालय के सम्मेलन सभागार में उन वीर संथाल आदिवासियों जिसमें सिद्दो-कान्हू, चांद-भैरव और फूलो -झानों और अन्य संथाल वीर सेनानियों, जिन्होंने 1857 सिपाही विद्रोह के पूर्व भी 30 जून 1855 को सिद्दो-कान्हू के नेतृत्व में ब्रिटिश हुकूमत और शोषण के खिलाफ तथा अपने जल-जंगल-जमीन के रक्षा के लिए विगूल फूका था और अंग्रेजो से लड़ते-लड़ते वीरगति को प्राप्त हुए कउनके इस त्याग और बलिदान को सोमवार को बाबू दिनेश सिंह विश्वविद्यालय में श्रद्धांजलि दी गयी। इस हूल दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति दिनेश प्रसाद सिंह, कुलपति प्रोफेसर (डॉ) एमके सिंह, कुलसचिव प्रोफेसर (डॉ) अजय भूषण प्रसाद, परीक्षा नियंत्रक डॉ ललन कुमार, प्रवीण कुमार सिंह, राकेश कुमार सिंह, सम्भु राम सहित अन्य कॉलेज एवं विभाग के प्राचार्य, विभागाध्यक्ष एवं शिक्षकों द्वारा पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गयी। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के पदाधिकारी एवं छात्र उपस्थित हुए और उन सपूतों को याद किया गया।

गुलाब इंटरनेशनल स्कूल में शिक्षक धनंजय विश्वकर्मा के निधन पर शोक सभा आयोजित

केतार (आजाद सिपाही)। बलिगढ़ पंचायत के मोटंगवा गांव स्थित गुलाब इंटरनेशनल स्कूल में सोमवार को सरस्वती शिशु विद्या मंदिर के वरिष्ठ शिक्षक धनंजय विश्वकर्मा के आकस्मिक निधन पर शोकसभा का आयोजन किया गया। ज्ञात हो कि बीते शुक्रवार को बलिगढ़ पंचायत के दासीपुर गांव निवासी धनंजय विश्वकर्मा का अचानक निधन हो गया। वे पिछले 15 वर्षों से सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में सेवा दे रहे थे। उनकी आत्मा की शांति के लिए विद्यालय परिसर में दो मिनट का मौन रखा गया, जिसमें सभी शिक्षक, शिक्षिकायें और छात्र-छात्रायें उपस्थित थे।

सड़क हादसे में सेवानिवृत्त शिक्षक की मौत

लोहरदगा (आजाद सिपाही)। शहर के व्यस्तम पावरगंज चौक पर सोमवार सुबह एक दिल दहला देने वाला सड़क हादसा हुआ, जिसमें एक सेवानिवृत्त शिक्षक की मौके पर ही मौत हो गयी। घटना उस समय घटी जब लोग रोजमर्रा की शुरूआत में लगे थे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, चंदन भारती (62 वर्ष), पिता स्व रामबलभ भारती, जो तसर विभाग से सेवानिवृत्त थे एवं गिरिवर शिशु सदन स्कूल के प्रबंधक भी रहे। वे अपने घर से सब्जी लेने के लिए स्कूटी जेएच 08 ई 5693 पर सवार होकर निकले थे। इसी दौरान विपरीत दिशा से आ रही एक तेज रफ्तार बॉक्साइट लोडेड ट्रक ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। हादसा इतना भयावह था कि बाइक सवार चंदन भारती की मौके पर ही मौत हो गयी। ट्रक के नीचे आने से उनका शव बुरी तरह क्षत-विक्षत हो गया। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गयी। स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और ट्रक चालक की तलाश जारी है।

शौर्य और बलिदान की वह परिक्रमा गाथा आज भी रोंगटें खड़े कर देती है: पवन तिग्गा

लोहरदगा (आजाद सिपाही)। सोमवार को लोहरदगा प्रखंड के जोरी पंचायत के ग्राम जोरी में भारतीय जनता पार्टी लोहरदगा का चौपाल आयोजन किया गया। चौपाल का अगुवाई भारतीय जनता पार्टी युवा नेता पवन तिग्गा ने किया चौपाल में पवन तिग्गा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी केंद्र सरकार की 11 वर्ष में 81 करोड़ लोगों को पीएम आवास गरीब कल्याण अन्य योजना के अंतर्गत मुक्त राशन 15 करोड़ घरों को नल से जल कलेक्शन किया गया। पीएम निधि से 68 लाख रेहडी पटरी वाले को लोन दिया गया। स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत 12 करोड लोगों को शौचालय निर्माण किया गया। पीएम आवास योजना से 4 करोड लोगों को मकान निर्माण किया गया। पीएम मुद्र योजना के अंतर्गत 52.02 करोड़ छोटे उद्यमिक लोन दिया गया। हूल दिवस 30 जून 2025 अमर शहीद सिद्धू-कान्हू ,चांद भैरव और फूलों झानो समस्त हजारों वीर शहीदों को हूल जोहार संथाल हूल के महान विभूतियों को भावपूर्ण श्रद्धांजलि 30 जून 1855 को अंग्रेज हुकूमत के बढ़ते शोषण और उत्पीड़ित को विरोध सिद्धू कानू चांद भैरव फूलों झानो के नेतृत्व में तत्कालीन दामिनी ए कोह वर्तमान संथाल परगना के भोगनाडीह गांव से एक संगठित विद्रोह का शंखनाद हुआ था। संथाल विद्रोह में एकजुटता के साथ अंग्रेज शासन के दमनकारी नीतियां के खिलाफ एक स्वर में किया गया। विरोध तथा इस महान संग्राम के तपिश और आक्रोश को हूल कहा गया की सिद्धू कान्हू चांद भैरव फूलों झानो और इस विद्रोह में शहीद हुए साहसिक बलिदानियों को झारखंड वीडियो द्वारा स्मरण करते हुए हर वर्ष 30 जून को हूल दिवस मनाया जाता है। मौके पर उपस्थित कृष्ण सिंह, नंदकिशोर सिंह, उषा उरांव, रोशनी उरांव, पूजा कुमारी, विशेश्वर उरांव, गुडू उरांव, बीना देवी, बोलो उरांव, मनोज उरांव, फूलदेव उरांव, बुध मनिया उरांव, हीरा देवी, भानु देवी, प्रिया देवी, कल्याणी देवी, विमला देवी, आदि कार्यकर्ता उपस्थित थे।

मौसीबाड़ी में भंडारे का प्रसाद खाने उमड़े श्रद्धालु

लोहरदगा (आजाद सिपाही)। शहरी क्षेत्र के अग्रसेन पथ स्थित कुटिया शिव मंदिर प्रांगण मौसीबाड़ी में भगवान श्री जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा जी की भव्य पूजा-अर्चना के साथ प्रतिदिन भंडारे का आयोजन श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के बीच किया जा रहा है। भक्तों की आस्था इस कदर उमड़ी हुई है कि हर दिन दोपहर और शाम को भोग के बाद प्रसाद पाने के लिए लोग कतारबद्ध होकर पहुंचे। मंगलवार को भगवान को कटहल के कोआ, खीर, चावल-दाल, पूड़ी, सब्जी, बूंदिया, और पापड़ सहित विभिन्न व्यंजनों का भोग लगाया गया। भोग के पश्चात पत्तल में प्रसाद वितरण किया गया, जिसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं ने हिस्सा लिया। भंडारे की तैयारी सुबह से ही शुरू हो गई थी। युवा श्रद्धालु सेवा में जुटे दिखे — कोई चावल धो रहा था तो कोई सब्जी काट रहा था। स्थानीय युवाओं द्वारा चूल्हा-चौकी और प्रसाद निर्माण की जिम्मेदारी बखूबी निभायी गयी, जिसमें सेवा का गहरा भाव देखने को मिला। श्रद्धालु पत्तल में प्रसाद ग्रहण कर डस्टबिन में पत्तल डाल पर्यावरण के प्रति जागरूकता भी दिखा रहे थे। आयोजन स्थल पर पुजारी देवनारायण पांडेय, प्रमोद अग्रवाल, संजय अग्रवाल, अजय मित्तल समेत कई अन्य श्रद्धालु व कार्यकर्ता मौजूद रहे। यह आयोजन न सिर्फ धार्मिक भावनाओं को बल्कि सामूहिक सहयोग और समर्पण की भावना को भी प्रकट करता है।

विद्यार्थी इंडियन ऑयल पेट्रोल पंप का जिप अध्यक्ष और पेट्रोलियम मंत्रालय के सदस्य ने किया उद्घाटन

कैरो / लोहरदगा (आजाद सिपाही)। प्रखंड कैरो जिला लोहरदगा के अंतर्गत प्रखंड मुख्यालय के कैरो नयाटोली में 30 जून सोमवार को विद्यार्थी इंडियन ऑयल पेट्रोल पंप का किया गया उद्घाटन। इस अवसर पर मुख्य रूप से जिला परिषद अध्यक्ष लोहरदगा रीना देवी, पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय भारत सरकार के सदस्य रिपूसुदन साहु, सांसद प्रतिनिधि समीद अंसारी, मुखिया वीरेंद्र महली, पंचायत समिति सदस्य मधुलिका रानी, उपमुखिया रवि प्रजापति और गणमान्य लोगों की उपस्थिति में विधिवत रूप से फीता काट कर विद्यार्थी इंडियन ऑयल पेट्रोल पंप का उद्घाटन किया गया। मौके पर पंप के संचालक शरत कुमार विद्यार्थी के द्वारा सर्वप्रथम अतिथियों को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया,विद्यार्थी ने कहा कि लंबे समय से क्षेत्र की जनता को इंडियन ऑयल पेट्रोल पंप की सेवा का इंतजार था, जिसे अतिथियों एवं गणमान्य की उपस्थिति में पंप का विधिवत उद्घाटन करके सेवा क्षेत्र वासियों को समर्पित की जा रही है। उद्घाटन मे मुख्य रूप से उपरोक्त लोगो के अलावा भाजपा प्रखंड अध्यक्ष राजेंद्र महतो, कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष अनीश अहमद खान, जेएमएम प्रखंड अध्यक्ष सज्जाद खान,शिशिर कुमार विद्यार्थी,लखन उरांव, नजीर आलम खान,सुरज मोहन साहु, विशेश्वर प्रसाद दीन,कैलाश महतो, विवेक प्रजापति, जगदीश यादव, वीरेंद्र गोप,रामप्रसाद गोप,सुरेश राम, अमरेंद्र यादव,समीरुद्दीन अंसारी समेत कई लोगों की उपस्थिति रही।

लोहरदगा-रांची मुख्य सड़क पर स्थित शंख पुल जर्जर, दुर्घटनाओं की आशंका

आजाद सिपाही संवाददाता

लोहरदगा। लोहरदगा-रांची मुख्य मार्ग पर स्थित शंख पुल की स्थिति दिनों-दिन खतरनाक होती जा रही है। यह पुल, जो जिले के लिए एक महत्वपूर्ण यातायात संपर्क है, एक बार फिर जर्जर हालत में पहुंच गया है। सड़क के बीचों-बीच बड़े-बड़े गड्ढे बन गये हैं, जिससे हर दिन दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है।

स्थानीय लोगों के अनुसार, यह पुल जब नया बना था, तभी कुछ महीनों के भीतर ही टूट गया था। इसके बाद उसकी मरम्मत की गयी, लेकिन कुछ ही वर्षों में दोबारा उसकी हालत खराब हो गयी है। अभी भी पुल पर जगह-जगह दरारें और गड्ढे दिखाई दे रहे हैं, जिनमें बारिश के पानी का जमाव भी हो रहा है। हैरानी की बात यह है कि इसी मार्ग से जिले के वरीय अधिकारी, जनप्रतिनिधि और नेता प्रतिदिन गुजरते हैं, लेकिन किसी की नजर इस गंभीर समस्या पर नहीं पड़ रही है। क्षेत्र के लोगों का आरोप है कि न केवल सत्ताधारी दल बल्कि विपक्ष के नेता भी इस मुद्दे पर चुप्पी साधे हुए हैं। भारतीय सूचना अधिकार रक्षा मंच, लोहरदगा के जिला सचिव संजय विश्वकर्मा, सनाउल्लाह अंसारी, रियाज अंसारी, खालिद अंसारी, इम्तियाज खान, जागीर अंसारी, इमरान खान, सद्दाम अंसारी और मिनहाज अंसारी सहित अन्य सदस्यों ने पुल की त्वरित मरम्मति की मांग की है। मंच ने प्रशासन से मांग की है कि इस पुल की स्थिति का संज्ञान लेते हुए शीघ्र मरम्मत कार्य शुरू किया जाए, ताकि किसी बड़ी दुर्घटना से पहले लोगों की जान-माल की रक्षा की जा सके।

बेतला पंचायक के कुटमू का कुलही डैम टूटा

बरवाडीह (आजाद सिपाही)। प्रखंड क्षेत्र में लगातार बारिश से जनजीवन पूरी तरह प्रभावित हो गया है। शनिवार को तेज बारिश के कारण बेतला पंचायत के कुटमू गांव स्थित कुलही डैम टूट गया। डैम टूटने से आसपास की नदियों का जलस्तर अचानक बढ़ गया। इसके चलते बरवाडीह रेलखंड की थर्ड लाइन के निर्माण में लगी कंपनी को भारी नुकसान हुआ। निर्माण कार्य मे मौजूद कंपनी के आलोक सिंह नें बताया की डैम का जल स्तर बढ़ने से पुल निर्माण की लाखों की सामग्री बह गई जिसकी जानकारी कम्पनी के अधिकारियो को दे दी गई हैं।ए एम इंफ्राटेक कंपनी के प्रोजेक्ट मैनेजर सुधीर शुक्ला ने बताया कि थर्ड लाइन का काम अंतिम चरण में है। शनिवार को तेज बारिश के बाद डैम टूटने से नदी का पानी तेजी से बहने लगा।

मोबाइल दुकान से चोरी के मामले में तीन युवक गिरफ्तार

सेन्हा/ लोहरदगा (आजाद सिपाही)। सेन्हा थाना क्षेत्र के कल्हेपाट चौक स्थित मोबाइल दुकान से चोरी मामला में तीन नामजद आरोपियों को गिरफ्तार कर भेजा गया। तीनो आरोपियों को गुमला जिला अन्तर्गत घाघरा थाना क्षेत्र से घाघरा पुलिस के सहयोग से सेन्हा पुलिस द्वारा गिरफ्तार किया गया। गौरतलब हो कि कल्हेपाट चौक स्थित एक मोबाइल दुकान से बीते 8 जून 2025 की रात्रि में मोबाइल दुकान के बगल दुकान का एल्वेस्टर तोड़ कर तथा मोबाइल दुकान का भेंटीलेटर तोड़ कर अज्ञात चोरों द्वारा तीन कीमती मोबाइल समेत अन्य समानों का चोरी कर लिया गया था। जिसके आरोप में 9 जून 2025 को सेन्हा थाना कांड संख्या 63/25 दर्ज कर धारा 331(4), 305 भारतीय न्याय संहिता के तहत गुमला जिला अंतर्गत घाघरा थाना क्षेत्र के बराडी निवासी अभय कुमार सिंह, सेरेंगहाग पकरी पाट निवासी मंटु उरांव तथा रन्हे निवासी आशिक महली को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया।

बरवाडीह में हूल दिवस पर संकल्प सभा का आयोजन, याद किये गये सिदो-कान्हू

आजाद सिपाही संवाददाता

बरवाडीह। बरवाडीह प्रखंड मुख्यालय में सोमवार को भाकपा माले और आदिवासी संघर्ष मोर्चा के बैनर तले हूल दिवस मनाया गया। कार्यक्रम की शुरूआत प्रखंड के पुराना ब्लॉक परिसर से माले जिला सचिव कॉ बिरजू राम, माले के प्रखंड सचिव राजेंद्र सिंह, आदिवासी संघर्ष मोर्चा के प्रखंड प्रभारी कृष्णा सिंह के अगुवाई मे हुल दिवस जिंदाबाद, सिद्धू कान्हू, चांद भैरव और फूलो झानों अमर रहे के नारे के साथ जुलूस निकाला गया। जो अंबेडकर चौक,बस स्टैंड बाजार आदि काभ्रमण पुनःपुराना ब्लॉक परिसर पहुंचकर एक सभा में तब्दील हों गया। इसके उपरांत कोरपोरेट लूट बंद करो जल जंगल और जमीन के लिए संघर्ष तेज करो दलित आदिवासी पर दमन करना बंद करो आदि नारा बुलंद करते हुई बरवाडीह बाजार का भर्मण करते हुए पुनः ब्लॉक प्रांगण में सिद्धू कान्हू के प्रतिमा पर सभी सदस्यों ने बारी-बारी से माल्यार्पण और पुष्पाजलि अर्पित कर नमन किया। वही 30 जून 1855 मे अंग्रेजो के खिलाफ लड़ते हुए शहीद होने वाले हजारों आदिवासी योद्धाओ के अरमानो को पूरा करने का संकल्प लिया गया। इस अवसर पर अपनी बात रखते हुए माले जिला सचिव बिरजू राम ने कहा की हुल दिवस अपने आप में ऐतिहासिक दिन है जब अंग्रेज भारत पर शासन कर रहे थे तो उस समय झारखंड संथाल परगना मे अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ जल जंगल और जमीन के लिए,जमीन के टेक्स के खिलाफ सिद्धू कान्हू के अगुवाई मे 30जून 1855 ईस्वी मे भोगनाडीह ग्राम जो वर्तमान मे साहेबगंज जिला में पड़ता है। लगभग पचास हजार आदिवासी योद्धा अपना परंपरागत हथियार के साथ अंग्रेजी सेना के खिलाफ टूट पड़े जिसमे लगभग बिस हजार आदिवासी शहीद हुए और अंग्रेजी सेना को पीछे हटना पड़ा जिसे 30 जून हुल दिवस के रूप मे मनाया जाता है। हुल दिवस संकल्प सभा को माले नेता कमलेश सिंह, सुदामा राम, दुलार सिंह, रमेश कुमार, मंजू देवी, सुनीता मेहरा, लुरुक सिंह, पाणपति देवी, रसोइया संघ के सचिव रीना देवी सहित दर्जनों लोग सम्बोधित करते हुए हुल दिवस के बारे में अपने अपने विचार रखे।

लोहरदगा अंजुमन इस्लामिया ने 17 सदस्यीय सेंट्रल मुहर्रम कमेटी बनायी

आजाद सिपाही संवाददाता

लोहरदगा। आगामी मुहर्रम को लेकर बीते रात अंजुमन इस्लामिया लोहरदगा बोर्ड की बैठक अध्यक्ष अब्दुल रउफ अंसारी की अध्यक्षता में ओल्ड हजरत बाबा दुखन शाह (रअ) मदरसा में की गयी। बैठक में शांति एवं सद्भाव के साथ मुहर्रम मनाने के लिए सर्व सहमति से 17 सदस्यों की एक सेंट्रल मोहर्रम कमेटी बनायी गयी। केंद्रीय मोहर्रम कमेटी का गठन किया गया है, जिसमें मुख्य कंवेनर अंजुमन इस्लामिया के सदर अब्दुल रउफ अंसारी, एवं सचिव शाहिद अहमद बेलू को बनाया गया है। जबकि 5 कंवेनर और 10 सदस्य बनाये गये हैं। पांच कंवेनरों में अंजुम इस्लामिया के ट्रेजरर सैयद फिरोज शाह, नाइब सदर हाजी नईम खान, सैयद आरीफ हुसैन, सहसचिव अल्ताफ कुरैशी, अनवर अंसारी शामिल हैं। जबकि सदस्यों में हाजी सउद आलम, अली रहमान कुरैशी, अब्दुल कादिर, सरवर खान, इरशाद अहमद, मोजम्मिल अंसारी, मो. यासीन कुरैशी, सरफुल अंसारी, सेराज अंसारी और अब्दुल मोहेमिन बबन को बनाया गया है। सेन्ट्रल मुहर्रम कमेटी ने लोहरदगा के सभी लाइसेंसी एवं अवाम को बुलाकर एक विशेष बैठक कर मोहर्रम की दिशा और दशा तय की गयी। बैठक में सेंट्रल मुहर्रम कमेटी द्वारा रूट चार्ट भी जारी कर दी गयी। मीटिंग की अध्यक्षता कर रहे सदर अब्दुल रऊफ अंसारी ने आवाम से अपील करते हुए कहा कि मोहर्रम का जुलूस पुरजोर तरीके से निकाला जाए एवं ज्यादा से ज्यादा संख्या में लोग जुलूस में शामिल हों। मीटिंग में मौजूद अंजुमन इस्लामिया के सेक्रेटरी सैयद शाहिद अहमद बेलू ने कहा कि हर साल की तरह इस साल भी जुलूस बड़े पैमाने पर एवं भव्यता के साथ निकाला जायेगा।

ऑटो ने पीसीआर को मारी टक्कर, चालक समेत तीन घायल

लातेहार (आजाद सिपाही)। लातेहार में सोमवार को सुबह तकरीबन साढ़े दस बजे हुई एक सड़क दुर्घटना मे तीन लोग घायल हो गये। शहर के रेलवे स्टेशन रोड में झूलन पेट्रोल पंप (आश्रम स्कूल) पास एक ऑटो ने पुलिस की पीसीआर वैन को पीछे से धक्का मार दिया। इस दुर्घटना में ऑटो चालक और उसमें सवार दो महिला घायल हो गये। सभी घायलों का सदर अस्पताल में इलाज किया जा रहा है। जानकारी के अनुसार पीसीआर वैन रोज की तरह गश्ती के लिए निकली थी। पेट्रोल पंप के पास पीछे से आ रही एक ऑटो ने पीसीआर को धक्का मार दिया। धक्का मारने के बाद ऑटो सड़क में पलट गयी। घटना के बाद तुरंत पीसीआर मे सवार पुलिस के जवानों ने ऑटो को सीधा कर घायलों को बाहर निकाला और सदर अस्पताल पहुंचाया।

अखिल भारतवर्षीय चंद्रवंशी क्षत्रिय महासभा झारखंड का चुनाव संपन्न

लोहरदगा के किशोर कुमार वर्मा बने प्रदेश अध्यक्ष

आजाद सिपाही संवाददाता

लोहरदगा। अखिल भारतवर्षीय चंद्रवंशी क्षत्रिय महासभा, झारखंड प्रदेश का बहुप्रतीक्षित संवैधानिक चुनाव पूरे लोकतांत्रिक प्रक्रिया के तहत गुप्त मतदान से संपन्न हुआ। प्रदेश भर में दस सेक्टरों में बांटकर चुनाव कराया गया, जिसमें समाज के कार्यकर्ताओं और मतदाताओं की अभूतपूर्व भागीदारी देखी गयी। लोहरदगा के केतकी पैलेस, रांची के पहाड़ी तल्ला स्थित चंद्रवंशी भवन, पलामू क्लब, हजारीबाग, कोडरमा, गोड्डा, रामगढ़, धनबाद सहित अन्य जिलों में मतदान केंद्र स्थापित किये गये थे। पुरुषों के साथ-साथ महिलाओं की भागीदारी भी उल्लेखनीय रही। चुनाव परिणाम की घोषणा राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक आजाद, राष्ट्रीय चुनाव आयुक्त सुरेंद्र सिंह, प्रदेश चुनाव प्रभारी सुबोध कुमार, रांची जिला प्रभारी प्रेम वर्मा द्वारा संयुक्त रूप से की गयी। इसमें लोहरदगा निवासी, राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त सेवानिवृत्त प्रधानाध्यापक किशोर कुमार वर्मा को भारी बहुमत से प्रदेश अध्यक्ष घोषित किया गया। वहीं धनबाद जिला के आकाश चंद्रवंशी को युवा प्रदेश अध्यक्ष पद पर निर्वाचित किया गया। मौके पर अशोक आजाद (राष्ट्रीय अध्यक्ष) ने कहा किशोर वर्मा जैसे सुलझे नेतृत्वकर्ता झारखंड में समाज को संगठित कर मजबूत दिशा देंगे। सुरेंद्र सिंह (राष्ट्रीय चुनाव आयुक्त) ने कहा कि यह लोकतांत्रिक चुनाव झारखंड में समाज के लिए मील का पत्थर साबित होगा। प्रेम वर्मा (रांची जिला प्रभारी) ने कहा कि झारखंड को एक उगता सूरज मिला है, जो समाज को नई ऊंचाइयों पर ले जायेगा। किशोर कुमार वर्मा (नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष) ने कहा कि शिक्षक होने के नाते समाज में शिक्षा और चेतना का संचार करूंगा, युवा पीढ़ी को तैयार करूंगा। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को पुष्पमाला पहनाकर और प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया।

धीरज साहू ने शिबू सोरेन जल्द स्वस्थ होने की कामना की

लोहरदगा (आजाद सिपाही)। पूर्व राज्य सभा सदस्य और कांग्रेस के दिग्गज नेता धीरज प्रसाद साहू ने दिल्ली में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुलाकात की है। इस क्रम में मुख्यमंत्री से शिबू सोरेन के स्वास्थ्य को लेकर धीरज प्रसाद साहू ने जानकारी ली। साथ ही शिबू सोरेन के जल्द स्वस्थ होने की ईश्वर से प्रार्थना भी की। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने धीरज प्रसाद साहू को बताया कि दिशोम गुरु शिबू सोरेन जी के स्वास्थ्य में सुधार हो रहा है। जल्द ही वे स्वास्थ हो कर लौटेंगे। डाक्टर की टीम लगातार उनके स्वास्थ्य की निगरानी कर रही है। उनके स्वास्थ्य में लगातार सुधार हो रहा है। काफी देर तक दोनों नेताओं के बीच मुलाकात हुई। मौके पर धीरज प्रसाद साहू ने कहा कि शिबू सोरेन जी एक सर्वमान्य नेता हैं। सभी लोग उनसे प्रेम करते हैं। झारखंड के लोगों के बीच उनका एक विशिष्ट स्थान है। गुरुजी ने अपना पूरा जीवन झारखंड को दिया है। लोगों का प्रेम और उनकी प्रार्थना से वे जल्द स्वस्थ होंगे। शिबू सोरेन के स्वास्थ्य के साथ-साथ झारखंड के विकास को लेकर भी दोनों नेताओं ने चर्चा की। दोनों नेताओं ने कहा कि सभी मिल कर राज्य को एक विकसित राज्य बनायेंगे। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के साथ मुलाकात के दौरान मंत्री इरफान अंसारी, कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश, विधायक राजेश कच्छप, ममता देवी, सचितानंद चौधरी भी साथ में थे।

मोहर्रम को लेकर शांति समिति की बैठक

लोहरदगा (आजाद सिपाही)। आगामी मोहर्रम पर्व को लेकर शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक पुलिस-प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। इसी क्रम में सदर थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्रामीण इलाकों में शांति समिति की बैठक आयोजित की गयी। बैठक की अध्यक्षता लोहरदगा थाना के पुलिस अधिकारी रमेश तिवारी ने की। इस अवसर पर चौकीदार समसुल अंसारी के साथ-साथ मोहर्रम कमेटी के प्रमुख सदस्यों एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति रही। बैठक में सामाजिक सौहार्द बनाये रखने, धार्मिक आयोजन को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने, डीजे और जुलूस के समय, सुरक्षा व्यवस्था, रूट निर्धारण, और समय सीमा जैसे विषयों पर चर्चा हुई। पुलिस अधिकारी रमेश तिवारी ने सभी से अपील की कि मोहर्रम पर्व के दौरान आपसी भाईचारा बनाए रखें, अफवाहों पर ध्यान न दें, तथा किसी भी प्रकार की समस्या या सूचना तत्काल प्रशासन तक पहुंचाएं। बैठक में उपस्थित लोगों ने प्रशासन को पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन दिया और सौहार्दपूर्ण माहौल में पर्व मनाने का संकल्प लिया। चौकीदार संघ के जिलाध्यक्ष शमशुल अंसारी ने कहा कि इस प्रकार की पहल प्रशासन और आमजन के बीच विश्वास और समन्वय की मिसाल है, जो जिले में शांति और सद्भाव बनाए रखने में अहम भूमिका निभायेगा। बैठक में निजामुद्दीन अंसारी, रुस्तम अंसारी, रफीक अंसारी, रमजान अंसारी, उप मुखिया अशोक उरांव, नयुम अंसारी, किशोर उरांव, हाजी नुसरत, विजय उरांव, हाशिम अंसारी, महावीर उरांव, सदाम अंसारी, हफीजुल अंसारी, नुशरत अंसारी एवं अन्य ग्रामीण उपस्थित थे।

हूल दिवस पर वीर शहीदों को आजसू ने दी श्रद्धांजलि

लातेहार (आजाद सिपाही)। लातेहार में आजसू पार्टी के जिला कार्यालय, लातेहार में हूल दिवस बड़े श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता आजसू पार्टी लातेहार के जिलाध्यक्ष अमित पांडेय ने की। कार्यक्रम की शुरूआत सिद्धो-कान्हो की प्रतिमा पर माल्यार्पण और पुष्पांजलि अर्पित कर की गयी। जिलाध्यक्ष अमित पांडेय ने अपने संबोधन में कहा कि सिद्धो-कान्हो जैसे महान आदिवासी योद्धाओं ने ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ 1855 में जिस साहस और एकता के साथ आंदोलन छेड़ा, वह आज भी प्रेरणास्रोत है। हुल आंदोलन ने देश की आजादी की नींव रखी और हमें अपनी संस्कृति और अधिकारों के लिए लड़ने की प्रेरणा दी। आजसू पार्टी सिद्धो-कान्हो के बलिदान को कभी नहीं भूलेगी और उनके दिखाए रास्ते पर चलते हुए जनहित के मुद्दों पर संघर्ष करती रहेगी। इस मौके पर कार्यकताओं और पदाधिकारियों ने भी अपने विचार रखे और समाज में जनजागरूकता फैलाने का संकल्प लिया। हूल दिवस हमारे इतिहास का वह अध्याय है जो हमें संघर्ष, बलिदान और स्वाभिमान की सीख देता है। आजसू पार्टी ऐसे वीरों को नमन करती है और उनके बताए रास्ते पर समाज के अंतिम व्यक्ति तक न्याय पहुंचाने के लिए कटिबद्ध है। कार्यक्रम में जिला उपाध्यक्ष बिट्टू दास, प्रखंड अध्यक्ष अमर उरांव, प्रखंड सचिव श्याम प्रसाद, सतेंद्र भगत, अंकित कुमार यादव, रवि शंकर शर्मा, पप्पू विश्वकर्मा अख्तर हुसैन आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जल जमाव से श्रम अधीक्षक कार्यालय का रोड बना तालाब

आजाद सिपाही संवाददाता

लातेहार। लातेहार जिले के नगर पंचायत करकट के वार्ड नम्बर एक में स्थित श्रम अधीक्षक कार्यालय जाने वाले मुख्य मार्ग पर भारी जल जमाव से आम लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। लगातार बारिश और जल निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं होने के कारण यह स्थिति बनी हुई है। स्थानीय लोगों ने बताया कि यह समस्या कोई नयी नहीं है। हर साल बारिश के मौसम में यही हाल होता है, लेकिन अब तक प्रशासन की ओर से इस पर कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। सड़क पर जमा पानी के कारण न सिर्फ पैदल चलने वाले लोगों को दिक्कत हो रही है, बल्कि दोपहिया और चारपहिया वाहन चालकों को भी काफी सावधानीपूर्वक गुजरना पड़ रहा है। रोजाना इस रास्ते से दर्जनों छात्र, कर्मचारी और आम नागरिक श्रम अधीक्षक कार्यालय तथा अन्य सरकारी कार्यालयों में जाने के लिए गुजरते हैं। दिलचस्प बात यह है कि बगल में ही आंगनबाड़ी सेवा केंद्र है जिसमें छोटे-छोटे बच्चे पढ़ने आते हैं । एक सरकारी सुलभ शौचालय भी है जिसमें राहगीर एवं श्रम अधीक्षक कार्यालय में आने वाले वहां शौचालय के लिए जाते हैं जल जमाव के कारण कई बार लोग फिसल कर गिर भी चुके हैं, जिससे उन्हें चोटें आई हैं। स्थानीय दुकानदारों और निवासियों ने बताया कि वे कई बार नगर पंचायत कार्यालय में शिकायत कर चुके हैं, लेकिन अब तक कोई स्थायी समाधान नहीं किया गया है। लोगों की मांग है कि सड़क की मरम्मत के साथ-साथ समुचित जल निकासी की व्यवस्था की जाए, ताकि बारिश के मौसम में यह समस्या न हो।

विदेशी-स्वदेशी दुश्मनों के खिलाफ हुआ था हूल विद्रोह : अविनाश देव

मेदिनीनगर (आजाद सिपाही)। हुल दिवस देशी एवं विदेशी शत्रुओं के खिलाफ लड़ा गया युद्ध था। हुल विद्रोह के नायक सिद्धू-कानू, चांद-भैरव एवं फूलों-झांनो के नेतृत्व में अंग्रेजों और महाजनों के खिलाफ 400 गांव के 20 हजार क्रांतिकारी गोलबंद हुए और 30 जून 1855 को भोगनाडीह में क्रांति का बिगुल फूंक दिया।आज हम उन्हीं छह बलिदानी भाई-बहनों को याद कर रहे हैं। इस दौरान अविनाश देव झामुमो जिला कार्यालय पहुंचे और जिला अध्यक्ष के नेतृत्व में तस्वीर के सामने शहीद वेदी पर फूल चढ़ा कर नमन किया। उन्होंने उपस्थित लोगों से शहीदों के सपनों का झारखंड बनाने का संकल्प लिया।

पेडागॉजी प्रतियोगिता में एलसीएमसीएच के विद्यार्थियों ने हासिल किया प्रथम स्थान

विश्रामपुर/पलामू (आजाद सिपाही)। विश्रामपुर के नावाडीह कला स्थित लक्ष्मी चंद्रवंशी मेडिकल कॉलेज के छात्र-छात्राओं ने शिक्षण विधि एवं कौशल पर आधारित पेडागॉजी प्रतियोगिता में परचम लहराते हुए प्रथम स्थान हासिल किया। वहीं चार अन्य छात्र-छात्राओं ने भी पदक जीता। बतातेंच चलें कि जमशेदपुर के टाटा मणिपाल मेडिकल कॉलेज में अंतराष्ट्रीय स्तर की पेडागॉजी एवं क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। जिसमें भारत सहित कई अन्य देशों के मेडिकल कॉलेज के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया था। एलसीएमसीएच एमबीबीएस प्रथम वर्ष के छात्र संदीपनी दीवान ने प्रथम स्थान हासिल कर प्रदेश का नाम रौशन किया। वहीं, प्रतियोगिता में बेहतर प्रस्तुतीकरण के लिये प्रांजल जायसवाल, संचित अग्रवाल, ऐश्वर्या यादव और रिया राज ने भी पदक जीता। एलसीएमसीएच के प्राचार्य डॉ विवेक कश्यप ने बताया कि उक्त प्रतियोगिता में यहां की तीन टीमों ने भाग लिया था। सभी टीमों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्री-फाइनल राउंड तक सफलता भी प्राप्त की, जो इस कॉलेज के लिये गर्व की बात है। बच्चों की यह सफलता उनके प्रतिबद्धता व भविष्य की तैयारी को दशार्ता है। उन्होंने बताया कि कॉलेज के बायोकैमिस्ट्री विभाग की ओर से सभी विजेता छात्र-छात्राओं को सम्मानित भी किया गया। इधर छात्र-छात्राओं की इस अविस्मरणीय सफलता पर चेयरमैन रामचंद्र चंद्रवंशी, कुलाधिपति डॉ ईश्वर सागर चंद्रवंशी, डिप्टी डायरेक्टर अनुराग चंद्रवंशी और विवेक चंद्रवंशी ने खुशी जताते हुए बधाई दी।

169 किसानों को मिला मक्का बीज

हैदरनगर/पलामू (आजाद सिपाही)। हैदरनगर प्रखंड क्षेत्र में मक्का की खेती करने वाले किसानों के लिए राहत भरी खबर है। प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी अमरेश कुमार ने बताया कि अब तक 169 किसानों को मक्का का बीज उपलब्ध करा दिया गया है। कहा कि इस बार विभागीय स्तर से किसानों को समय पर बीज उपलब्ध कराने का पूरा प्रयास किया गया, ताकि किसान बिना किसी बाधा के खेती शुरू कर सकें। एटीम परवीन जहां ने कहा कि हम सभी किसानों के प्रति पूरी संवेदनशीलता के साथ कार्य कर रहे है। बीज वितरण की प्रक्रिया पारदर्शिता के साथ समय से पूरी की जा रही है। उन्होंने कहा कि किसानों की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर निपटाया जा रहा है, ताकि क्षेत्र में कृषि कार्य में कोई रुकावट न आए। इस अवसर पर प्रखंड उप प्रमुख पप्पू पासवान, पंसस गुप्तेश्वर पांडे, समाजसेवी अजय जायसवाल भी उपस्थित थे। उन्होंने प्रखंड प्रशासन के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि अगर इसी तरह समय पर बीज और अन्य कृषि संसाधन किसानों को मिलते रहे तो क्षेत्र में खेती की स्थिति और बेहतर होगी। उप प्रमुख पप्पू पासवान ने कहा कि प्रशासन और किसानों के बीच बेहतर तालमेल जरूरी है। समय पर बीज मिलने से किसानों को आर्थिक रूप से भी राहत मिलेगी और उत्पादन में भी वृद्धि होगी। जबकि पंसस गुप्तेश्वर पांडे ने कहा कि किसानों के हित में जो भी कदम उठाए जाएं, उसमें स्थानीय जनप्रतिनिधि पूरा सहयोग करेंगे। गौरतलब है कि इस बार कई किसान मक्का की खेती मे रुचि दिखा रहे है। ऐसे मे बीज की समय पर आपूर्ति से किसानों मे उत्साह का माहौल है।

छतरपुर को जिला बनाने की मांग को लेकर बैठक

छतरपुर (आजाद सिपाही)। छतरपुर को जिला बनाने की मांग को लेकर आवाज उठनी शुरू हो गयी है। लोगों का मानना है कि छतरपुर जिला बनने की सारी अहर्ताएं पूरी करता है। छतरपुर अनुमंडल को जिला बनाने को लेकर मंत्रियों को ज्ञापन देने और बैठकों का दौर भी शुरू हो गया है। इसी कड़ी में जपला रोड स्थित परी मैरेज हॉल में जिला बनाओ संघर्ष मोर्चा का गठन किया गया। इस दौरान बैठक में सर्वसम्मति से 'छतरपुर जिला बनाओ संघर्ष मोर्चा' के नाम पर लोगों ने अपनी सहमति दी। वहीं, बैठक में हूल दिवस पर शहीदों को नमन कर, पुष्पांजलि अर्पित करते हुए बैठक की शुरूआत की गई। जिसकी अध्यक्षता जिला परिषद समाजसेवी सुदामा पासवान और संचालन सामाजिक कार्यकर्ता अरविंद गुप्ता चुनमून ने किया। बैठक में सर्वसम्मति से 21 सदस्ययी संयोजक मंडल का गठन किया गया। इसमें फंटूस जायसवाल को मंडली का मुख्य संयोजक बनाया गया है। साथ ही दिलीप चौधरी, कविलास मंडल, प्रसिद्ध कुमार, दीपू कुमार गुप्ता, सुदामा पासवान, धनन्जय प्रसाद, सत्येंद्र चौरसिया, विभु सुमन ब्रह्मचारी, अजय राम, अरविंद चुनमून, मित्तल सिंह, रामजन्म राम, फंटूस जायसवाल, अजय यादव, यमुना यादव, शिवकुमार, विनोद ठाकुर, पंचम कुमार, रवि कुमार, अरुण ठाकुर और चंदन कुमार भी शामिल है। इस मौके पर जितेंद्र कुमार, आकाश कुमार सिंह, वीरेंद्र चंद्रवंशी, श्री राम कुमार, राजा गुप्ता, आनंद कुमार यादव आदि उपस्थित थे।

व्यक्ति की संदिग्ध परिस्थिति में हुई मौत, हत्या की आशंका

स्कूल के पास से शव बरामद, जांच में जुटी पुलिस

आजाद सिपाही संवाददाता

मृतक बैकुंठ चौधरी की फाइल फोटो।

हुसैनाबाद। थाना क्षेत्र में 42 वर्षीय एक व्यक्ति की संदिग्ध परिस्थिति में मौत होने का मामला प्रकाश में आया है। मृतक की पहचान बैकुंठ चौधरी के रूप में हुई है। वह हुसैनाबाद नगर पंचायत क्षेत्र के कुर्मी टोला मुहल्ले का रहने वाला था। वह पेशे से प्रखंड आपूर्ति कार्यालय के गोदाम में मजदूरी का काम करता था। हुसैनाबाद पुलिस ने सोमवार की सुबह बड़ेपुर हाइ स्कूल के समीप से उसका शव बरामद किया है। पुलिस ने पोस्टमार्टम करवाने के बाद शव को उसके परिजनों को सौंप दिया है। उधर, मृतक के परिजनों ने हत्या के बाद शव को उक्त स्थल पर फेंकने की आशंका जाहिर की है। वहीं, प्राथमिक पड़ताल में प्रतीय हो रहा कि युवक की गला दबाकर हत्या की गयी है। हालांकि पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के असल कारणों का पता चल सकेगा। जानकारी के अनुसार रविवार की रात आठ बजे वह घर से 100 रुपया लेकर बाहर निकला था। पर देर रात तक घर नहीं लौटने पर सोमवार की सुबह परिजनों ने खोजबीन शुरू की। इस दौरान पता चला कि बड़ेपुर हाइ स्कूल के समीप पुलिस ने एक युवक का शव बरामद किया है। जब उक्त स्थल पर परिजन पहुंचे तो शव बैकुंठ चौधरी का निकला। मृतक की पत्नी और दो बच्चों का रो-रोकर बुरा हाल है। उधर, घटना की सूचना मिलते ही अनुमंडल अस्पताल में लोगों की काफी भीड़ जुट गई। बीडीओ सुनील कुमार वर्मा अनुमंडल अस्पताल पंहुचे और पारिवारिक योजना के तहत तत्काल 20 हजार रुपया का चेक मृतक की पत्नी को दिया। साथ ही, बच्चों के लालन पालन के लिए आवश्यक सहायता राशि कल्याण विभाग से दिलाने का आश्वासन दिया। दूसरी ओर, हुसैनाबाद पुलिस निरीक्षक सह थाना प्रभारी सोनू कुमार चौधरी ने बताया की शव देखने से मामला संदिग्ध लग रहा है, क्योंकि मृतक का जीभ मुंह के बाहर निकला हुआ था। परिजनों के लिखित आवेदन के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जाएगी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के असल कारणों ाक पता चल सकेगा। वहीं, विधायक संजय सिंह यादव ने मृतक के आश्रित परिवार को हर संभव मदद करने का भरोसा दिया है।

प्रखंड स्तरीय मुहर्रम इंतेजामिया कमेटी का गठन, हेसामुद्दीन अंसारी बने सदर

विश्रामपुर/पलामू (आजाद सिपाही)। विश्रामपुर नगर परिषद के दर्जी मुहल्ला में दर्जन भर अल्पसंख्यक गांव के ग्रामीणों की बैठक सोमवार को हुई। जिमें विश्रामपुर, डीहरिया, झगरुआ, उरसुला, पांडेपुर, इस्लामपुर, निमिटाड़ी, कोसियार आदि गांव के लोग शामिल हुई। बैठक की अध्यक्षता समाजसेवी नईमुद्दीन अंसारी एवं संचालन इदरीश हवारी ने किया। इसमें मुहर्रम पर्व को धूमधाम से मनाने और मुहर्रम जुलूस को इसबार भव्य रूप से निकालने का निर्णय लिया गया। जुलूस के सफल आयोजन एवं संचालन के लिए प्रखंड स्तरीय मुहर्रम इंतेजामिया कमेटी का गठन किया गया। सर्वसम्मति से कमेटी के प्रखंड सदर विधायक प्रतिनिधि हेसामुद्दीन अंसारी को बनाया गया। वहीं, डॉ गयासुद्दीन अंसारी को सेकेट्री, मुजीब अंसारी अंसारी को खजांची और नईमुद्दीन अंसारी को सरपरस्त मनोनीत किया गया। जबकि आशिक अंसारी को नायब सदर एवं जसमुद्दीन अंसारी को नायब सेकेट्री बनाया गया है। इसके अलावा 20 लोगों को कमेटी का सक्रिय मेंबर बनाया गया। बैठक में इस्माईल खलीफा, आजम सिद्दीकी, हाजी रेयाज साहब, मजमुद्दीन अंसारी, हफी सलाहुद्दीन, डॉ समीर खलीफा, राजद नगर अध्यक्ष सिराजुद्दीन अंसारी, निवर्तमान वार्ड पार्षद सलीमुद्दीन अंसारी, शमशेर आलम, सदाम हुसैन, इस्लाम अंसारी, अमीन अंसारी, गुलाम नवी अंसारी, इम्तियाज अहमद, रउफ साहब, उस्मान अंसारी आदि मौजूद थे।

लक्ष्य प्राप्ति नहीं होने पर संबंधित कर्मियों पर होगी कार्रवाई: डीडीसी

पांडू में अबुआ आवास योजना के तहत लाभुक को कराया गृह प्रवेश

आजाद सिपाही संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू के डीडीसी जावेद हुसैन सोमवार को पाण्डू प्रखंड पहुंचे। उन्होंने प्रखंड कार्यालय सभागार में मनरेगा एवं ग्रामीण आवास की अद्यतन प्रगति की समीक्षा की। अबुआ आवास योजना के कार्य प्रगति की समीक्षा के दौरान उन्होंने प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय किस्त का भुगतान होने के बाद 60 या उससे अधिक दिनों से लंबित प्लिंथ, लिंटर एवं पूर्ण आवास का जियो टैग अधिक से अधिक संख्या में करने का सख्त निर्देश दिया। लगे हाथ, सभी संबंधित पंचायत सचिव को आवास पूर्णता के लिए लक्ष्य आवंटित किया गया। डीडीसी ने सात दिन में लक्ष्य प्राप्ति नहीं होने पर संबंधित कर्मी के ऊपर कार्रवाई करने की सख्त चेतावनी दी। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के वित्तीय वर्ष 2024 -25 अंतर्गत लंबित स्वीकृति गैप को दो दिनों के अंदर समाप्त करने का भी निर्देश दिया। वहीं प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण 2016-22 अबुआ आवास योजना वित्तीय वर्ष 2023- 24 एवं 2024-25 की गहन समीक्षा की। इसके बाद डीडीसी अबुआ आवास योजना के लाभुकों के घर पहुंचकर आवास पूर्ण करने पर गृह प्रवेश कराया। इस कार्यक्रम से लाभुकों में भी काफी उत्साह का माहौल था।

अधिक से अधिक श्रमिकों को दें रोजगार

वहीं, मनरेगा के समीक्षा के क्रम में डीडीसी ने सभी ग्राम रोजगार सेवक को निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप मानव दिवस सृजन कर अधिक से अधिक श्रमिकों को रोजगार देने का निर्देश दिया। साथ ही एरिया आॅफिस ऐप विजिट का निर्देश दिया। उन्होंने सभी कनीय अभियंता एवं सहायक अभियंता को मनरेगा योजना में कार्यरत श्रमिकों का स्थल निरीक्षण कर फोटो एप्प पर अपलोड करने का निर्देश दिया। जबकि, 2022-23 एवं पूर्व की लंबित योजना टीसीबी एवं मेढ़बंदी की पुरानी योजनाओं को मनरेगा सॉफ्ट में बंद करने का निर्देश दिया। डीडीसी ने सभी ग्राम रोजगार सेवक श्रमिकों का आधार एवं बैंक खाता एक सप्ताह में सुधार कर ई-केवाईसी कराते हुए एफटीओ रिजनरेट करने का भी निर्देश दिया। उन्होंने आंगनबाड़ी की लंबित एक योजना को अविलंब आरंभ करने को कहा। बिरसा हरित ग्राम योजना के तहत पाण्डू प्रखंड क्षेत्र में 85 एकड़ में आम बागवानी का कार्य आरंभ किया गया है जिसके विरुद्ध 75 प्रतिशत क्षेत्रफल में पौधा लगाने के लिए गड्ढा खुदाई का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। डीडीसी शेष 25 प्रतिशत गड्ढा एक सप्ताह में पूर्ण करने का निर्देश दिया। डीडीसी ने क्षेत्र भ्रमण के दौरान संगीता देवी के खेत में आम बागवानी का स्थल निरीक्षण किया। वे बाइक पर सवार होकर एवं गीले आर पर चलकर आम बागवानी पहुंचे और वृहत तरीके से निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिया। उन्होंने बिरसा सिंचाई कूप अंतर्गत जिन कूप में जुडाई का कार्य किया जा रहा है उसे तेज गति से पूरा करने का निर्देश दिया। बैठक में मनरेगा के परियोजना पदाधिकारी, जिला समन्वयक, जिला प्रशिक्षण समन्वयक, बीडीओ, पाण्डू आवास के प्रखण्ड समन्वयक, प्रखण्ड कार्यक्रम पदाधिकारी, पंचायत सचिव और रोजगार सेवक आदि उपस्थित थे।

बाबा बैद्यनाथ की नगरी देवघर से एक अच्छी अनुभूति लेकर जायें : उपायुक्त

आजाद सिपाही संवाददाता

देवघर। डीसी नमन प्रियेश लकड़ा की अध्यक्षता में सोमवार को राजकीय श्रावणी मेला के सफल संचालन एवं बाबा बैद्यनाथ की नगरी देवघर आने वाले आगंतुक श्रद्धालुओं की सुविधा को लेकर अध्यक्ष, सचिव, चेंबर ऑफ कॉमर्स, सभी होटल मालिकों, भोजन, पेड़ा, चुड़ा एवं ईलायचीदाना की उपलब्धता, गुणवत्ता-दर निर्धारण एवं मेला के दौरान निःशुल्क सहायता और सुविधा उपलब्ध कराने वाले संस्थाओं और समितियों के साथ समाहरणालय सभागार में बैठक हुई। इस दौरान डीसी ने श्रावणी मेला के दौरान श्रद्धालुओं को विभिन्न माध्यमों से सहयोग, सहायता और सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में सभी को समन्वय-सहयोग की दिशा में कार्य करने का निर्देश दिया। इस दौरान डीसी को जानकारी दी गयी कि देवघर आने वाले श्रद्धालु बाबा को जलार्पण करने के बाद यहां से प्रसाद के रूप में होटल में आवासन, भोजनालय में भोजन करने, पेड़ा-चूड़ा एवं ईलायचीदाना खरीदकर ले जाते हैं। ऐसे में हम सभी की जिम्मेवारी है कि उन्हें गुणवत्तापूर्ण एवं निर्धारित दर पर खाद्य सामग्री उपलब्ध करवायी जाय। वहीं, डीसी ने सभी खुदरा एवं थोक व्यपारियों को निर्देश दिया कि मेले के दौरान खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता का पूरा ख्याल रखा जाय । खाद्य सामग्रियों पर यूजड बाय डेट लिखा होना अनिवार्य होगा। वैसे दुकानदार जिनका फुड लाईसेंस समाप्त हो गया है। वह अपना नवीकरण कराना सुनिश्चित करेंगे। यदि किसी थोक या खुदरा विक्रेता द्वारा श्रावणी मेला के दौरान श्रद्धालुओं से किसी भी तरह का भोजन, पेड़ा-चुड़ा या ईलायचीदाना का निर्धारित दर से अधिक वसूल किया जाता है, तो ऐसा करने वाले दुकानदारों के विरूद्ध सख्त कार्रवाई की जायेगी। कहा कि मेला क्षेत्र के दुकानों एवं आस-पास कूड़ेदान की व्यवस्था एवं साफ-सफाई का पूरा ध्यान रखा जाय, ताकि स्वच्छ मेला की झलख सभी को दिखे। इस मौके पर नगर आयुक्त रोहित सिन्हा, अपर समाहर्ता हीरा कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी रवि कुमार, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, जिला नजारत उपसमाहर्ता, उत्पाद अधीक्षक, सहायक आयुक्त जीएसटी, जिला खेल पदाधिकारी, अंचलाधिकारी देवघर, फुड सेफ्टी अधिकारी आदि थे।

बाबूलाल मरांडी ने देवघर बाबा मंदिर में की पूजा-अर्चना

देवघर (आजाद सिपाही)। पूर्व मुख्यमंत्री सह भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने सोमवार को देवघर स्थित बाबा बैद्यनाथ धाम मंदिर में विधिवत पूजा-अर्चना की। उनके साथ पूर्व विधायक नारायण दास सहित कई भाजपा नेता भी मौजूद रहे। इस दौरान मंदिर परिसर में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। बाबूलाल मरांडी ने बाबा बैद्यनाथ से झारखंड की खुशहाली और राज्यवासियों की सुख-समृद्धि की कामना की। मंदिर प्रशासन द्वारा पूजा व्यवस्था को व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराया गया।

डीसी ने किया कावड़िया पथ एवं रुटलाइन का निरीक्षण, दिया निर्देश

देवघर (आजाद सिपाही)। राजकीय श्रावणी मेला की तैयारियों को लेकर डीसी नमन प्रियेश लकड़ा ने सोमवार को श्रद्धालुओं की सुरक्षा एवं सुविधा को लेकर मेला क्षेत्र एवं रुटलाइन निरीक्षण किया। इस दौरान बाघमारा बस स्टैंड, बाघमारा टेंट सिटी, कोठिया टेंट सिटी निर्माण स्थल, सरसा, भलुवा, परित्राण, दुम्मा बॉर्डर, कांवरिया पथ का निरीक्षण करते हुए श्रद्धालुओं की सुविधा को लेकर की जाने वाली विभिन्न तैयारियों की वस्तुस्थिति से अवगत हुए। निरीक्षण के क्रम में डीसी ने बाघमारा बस स्टैंड के बाद कोठिया में श्रद्धालुओं के आवासन के लिए बनाए जाने वाले टेंट सिटी में सुविधा-सुरक्षा के साथ हाइजीन, पेयजल और वेंटिलेशन पर विशेष रूप से ध्यान रखने का निर्देश पर्यटन विभाग के अधिकारियों को दिया। साथ टेंट सिटी से शौचालय की निश्चित दूरी के अलावा विद्युत व्यवस्था एवं विद्युत आपूर्ति के अलावा विद्युत संचरण की सुरक्षा को लेकर संबंधित कार्यपालक अभियंता को आवश्यक निर्देश दिया। परित्राण समीप वाहन पड़ाव स्थल पर बेरिकेडिंग, महिला-पुरुषों के लिए अलग-अलग शौचालय, स्नानगृह की व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिया। साथ ही मेला के दौरान स्वास्थ्य कैम्प, साउंड सिस्टम, साफ-सफाई और बैनर-पोस्टर के माध्यम से आवश्यक जानकारी प्रदर्शित करने का निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिया। निरीक्षण के क्रम में डीसी ने कांवरिया पथ दुम्मा बॉर्डर से निरीक्षण करते हुए महीन बालू बिछाव, बिजली के तारों को ऊपर एवं दुरुस्त करने के अलावा चापाकलों के आसपास सफाई और अतिक्रमण हटाने का निर्देश दिया। उन्होंने पूरे कांवरिया रूटलाईन में बालू बिछाव पर विशेष ध्यान देने को कहा, ताकि पैदल आने वाले श्रद्धालुओं को ज्यादा कठिनाईयों का सामना न करना पड़े। उन्होंने कांवरिया पथ में पेयजल आपूर्ति व्यवस्था, शौचालयों की साफ-सफाई के अलावा नलों से निकलने वाले पानी पथों पर जहां-तहां न बहे इसे लेकर कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल को आवश्यक निर्देश दिया।

सामाजिक समरसता, न्याय और समानता की दिशा में निरंतर कार्य करते रहना चाहिए: डीसी

देवघर (आजाद सिपाही)। हूल दिवस पर सोमवार को डीसी सह जिला दंडाधिकारी नमन प्रियेश लकड़ा ने देवघर परिसदन सभागार में अमर शहीद सिदो-कान्हू की तस्वीर पर माल्यर्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि अंग्रेजी हुकूमत के विरुद्ध प्रारंभ हुआ हूल विद्रोह आजादी की जंग का एक अहम अध्याय है, जिसमें आदिवासी वीरों-वीरांगनाओं ने बलिदान देकर राष्ट्रप्रेम की मिसाल कायम की। कहा कि सिदो-कान्हू, चांद-भैरव, फूलो-झानो जैसे असंख्य वीर बलिदानियों के त्याग, साहस और नेतृत्व से प्रेरणा लेकर हमें सामाजिक समरसता, न्याय और समानता की दिशा में निरंतर कार्य करते रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह दिवस हमें याद दिलाती है कि देश की आजादी के लिए हमारे झारखण्ड के असंख्य वीरों ने अपना बलिदान दिया है। इस मौके पर जिला नजारत उपसमाहर्ता शैलेश कुमार, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी राहुल भारती, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी रोहित कुमार विद्यार्थी, डीएमएफटी की टीम एवं संबंधित अधिकारी आदि उपस्थित थे।

हूल दिवस पर सिदो-कान्हू को दी गयी श्रद्धांजलि

देवघर (आजाद सिपाही)। हूल दिवस पर देवघर के जसीडीह प्रखंड स्थित बदलाडीह गांव में श्रद्धांजलि सभा आयोजित हुई। जिसमें संथाल विद्रोह के अमर शहीद सिद्धो-कान्हू मुर्मू को भावभीनी श्रद्धांजलि दी गयी। इसमें समाजसेवी, बुद्धिजीवी, स्थानीय ग्रामीणों और युवा वर्ग ने बड़ी संख्या में भाग लिया। श्रद्धांजलि सभा की अगुवाई समाजसेवी सरोज सिंह और राजेंद्र टुडू ने की। दोनों वक्ताओं ने सिद्धो-कान्हू के ऐतिहासिक संघर्ष और बलिदान को याद करते हुए कहा कि वर्ष 1855 में ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ संथाल जनजाति के इन वीर सपूतों ने जिस प्रकार विद्रोह का बिगुल फूंका था, वह इतिहास के पन्नों में स्वर्ण अक्षरों में दर्ज है। बताया कि यह विद्रोह सिर्फ एक क्षेत्रीय संघर्ष नहीं था, बल्कि आजादी की लड़ाई की एक मजबूत नींव थी, जो बाद में बड़े स्तर पर स्वतंत्रता आंदोलन का हिस्सा बना। समाजसेवी सरोज सिंह ने कहा कि आज के युवा वर्ग को सिद्धो-कान्हू के बलिदान से प्रेरणा लेनी चाहिए और अपने समाज एवं संस्कृति की रक्षा के लिए आगे आना चाहिए। वहीं, राजेंद्र टुडू ने कहा कि हूल दिवस सिर्फ एक तिथि नहीं, बल्कि जनजातीय अस्मिता, स्वाभिमान और बलिदान का प्रतीक है। उन्होंने सरकार से मांग की कि सिद्धो-कान्हू के योगदान को स्कूली पाठ्यक्रम में शामिल किया जाए, ताकि आने वाली पीढ़ी उनके संघर्ष से परिचित हो सके।

मिलजुल कर मोहर्रम पर्व मनाने की अपील

हरिहरगंज/पलामू (आजाद सिपाही)। मोहर्रम पर्व शांतिपूर्ण माहौल में मनाने को लेकर सोमवार को पीपरा थाना परिसर में शांति समिति की बैठक हुई। जिसकी अध्यक्षता थाना प्रभारी विमल कुमार ने किया। इसमें क्षेत्र के कई जनप्रतिनिधियों, प्रबुद्ध लोगों और शांति समिति के सदस्यों ने भी भाग लिया। इस दौरान मोहर्रम पर्व शांतिपूर्ण तरीके से आपसी भाईचारे और सौहार्द के साथ मनाने का संकल्प लिया गया। इससे पहले बैठक में मौजूद शांति समिति के सदस्यों से पर्व के दौरान होने वाली समस्याओं की जानकारी ली गई। साथ ही कई जरूरी प्रशासनिक निर्देश भी दिए गए। थाना प्रभारी ने कहा कि मोहर्रम का पर्व हर हाल में शांतिपूर्ण तरीके से मनाने में सभी को सार्थक योगदान देना आवश्यक है। उन्होंने मोहर्रम इंतजामिया कमेटी को जूलूश निर्धारित मार्गो से ही निकालने का निर्देश दिया। इस मौके पर एसआई नकुल शर्मा, कुलेश्वर महतो, एएसआई मुखदेव चौधरी, संजय मिंज, तसदुक अंसारी, जिला परिषद सदस्य ददन पासवान, झामुमो प्रखंड अध्यक्ष राजन सिंह, उपाध्यक्ष विश्वनाथ राम, मुखिया राजेश राजवंशी कपिलदेव राम, अजमुलाह अंसारी, लालबहादुर सिंह अलीम अंसारी, नौशाद अंसारी, जाहिद अंसारी, जाकिर अंसारी, मुस्लिम अंसारी, आलमगीर अंसारी, पिंटू सिंह, बिरजू राम, विजय राम, नंदलाल ठाकुर, बिंदेश्वर पाठक, अरुण मिश्रा आदि उपस्थित थे।

चोरी की बाइक के साथ पांच गिरफ्तार

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर शनिवार की दोपहर 2:30 बजे गुमला थाना क्षेत्र के संतोषी मंदिर के पास नहर के समीप वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया। अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के नेतृत्व में थाना प्रभारी महेन्द्र कुमार करमाली, पुलिस अवर निरीक्षक उदेश्वर पाल, सहायक अवर निरीक्षक मंगल टुडू और सशस्त्र बल की टीम शामिल रही।

चेकिंग के दौरान एक टीएमएस स्पोर्ट बाइक को रोका गया। चालक से कागजात मांगे गये, लेकिन वह नहीं दिखा सका। बाइक और चालक को टोटो थाना लाकर पूछताछ की गये। चालक ने अपना नाम मुंतजीर अंसारी, उम्र 25 वर्ष, ग्राम पन्सो, थाना गुमला बताया। उसने बताया कि यह बाइक उसने आदम अंसारी से खरीदी थी और पिछले 9-10 महीने से चला रहा था।

थाना रिकॉर्ड खंगालने पर पता चला कि यह बाइक गुमला थाना क्षेत्र से 8 अगस्त 2024 को चोरी हुई थी। बाइक का असली रजिस्ट्रेशन नंबर कुछ और है, लेकिन उस पर फर्जी नंबर लगाया गया था। पूछताछ में मुंतजीर ने बताया कि आदम अंसारी, सुल्तान अंसारी, परवेज खान और अमीर अंसारी मिलकर बाइक चोरी करते हैं। चोरी की बाइक को फर्जी नंबर प्लेट लगाकर ग्रामीण इलाकों में बेचते हैं।

मुंतजीर की निशानदेही पर पुलिस ने चार और बाइक बरामद की। आदम अंसारी के पास से हीरो ग्लैमर, सुल्तान अंसारी के पास से पैशन प्रो परवेज खान के पास से हीरो स्प्लेंडर और अमीर अंसारी के पास से होंडा साइन जब्त की गयी। पुलिस ने पांचों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार युवकों में मुंतजीर अंसारी (25), आदम अंसारी (35), सुल्तान अंसारी (25), परवेज खान (23) और अमीर अंसारी (28)। सभी गुमला जिले के रहने वाले हैं। सोमवार की दोपहर 1 बजे सभी आरोपी को प्रेस वार्ता के बाद जेल भेज दिया गया।

छापेमारी दल में थाना प्रभारी महेन्द्र कुमार करमाली, अवर निरीक्षक उदेश्वर पाल, सहायक अवर निरीक्षक मंगल टुडू, हेमा देवी, विनय कुमार राम और सशस्त्र बल शामिल थे। पुलिस ने सभी बाइक को जब्त कर लिया।

गुरदरी में पानी भरे गड्ढे में डूबने से युवक की मौत

बिशुनपुर (आजाद सिपाही)। प्रखंड के गुरदरी थाना क्षेत्र के अंतर्गत बर पाठ बॉक्साइट माइंस के गड्ढे में भरे पानी में डूबने से 35 वर्षीय मिलरेड असुर नामक युवक की मौत हो गयी। घटना के संबंध में गुरदरी थाना प्रभारी धीरज कुमार सिंह ने बताया कि बरपाठ निवासी मिलरेड असुर शनिवार को अपने घर से निकाला इसके बाद उसका कुछ भी आता पता नहीं चला इधर सोमवार की सुबह ग्रामीणों ने देखा की हिंडालको कंपनी के द्वारा खनन किये गये गड्ढे में पानी भरा हुआ था। जिसमें लाश तैर रहा था। ग्रामीणों के द्वारा घटना की जानकारी परिजनों को दी गयी। जिसके बाद परिजन गुरदरी पुलिस को घटना की सूचना दिया। पुलिस मौके पर शव हो निकाल कर पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए गुमला सदरस्पताल भेज दिया और मामले की छानबीन में पुलिस जुट गयी है।

आदिवासियों के बलिदान का इतिहास है हूल दिवस: छोटेलाल

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला। हूल दिवस आदिवासियों के बलिदान का इतिहास है। जिसने अंग्रेजों की छातियों पर चढ़ कर अपने शौर्य का लोहा मनाया है। उक्त बातें लोहरदगा रोड स्थित विंदेश होटल के सभागार में भारतीय जनता पार्टी एसटी मोर्चा अध्यक्ष छोटेलाल उरांव ने कही। श्री उरांव के नेतृत्व में इस हूल दिवस को मनाया गया। उन्होंने आगे बताया कि आदिवासी इस दिन को अपने संघर्ष और अंग्रेजों के द्वारा मारे गये अपने 20000 लोगों की याद मानते हैं। जनवरी 1856 में जब कल क्रांति समाप्त हुआ तब इस इलाके को समुचित तौर पर संथाल परगना का नाम दिया गया। जिसका मुख्यालय दुमका को बनाया गया। मूल क्रांति के 44 साल बाद वर्ष 1900 में मैक पेरहंस कमेटी ने आदिवासियों की जमीन की सुरक्षा के लिए एक बंदोबस्त अधिनियम बनाया गया। जिसमें यह प्रावधान किया गया कि आदिवासी की जमीन कोई दूसरा आदिवासी ही खरीद सकता है। खरीदने और बेचने वालों के घर एक ही इलाके में होना चाहिए। 1949 में पारित संथाल परगना का अधिकारी अधिनियम में 1900 के बंदोबस्त के नियम को जोड़ा गया है जो आज पूरे देश में लागू है। एसपीटी एक्ट के नाम से इसे जाना जाता है। साथ में सीएनटी एक्ट छोटा नागपुर इलाके में लागू किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से भाजपा जिलाध्यक्ष विनय कुमार लाल उपस्थित रहे एवं सैकड़ों की संख्या में वरिष्ठ पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद थे।

रायडीह में 250 किसानों को मिला लाह की खेती का प्रशिक्षण

आजाद सिपाही संवाददाता

रायडीह। रायडीह वनोत्पादक सहयोग समिति नावागढ़ के अध्यक्ष विनीत लाल और सचिव बिसू सोरेंग के प्रयास से सिद्धकोफेड रांची के द्वारा सुरसांग और जरजटा पंचायत के 250 किसानों को वैज्ञानिक पद्धति से लाह खेती का प्रशिक्षण मेला बगीचा करंजकुर में दिया गया। सभी किसानों के बीच कीटनाशक और फफूंदनाशक दवा और दस दस किसानों के समूह में कुल 25 गटोर स्प्रे मशीन वितरित किया गया। प्रगतिशील किसान देवगोबिंद सिंह को बरसाती अंगवस्त्र एवं श्रृंगार सामग्री देकर समिति के अध्यक्ष विनीत लाल के द्वारा सम्मानित किया गया। चंद्रिका कुमारी, सुरसरीता कुमारी,सावित्री देवी को भी अंगवस्त्र, छाता, टॉर्च एवं श्रृंगार सामग्री देकर सचिव बिसू सोरेंग, मुखिया तारामणि सोरेंग, सहकारिता पदाधिकारी चंदन कुमार बेरा के द्वारा सम्मानित किया गया। लाह वैज्ञानिक एस.बी आजाद ने किसानों को बारीकी से वैज्ञानिक विधि से लाह खेती कर-के अपनी आमदनी बढ़ाने पर सुझाव दिये। प्रखंड में किसान उन्नत लाह की खेती कर प्रखंड का मान सम्मान बढ़ाएं। कार्यक्रम को सफल बनाने में अनुराधा देवी, गीता देवी, सुरेन्द्र प्रसाद गुप्ता, संजय सोरेंग, जीतपति देवी,चंदन कुमार और सभी किसानों का भरपूर सहयोग रहा।

कांग्रेस आंतरिक चुनाव में योग्य नेता को सामने ला रही है : विपिन नेगी

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला। भारतीय युवा कांग्रेस झारखंड में ब्लॉक, विधानसभा, जिला और राज्य स्तर पर सदस्यता और संगठनात्मक चुनाव कराने जा रही है। राहुल गांधी ने युवाओं को नेता चुनो नेता बनो का अवसर दी है। इस चुनाव के माध्यम से भारतीय युवा कांग्रेस देश का ऐसा पहला राजनीतिक संगठन है। जो आंतरिक चुनाव प्रक्रिया के जरिये योग्य नेतृत्व को सामने लाने का कार्य कर रही है। चुनाव पारदर्शिता, निष्पक्ष हो, युवाओं की भागीदारी बढ़े। वरीय नेतृत्व का यह एकमात्र सोच है। चुनाव ब्लॉक, विधानसभा, जिला एवं राज्य स्तर पर कराये जायेंगे। जिनका उद्देश्य युवाओं को लोकतांत्रिक प्रक्रिया के माध्यम से नेतृत्व का अवसर प्रदान करना है। चुनावी प्रक्रिया के माध्यम से ईमानदार, कर्मठ और समर्पित युवाओं को राजनीति की मुख्यधारा में लाना, संगठनात्मक ढांचे को मजबूत करना व राष्ट्र निर्माण में उनकी भागीदारी सुनिश्चित करना राहुल गांधी का सोच है। चुनाव को लेकर सदस्यता व नामंकन की प्रकिया 21 जून से लांच हो चुकी है। नामांकन 28 जून से 3 जुलाई 2025 तक चलेगा। आपत्ति दर्ज कराने की अंतिम 28 जून से 5 जुलाई तक है। नामांकन की अंतिम पुष्टि 9 जुलाई को होगी। उक्त जानकारी चुनाव के पीआरओ विपिन नेगी और युवा कांग्रेस के दक्षिणी छोटानागपुर चुनाव प्रभारी गौरव शर्मा ने दी। वे स्थानीय परिसदन में युवा कांग्रेस के चुनाव में भागीदारी लेने वाले युवा कांग्रेस के साथियों से रूबरू हो रहे थे। उन्होंने कहा कि चुनाव में भाग लेने के लिए आयु 18 से 35 वर्ष तय की गई है। जन्म तिथि 28 जून 1990 से 27 जून 2007 के बीच होनी चाहिए। इंडियन यूथ कांग्रेस की सदस्यता अनिवार्य है। आवेदन और जानकारी के लिए वेबसाइट पर जाना होगा। उन्होंने कहा कि देश में किसी भी राजनीतिक दल ने अब तक अपने किसी संगठन के लिए इस तरह के आंतरिक चुनाव नहीं कराए हैं। यह कदम राहुल गांधी के नेतृत्व में लिया गया। वे कांग्रेस की युवा शाखा और छात्र संगठन एनएसयूआई के प्रभारी रहे हैं। भारत में अब एक नया दौर शुरू हो रहा है। अब नेता नामांकित नहीं होंगे, बल्कि सीधे चुनाव से चुने जाएंगे। यह भारतीय राजनीति में ऐतिहासिक बदलाव है। इससे लोकतंत्र की असली प्रक्रिया सामने आएगी।झारखंड में युवक कांग्रेस के चुनाव सभी स्तरों पर होंगे। पार्टी का उद्देश्य है कि राज्य के हर कोने में संगठन को मजबूत किया जाए। चुनाव प्रक्रिया को निष्पक्ष और पारदर्शी बनाने के लिए युवक कांग्रेस चुनाव प्राधिकरण से अनुरोध किया गया है। इसके लिए जोनल और राज्य स्तर पर रिटर्निंग ऑफिसर्स की टीम बनायी गयी है। चुनाव प्रक्रिया, नामांकन और संगठन में किसी भी पद के लिए चुनाव लड़ने की जानकारी देने के लिए प्रशिक्षण सत्र भी होंगे। इसमें उच्चतम पदों तक पहुंचने का मार्ग भी बताया जाएगा। इस मौके पर जिला अध्यछ चैतू उरांव, महासचिव फिरोज आलम, इकरामुल हक, जिला चैयरमैन सह मीडिया प्रभारी आरिफ हुसैन अख्तर, युवा कांग्रेस अध्यक्ष आजाद अंसारी, निलेश उरांव, जय सिंह, रोहित एक्का बिष्णु बड़ाइक, उज्जवल सिन्हा, साबिर अली, कृष्णा उरांव, ऋषि साहू, सुशील उरांव, शादाब आलम आदि उपस्थित थे।

किसानों को धान की उन्नत खेती का मिला प्रशिक्षण

बिशुनपुर (आजाद सिपाही)। प्रखंड अंतर्गत आयल एवं नेचुरल गैस कॉरपोरेशन लिमिटेड लिमिटेड, नयी दिल्ली द्वारा प्रायोजित सांसदीय संकुल आधारित ग्राम विकास कार्यक्रम अंतर्गत प्रखंड के जनजातीय कृषकों को श्री विधि पद्धति द्वारा धान की उन्नत खेती पर आइएसडीजी रिसर्च फाउंडेशन द्वारा व्यावहारिक प्रशिक्षण सोमवार को दिया गया। प्रशिक्षण में श्री विधि पद्धति द्वारा धान की खेती अंतर्गत बिचड़ा रोपने के विधि और खरपतवार नियंत्रण पर जानकारी दिया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में लगभग 25 जनजातीय महिला किसानों ने बढ़ चढ़ कर भाग लिया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम को संपन्न कराने में आइएसडीजी रिसर्च फाउंडेशन के कार्य करता नीरज गोप तथा अन्य ग्रामीण उपस्थित थे।

घाघरा से अमरनाथ यात्रा का पहला जत्था रवाना

घाघरा (आजाद सिपाही)। घाघरा से अमरनाथ यात्रा का पहला जत्था सोमवार को रवाना हुई। बाबा बफार्नी के दर्शन के लिए लालाहित भोले के भक्तों में खूब उत्साह देखा गया। सबसे पहले जत्था देवाकी स्थित बाबाधाम मंदिर में मत्था टेककर यात्रा प्रारंभ की। जत्था में शामिल नीरज सिंह ने बताया कि 3 जुलाई से प्रारंभ होने वाले यात्रा में सर्वप्रथम बाबा बर्फानी का दर्शन करने के उपरांत माता वैष्णो देवी का दर्शन किया जायेगा। साथ ही खाटू श्याम दर्शन करते हुए अपने घर वापसी का प्लान है। इस जत्था में पप्पू जायसवाल, नीरज सिंह, लव कुमार गुप्ता, कुणाल साहू, लव साहू व कुश साहू के नाम शामिल हैं।

युवक ने साथी मजदूर पर लगाया पिता की हत्या का आरोप

घाघरा (आजाद सिपाही)। गाजीपुर के देवचंदपुर गांव के ईट भट्ठा में खंभिया के मजदूर बालेश्वर गोप की मौत के बाद मृतक के पुत्र सुबोध गोप ने घाघरा थाना में लिखित आवेदन देकर मृतक के साथ में रह रहे महली गोप पर हत्या का आरोप लगाया है। आवेदन में सुबोध ने कहा है कि उसके पिता गाजीपुर जिला के देवचंदपुर गांव में स्थित एसएसबी नामक ईट भट्ठा में कोयला ढोने का काम करते थे। रथ के दिन शुक्रवार को रात 9 बजे बालेश्वर का बात उसकी बेटी शीला देवी से हुई थी। जिसके बाद शनिवार को सुबह 8 बजे जब बेटी के द्वारा बालेश्वर के मोबाइल पर फोन किया गया तो फोन नहीं उठाया। साथ ही सरदार दिलीप गोप जो गुनिया का रहने वाला है उसके द्वारा बताया गया कि बालेश्वर की मौत हो गयी है। जिसके बाद प्राइवेट एंबुलेंस में शव को लेकर आ रहे थे पर बीच रास्ते में सरदार व भट्ठा मालिक एंबुलेंस छोड़कर सिर्फ ड्राइवर खलासी व साथ में रह रहे महली गोप के साथ मृतक को घर लाया गया। तब महली गोप से पूछताछ किया गया कि आप दोनों साथ में रहते थे मेरे पिता का मौत कैसे हुआ आप बताए जिसके बाद महली ने बताया कि मैं गलती से उसको मारा जिससे उसकी मौत हो गयी। जिसके बाद गांव के मुखिया के अलावे ग्रामीणों ने महली को घाघरा थाना में सुपुर्द कर दिया है। इस संबंध में थानेदार पुनीत मिंज से पूछने पर उन्होंने कहा मृतक के परिजनों के द्वारा आवेदन प्राप्त हुआ है उक्त आवेदक को घटनास्थल से संबंधित थाना में भेजा जायेगा और आगे की कार्रवाई की जायेगी।

हूल दिवस पर उत्क्रमित मध्य विद्यालय में सिदो-कान्हू के चित्र पर किया गया माल्यार्पण

आजाद सिपाही संवाददाता

बिशनपुर। हूल दिवस के अवसर पर उत्क्रमित मध्य विद्यालय अंकुरी में एक सभा का आयोजन किया गया। जिसमें चार गांव के 200 ग्रामीण उपस्थित थे। इस अवसर पर सिदो कान्हू के चित्र पर माल्यार्पण किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में विद्यालय के प्रधानाध्यापक बालेश्वर उरांव, गैर विभागीय प्रशिक्षण केंद्र के प्राचार्य पंकज कुमार सिंह, जोसेफ लकड़ा और बुद्धिमान उरांव ने संयुक्त रूप से चित्र पर माल्यार्पण किया। साथ ही उपस्थित ग्रामीणों द्वारा सिद्ध कान्हो के चित्र पर पुष्प अर्पित किया गया। इस सभा का संचालन जीव नंदन महतो द्वारा किया गया। पंकज कुमार सिंह द्वारा सिदो कान्हो के जीवनी एवं हूल दिवस पर प्रकाश डाला गया। बालेश्वर उरांवजी द्वारा सभा को संबोधित किया गया एवं सिदो कान्हो से प्रेरणा लेकर देश के प्रति समर्पित जीवन अपनाने के लिए कहा गया। जोसेफ लकड़ा द्वारा शहीदों की याद में सभी ग्रामीणों को एक-एक पौधा लगाने के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर सभी ग्रामीणों को एक-एक पौधा वितरित किया गया। सभी ग्रामीणों ने संकल्प लिया की शहीदों की याद में इस पौधे को लगाकर संरक्षित करेंगे। इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री कौशल केंद्र के प्रमुख संजय कुमार के अलावे विकास भारती के दीपक कुमार गुप्ता, वीरेंद्र कुमार सिंह एवं अनेकों ग्रामीण उपस्थित रहे। सभा में धन्यवाद ज्ञापन बुद्धिमान उरांव द्वारा धन्यवाद ज्ञापन किया। अंत में सभा का समापन राष्ट्रीय गान से हुआ।

रोजगार सृजन के लिए पूंजी दे सरकार : अखिलेंद्र

गुमला में एआइपीएफ और झारखंड नवनिर्माण दल की संयुक्त बैठक

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला। प्राकृतिक संसाधनों और सार्वजनिक संपदा से भरपूर झारखंड में लोगों की जमा पूंजी का बड़े पैमाने पर पलायन हो रहा है। यहां के लोगों की बैंकों में जमा पूंजी का करीब 50 फीसदी दूसरे प्रदेशों में चला जा रहा है। इस पूंजी के पलायन पर रोक लगनी चाहिए। उक्त बातें गुमला परिसदन में हूल दिवस के अवसर पर आयोजित बैठक में ऑल इंडिया पीपुल्स फ्रंट के संस्थापक सदस्य अखिलेंद्र प्रताप सिंह ने कहीं। उन्होंने आगे कहा कि इस पैसे को झारखंड के नौजवानों व महिला स्वयं सहायता समूहों को न्यूनतम ब्याज दर पर नये उद्योग लगाने व रोजगार सृजन के लिए दिया जाना चाहिए। निश्चित ही यह झारखंड में जारी मजदूरों के पलायन पर भी रोक लगायेंगा और यहां की अर्थव्यवस्था को मजबूत करेगा। बैठक की कार्यवाही शुरू करने के पूर्व हुल आंदोलन के सिद्धू-कान्हू, चंद-भैरव, फूलों-झानो और हुल आंदोलन के नायकों को 1 मिनट का मौन धारण कर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गयी। नॉन बैंकिंग कंपनियों द्वारा जनता की जमा पूंजी की लूट के विरुद्ध जारी आंदोलन को न्यायोचित बताते हुए झारखंड सरकार से तत्काल लोगों का पैसा दिलाने के लिए पहल करने की अपील की गयी। बैठक का संचालन करते हुए झारखंड नवनिर्माण दल के केंद्रीय संयोजक विजय सिंह ने कहा कि झारखंड में रोजगार और सामाजिक अधिकार संवाद अभियान चलाया जायेगा और पांचो प्रमंडल मुख्यालयों पर संवाद कार्यक्रम आयोजित होगा। बैठक की अध्यक्षता करते हुए नवनिर्माण दल की केंद्रीय समिति सदस्य पुष्पा उरांव ने कहा कि आदिवासी समाज की जारी लूट पर लगाम लगाने के लिए पहल तेज की जायेगी। बैठक में सितंबर व अक्टूबर माह में गांव-गांव सघन अभियान चलाकर संगठन को मजबूत करने और नवंबर माह में एआईपीएफ के चौथे राष्ट्रीय सम्मेलन को सफल बनाने की भी रणनीति तैयार की गयी।

स्पोर्ट्स

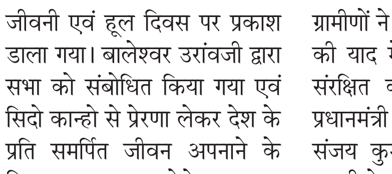

जीत के साथ बायर्न अब सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए शनिवार को अटलांटा में पेरिस सेंट-जर्मेन (पीएसजी) से भिड़ेगा। पीएसजी ने दिन के पहले मुकाबले में इंटर मियामी को 4-0 से हराया था।

फीफा क्लब विश्व कप: बायर्न म्यूनिख ने फ्लेमेंगो को 4-2 से हराया

आजाद सिपाही संवाददाता

मियामी। हैरी केन के दो शानदार गोलों की बदौलत बायर्न म्यूनिख ने फीफा क्लब वर्ल्ड कप के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। रविवार को मियामी के हार्ड रॉक स्टेडियम में खेले गये मुकाबले में बायर्न ने ब्राजील के फ्लेमेंगो को 4-2 से हराया। जर्मन क्लब के लिए लियोन गोरेट्जका ने भी एक गोल किया, जबकि एरिक पुलगार का आत्मघाती गोल टीम के लिए बोनस साबित हुआ। फ्लेमेंगो के लिए गेरसन और जोर्जिन्हो ने गोल किए, लेकिन उनकी कोशिशें टीम को हार से नहीं बचा सकीं। इस जीत के साथ बायर्न अब सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए शनिवार को अटलांटा में पेरिस सेंट-जर्मेन (पीएसजी) से भिड़ेगा। पीएसजी ने दिन के पहले मुकाबले में इंटर मियामी को 4-0 से हराया था।

शुरूआती झटकों से उबरने की कोशिश में फ्लेमेंगो असफल : मैच की शुरूआत में ही बायर्न ने जोरदार आक्रमण किया और छठे मिनट में जोशुआ किमिच के कॉर्नर पर क्लियर करने की कोशिश में एरिक पुलगार ने आत्मघाती गोल कर दिया। इसके कुछ ही मिनट बाद फ्लेमेंगो की रक्षापंक्ति की गलती का फायदा उठाते हुए केन ने लंबी दूरी से पोस्ट से टकराता हुआ शानदार गोल दागा। हालांकि, फ्लेमेंगो ने हार नहीं मानी और कई मौकों पर बायर्न के डिफेंस को चुनौती दी। आखिरकार 31वें मिनट में गेरसन ने 15 गज की दूरी से जोरदार शॉट लगाकर स्कोर 2-1 कर दिया।

लेकिन बायर्न ने तुरंत जवाब दिया। गोरेट्जका ने विरोधी टीम की एक क्लियरेंस को छाती से रोककर 25 गज की दूरी से शानदार गोल कर बायर्न की बढ़त 3-1 कर दी।

दूसरे हाफ में जोर्जिन्हो ने लौटाई उम्मीद, फिर भी हार : दूसरे हाफ में फ्लेमेंगो ने जोरदार वापसी की और मिडफील्ड में नियंत्रण हासिल किया। 55वें मिनट में माइकल ओलिस के हैंडबॉल पर फ्लेमेंगो को पेनल्टी मिली, जिसे जोर्जिन्हो ने गोल में बदला और स्कोर 3-2 कर दिया। लेकिन बायर्न ने एक बार फिर बढ़त कायम कर ली। केन ने फ्लेमेंगो की मिडफील्ड में की गई गलती का फायदा उठाकर किमिच के पास पर चौथा गोल दाग दिया और स्कोर 4-2 कर दिया।

राष्ट्रीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता में झारखंड ओवर ऑल चैंपियन

रांची के खिलाड़ियों ने जीता 13 पदक

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। उत्तराखंड के हरिद्वार में भारतीय ताइक्वांडो महासंघ के तत्वाधान में उत्तराखंड ताइक्वांडो संघ के द्वारा 42 वां राष्ट्रीय जूनियर एवं 39वी सब जूनियर ताइक्वांडो प्रतियोगिता , 2025 का आयोजन किया गया। जिसमें झारखंड टीम ने रांची जिला ताइक्वांडो संघ के महासचिव मिथलेश कुमार सिंह के नेतृत्व में भाग लिया। जिसमें रांची के खिलाड़ी भी शामिल थे। रांची के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 4 गोल्ड, 1 सिल्वर, 8 ब्रॉन्ज मेडल हासिल किया। टीम में रांची की ओर से चंदन कुमार, रमेश गिरी (जेएसएसपीएस) प्रशिक्षक की भूमिका में एवं प्रियल कुमारी निर्णायक की भूमिका में, विवेक दुबे मैनेजर के रूप में टीम के साथ शामिल थे। सभी खिलाड़ियों को पदक जीतने पर रांची जिला ताइक्वांडो संघ के पदाधिकारीगण, प्रशिक्षक और अभिभावकों ने ढेर सारी बधाइयां एवं शुभकामनाएं दिये हैं।

आजाद सिपाही
रांची, मंगलवार, 01 जुलाई, 2025
www.azadsipahi.in

हूल दिवस पर याद किये गये अमर शहीद सिदो-कान्हू, दी गयी श्रद्धांजलि

हूल क्रांति के महान नायकों के त्याग और बलिदान को सदैव याद रखेंगे: राज सिन्हा

आजाद सिपाही संवाददाता

धनबाद। महानगर भाजपा की ओर से सोमवार को अंग्रेजी हुकूमत और जमींदारी प्रथा के खिलाफ पहले आदिवासी जनविद्रोह के प्रतिक हुल दिवस पर हीरापुर डीएस कॉलोनी मोड़ फूलों-झानों चौक एवं बरमसिया पुल सिद्धों-कांहू चौक पर अमर शहीदों को उनके चित्र पर माल्यार्पण कर हूल दिवस मनाया गया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता महानगर अध्यक्ष श्रवण राय ने की। बतातें चलें कि भाजपा विकसित भारत का अमृत काल, सेवा सुशासन गरीब कल्याण-संकल्प से सिद्धि तक मोदी सरकार के 11 गौरवशाली वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष में विगत पांच जून विश्व पर्यावरण दिवस से सोमवार 30 जून हुल दिवस तक लगातार विभिन्न कार्यक्रम आयोजित कर रही है। उसी के निमित्त पूर्व घोषित कार्यक्रम के तहत हुल दिवस मनाया गया एवं संथाल विद्रोह के

अमर शहीद सिदो-कान्हू को श्रद्धांजलि अर्पित करते विधायक राज सिन्हा एवं अन्य।

अमर बलिदानों को याद किया गया। इस अवसर पर धनबाद के विधायक राज सिन्हा ने भाजपा महानगर अध्यक्ष श्रवण राय, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य चंद्रशेखर सिंह, सत्येंद्र कुमार, रमेश राही, संजीव अग्रवाल, कार्यक्रम के प्रभारी जिला उपाध्यक्ष वीरेंद्र हांसदा मानस प्रसून, जिला उपाध्यक्ष विष्णु त्रिपाठी, जिला मंत्री सह मीडिया संयोजक पंकज सिन्हा, अभिमन्यु कुमार, नरेंद्र त्रिवेदी, मंडल अध्यक्षों, कार्यकर्ताओं के साथ डीएस कॉलोनी मोड पर संथाल जनजाति के मुर्मू समुदाय की अमर वीरांगनाएं श्रधेय फूलों-झानों मुर्मू एवं बरमसिया पुल पर सिद्धों-कान्हू चौक पर उनकी तस्वीर पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया गया। विधायक राज सिन्हा ने कहा कि सिद्धों-कान्हू ने ब्रिटिश हुकूमत एवं महाजनी प्रथा के खिलाफ 30 जून 1855 को हुल क्रांति का आगाज किया था। इसमें फूलों-झानो ने भी अहम भूमिका निभाई थी। आज हूल दिवस पर पूरा भाजपा परिवार हुल क्रांति के महान नायकों को नमन करता है। हम सभी उनके त्याग और बलिदान को सदैव याद रखेंगे। हूल दिवस पर सिधो-कान्हू, चांद-भैरव, फूलों-झानो और संथाल विद्रोह के अन्य सभी वीर सेनानियों को हम सच्चे हृदय से श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। हूल दिवस हमें याद दिलाता है कि आजादी की पहली लड़ाई सिर्फ दिल्ली या कोलकाता जैसे बड़े शहरों में नहीं, बल्कि भोगनाडीह जैसे छोटे आदिवासी गांव में भी लड़ी गई थी। सिधो-कान्हू, चांद-भैरव, फूलो- झानो एवं हजारों आदिवासी वीर-वीरांगनाओं के खून ने आजादी को जीवन दिया था। वहीं, भाजपा महानगर अध्यक्ष श्रवण राय ने कहा कि आज से 170 साल पहले हमारे देश पर राज कर रहे अंग्रेजों के खिलाफ आवाज उठाने की ताकत जब किसी में नहीं थी उसे दौर में झारखंड के संथाल की धरती के इन नायकों ने अंग्रेजों के खिलाफ विद्रोह का बिगुल फूंका था। प्रदेश कार्यसमिति सदस्य सत्येंद्र कुमार एवं चंद्रशेखर सिंह ने कहा कि, ब्रिटिश हुकूमत के विरुद्ध उनका संघर्ष एवं गौरव गाथाएं भावी पीढ़ियों को अन्याय के विरुद्ध संघर्ष एवं मातृभूमि की सेवा के लिए सदैव प्रेरित करती रहेगी। वहीं, संजीव अग्रवाल एवं रमेश राही ने कहा कि चुन्नू मुर्मू और सुन्नी हांसदा के घर जन्में सिद्धू कान्हू इनके दो छोटे भाई चांद-भैरव और बहन फूलों झानों की हिम्मत और शौर्य ने संथाल आदिवासियों को अंग्रेजों के खिलाफ उसे दौर में एकजुट किया था। जब लड़ाई के लिए उनके पास सिर्फ तीर-धनुष जैसे पारंपरिक हथियार ही थे। इस मौके पर चंद्रशेखर सिंह, संजीव अग्रवाल, सत्येंद्र कुमार, रमेश राही, कार्यक्रम प्रभारी जिला उपाध्यक्ष वीरेंद्र हांसदा, मानस प्रसून, विष्णु त्रिपाठी, जिला मंत्री सह मीडिया संयोजक पंकज सिन्हा, अभिमन्यु कुमार, नरेंद्र त्रिवेदी, रामजीत भुइयां, मंडल अध्यक्ष राजाराम दत्ता, मनोज मालाकार, भाजपा एसटी मोर्चा के महामंत्री परेश मुर्मू, विजय हांसदा, बच्चा गिरी, अमित मुर्मू, किशोर मंडल, टीपू हांसदा आदि थे।

सुंदरम स्टील कंपनी से स्पंज आयरन की चोरी का पुलिस ने किया उद्भेदन, तीन गिरफ्तार

आजाद सिपाही संवाददाता

बोकारो। बालीडीह थानांतर्गत बालीडीह औद्योगिक क्षेत्र के सुंदरम स्टील कंपनी से स्पंज आयरन की चोरी के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई कर मामले का उद्भेदन किया है। साथ ही तीन लोगों को गिरफ्तार भी किया गया है। उनकी पहचान गोपाल भंडारी (32), मुकेश गोराई (26) और काशीनाथ उर्फ रोहित रवानी के रूप में हुई है। गोपाल पूर्वी टुंडी, जबकि मुकेश पुरुलिया जिले के कोटशिला थाना क्षेत्र के चितमु का रहने वाला है। वहीं, काशीनाथ धनबाद के टुंडी बाजार का रहने वाला है। बतातें चलें कि कंपनी के मालिक अनुराग सिंघानिया की ओर से विगत 28 जून को बालीडीह थाना में दिए गए एक लिखित आवेदन में आरोप लगाया गया कि कंपनी के ही कुछ कर्मचारी लंबे समय से योजनाबद्ध ढंग से स्पंज आयरन की चोरी कर बाजार में बेच रहे हैं, जिससे कंपनी को भारी आर्थिक नुकसान हुआ है। आवेदन के आधार पर थाना में भादवि की धारा 306/351 (2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज करते हुए पुलिस ने जांच शुरू की। इस क्रम में पुलिस ने प्राथमिकी अभियुक्त गोपाल भंडारी और मुकेश रवानी को गिरफ्तार कर लिया है। पूछताछ में दोनों ने अपना अपराध स्वीकार किया है। उन्होंने खुलासा किया कि चोरी की गई स्पंज आयरन को टुंडी, धनबाद स्थित एक कबाड़ी दुकान में छिपाकर रखा गया है। पुलिस ने दोनों अभियुक्तों की निशानदेही पर कार्रवाई करते हुए टुंडी बाजार से चोरी गई 13730 किलोग्राम स्पंज आयरन पिलेट्स बरामद किया। साथ ही, इस गोरखधंधे में शामिल तीसरे आरोपी काशीनाथ उर्फ रोहित रवानी को भी टुंडी बाजार से गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस की मानें तो नवंबर महीने से ही यह गिरोह सक्रिय था। कांटा मशीन ऑपरेटर गोपाल भंडारी की मिलीभगत से ट्रकों में अधिक मात्रा में माल लोड कर उसे कम वजन का दिखाया जाता था। इसके लिए कांटा करते समय वाहन का चक्का आगे बढ़ा दिया जाता था, ताकि स्केल पर कम वजन दिखे। इसके बाद अतिरिक्त माल को टुंडी ले जाकर कबाड़ी दुकानों में बेच दिया जाता था। पुलिस ने इस मामले में दो ट्रक भी जब्त किया है। जिसमें से एक में 75 टन को 67 टन और दूसरे ट्रक में लदे 81 टन को 72 टन बताया गया है। इसके अलावा टुंडी बाजार स्थित काशीनाथ रवानी की कबाड़ी दुकान से 13,730 किलोग्राम स्पंज आयरन पिलेट्स और 20 हजार रुपये नकद जब्त किए गए। आरोपी गोपाल भंडारी के जैनामोड़ स्थित किराए के मकान से 26,540 रुपये, कंपनी का एक मोबाइल फोन और कांटा मशीन की पर्चियां भी बरामद की गईं है। वहीं, कार्रवाई में बालीडीह थाना प्रभारी नवीन कुमार सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने छापामारी की। जिसमें वीरमणि कुमार, शशिकांत ठाकुर, जितेन्द्र यादव, संदीप कुमार, उमेश कुमार सिंह और मरियानुस जोजो शामिल थे।

गतका कोचेस एवं रेफरी सेमिनार का आयोजन विभिन्न जिलों के 35 गतकाबाज हुए सफल

धनबाद (आजाद सिपाही)। भारतीय गतका महासंघ के महासचिव सरदार बलजीन्दर सिंह तुर के नेतृत्व में सोमवार को गतका एशोसियेशन ऑफ झारखंड की ओर से कोचेस एवं रेफरी सेमिनार का आयोजन राजकमल सरस्वती विद्यामंदिर एवं होटल पोद्दार रेजेंसी में किया गया। इसमें झारखंड के 18 जिलों से 60 प्रतिभागी शामिल हुए। सरदार बलजींदर सिंह तुर ने अलग-अलग सत्र में प्रतिभागियों को प्रशिक्षण दिया। सुबह में प्रथम सत्र का आयोजन राजकमल सवि मंदिर स्कूल में हुआ। जहां सभी को शारीरिक प्रशिक्षण के साथ गतका खेल के नये-नये तकनीकों की जानकारी दी गई। जबकि दूसरा सत्र कक्षा-कक्ष में गतका के इतिहास, खेल मैदान, नियम कानून की जानकारी दी गई। तिसरा सत्र प्रतिभागियों को गतका का अभ्यास एवं निर्णाय देने की बारीकियों को बताया गया। संध्याकाल में समापन समारोह का

आयोजन होटल पोद्दार रिजेंसी में किया गया। जहां कई राष्ट्रीय पदक विजेताओं ने गतका का शानदार प्रदर्शन किया। इसके बाद श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वालों को राष्ट्रीय महासचिव के साथ गतका एशोसियेशन ऑफ झारखंड के अध्यक्ष केशव कुमार हारोदिया, सचिव विद्या, धनबाद गतका संघ के अध्यक्ष बसंत हेलीवाल, सचिव रोहित प्रसाद, समाजसेवी प्रवीण अग्रवाल, वेद केजरीवाल, प्रदीप अग्रवाल, राहुल सिंघानिया, चेतन तुल्सयान ने प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया। बलजींदर सिंह तुर को धनबाद, पलामू एवं झारखण्ड गतका संघ की ओर से भगवान बिरसा मुंडा एवं गौतम बुद्ध की मूर्ति, स्थानीय कलाकार द्वारा बनाई पेंटिंग देकर सम्मानित किया गया। वहीं, सेमिनार मे सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले 10 जिला के प्रशिक्षक सोमनाथ चौहान, प्रेम बाउरी धनबाद, उपेन्द्र अग्रवाल हजारीबाग, विकास केशरी चतरा, अमित सिंह लोहरदग्गा, अजय कांत गढवा, दिलीप कुमार कोडरमा, वीरेंद्र वर्मा रांची, राजीव कुमार सिंह बोकारो, संजय रजवार रामगढ, अमरेश मेहता पलामू शामिल हैं। दो दिवसीय राष्ट्रीय महासचिव के दौरे में धनबाद के बच्चों को निःशुल्क प्रशिक्षण एवं कोचेस रेफरी सेमिनार को सफल बनाने में सुदीप चक्रवर्ती, राहुल शर्मा और विनायक वैभव का योगदान सराहनीय रहा।

बिजली समस्या को लेकर ग्रामीणों और बीसीसीएल कर्मियों में संघर्ष

कतरास (आजाद सिपाही)। बिजली की समस्या को लेकर वेस्टमुडीडीह के स्थानीय ग्रामीणों ने अंगार पथरा स्थित कांटा पहाड़ी सब स्टेशन पहुंचकर जमकर बवाल कांटा। इस दौरान बीसीसीएल कर्मियों और ग्रामीणों के बीच मारपीट भी होने की सूचना है। हालांकि तुरंत सीआईएसएफ जवान मौके पर पहुंचकर दोनों पक्षों को शांत करवा दिये। वहीं, घटना के बाद बीसीसीएल एरिया 4 के अभियंता रीतेश सिंह ने अपने वरीय अधिकारियों को घटना की सूचना दी और गजली टांड थाना पहुंचकर वेस्टमुडीडीह के 20-25 लोगों के खिलाफ नाजायज मजमा लगाकर सरकारी कार्य में बाधा पहुंचाने, बिजली काटने और मारपीट कर घायल करने का लिखित शिकायत दर्ज करवायी है। वहीं, दूसरे पक्ष के स्थानीय संगीत सिंह ने तेतुलमारी थाना पहुंचकर अभियंता के खिलाफ टेलिफोनिक धमकी देने और दुर्व्यावहार करने का आरोप लगाया। मौके पर संगीत सिंह, सुनील सिंह, बिट्टू सिंह, बिट्टू ठाकुर, रौशन रजक आदि मौजूद थे।

बीएसएल में 319 अधिकारियों को मिली पदोन्नति

बोकारो (आजाद सिपाही)। स्टील प्लांट में कार्यरत कुल 319 अधिकारियों को पदोन्नति दी गयी है। इसमें कुल 70 सहायक प्रबंधक को उप प्रबंधक, 20 उप प्रबंधक को प्रबंधक, 95 प्रबंधक को वरीय प्रबंधक और 49 वरीय प्रबंधक को सहायक महाप्रबंधक के पद पर पदोन्नत किया गया है। इसके अलावा विभिन्न विभागों में कार्यरत कुल 53 सहायक महाप्रबंधक, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा विभाग के 10 चिकित्सा पदाधिकारी को उप महाप्रबंधक और समकक्ष पदों पर पदोन्नति प्रदान की गई है। जबकि नौ अधिकारियों को पदोन्नति के साथ ही सेल की अन्य इकाइयों जैसे राउरकेला, भिलाई, बर्नपुर, मेघाहातुबुरु एवं गुवा माइंस में स्थानांतरित भी किया गया है। इसके अलावा, कुल 18 उप महाप्रबंधक को महाप्रबंधक के पद पर पदोन्नत किया गया है। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं विभाग में चार चिकित्सकों को इ6 से ई7 ग्रेड में पदोन्नति दी गयी है। बीएसएल प्रबंधन ने सभी पदोन्नत अधिकारियों को बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की और विश्वास जताया कि वे अपने नवीन दायित्वों का निर्वहन पूरी निष्ठा, कर्मठता और उत्तरदायित्व के साथ करते हुए संयंत्र की उत्पादन क्षमता, गुणवत्ता मानकों और संचालन कुशलता को नए आयाम प्रदान करेंगे।

बोकारो स्टील प्लांट से सेवानिवृत्त कर्मचारियों को दी गयी विदाई

बोकारो स्टील प्लांट से जून महीने में सेवानिवृत होने वाले कर्मियों के लिए मानव संसाधन के ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग के मेन ऑडिटोरियम में विदाई समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में अधिशासी निदेशक (मानव संसाधन) राजश्री बनर्जी और मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन) एके सरन उपस्थित रहे। इस अवसर पर सहायक प्रबंधक (मानव संसाधन) सोनाली गुप्ता ने सेवानिवृत हो रहे कर्मियों को अंतिम निपटारा एवं मैत्री भवन से संबंधित जानकारी दी। प्रत्येक सेवानिवृत्त कर्मी का संक्षिप्त बायोडाटा प्रस्तुत किया। जबकि अधिशासी निदेशक (मानव संसाधन) राजश्री बनर्जी ने सेवानिवृत्त हो रहे सभी कर्मियों को उनके निष्ठापूर्ण सेवा के लिए बधाई देते हुए उनके सुखद एवं समृद्ध भविष्य की कामना की। बतातें चलें कि जून '2025 में बोकारो स्टील प्लांट से कुल आठ अधिशासी एवं 19 अनाधिशासी कर्मी सेवानिवृत्त हो रहे हैं। कार्यक्रम का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन सहायक प्रबंधक (मानव संसाधन) सोनाली गुप्ता की ओर से किया गया।

डाक सेवा की गाड़ी से दर्जनों पेटी विदेशी शराब जब्त, चालक गिरफ्तार

बोकारो (आजाद सिपाही)। बालीडीह पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर छापामारी कर डाक सेवा की गाड़ी से भारी मात्रा में विदेशी शराब बरामद किया है जिसे बिहार ले जाकर खपाने की योजना थी। जानकारी के अनुसार बालीडीह थाना क्षेत्र में रविवार की देर रात पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर छापामारी कर डाक सेवा की एक गाड़ी को रोकने की कोशिश की। हालांकि पुलिस को देखकर चालक गाड़ी को तेजी से भगाने लगा। जब पुलिस ने उसका पीछा किया तो वाहन अनियंत्रित होकर पलट गया। इसके बाद उसकी तलाशी लेने पर दर्जनों पेटी विदेशी शराब बरामद हुआ।

पुलिस ने वाहन को जब्त कर चालक को मौके से गिरफ्तार कर लिया है। इस बाबत थाना प्रभारी ने बताया कि शराब की खेप को बड़ी चालाकी से डाक सेवा के वाहन में छिपाकर ले जाया जा रहा था, ताकि किसी को शक ना हो। बताया कि तस्करी के नेटवर्क के बारे में जांच कर और भी जानकारी जुटाई जाएगी। सूत्रों के अनुसार गाड़ी में लगभग 80 पेटी शराब थी।

इटावा में जातिगत उत्पीड़न के खिलाफ संयुक्त मोर्चा का प्रदर्शन

धनबाद (आजाद सिपाही)। अखिल भारतीय ओबीसी, एससी, एसटी एवं माइनॉरिटी संयुक्त मोर्चा के बैनर तले सोमवार को रणधीर वर्मा चौक पर धरना प्रदर्शन किया गया। जिसका नेतृत्व मोर्चा के प्रदेश महासचिव गोपाल यादव ने किया। प्रदर्शनकारियों ने उत्तर प्रदेश के इटावा जनपद अंतर्गत बकेवर थाना क्षेत्र के दांदरपुर गांव में कथित जातिगत भेदभाव और अत्याचार की घटना पर आक्रोश व्यक्त किया। मामला उस वक्त सामने आया जब दांदरपुर गांव में भागवत कथा का आयोजन चल रहा था। कथित तौर पर इसी दौरान कुछ स्थानीय दबंगों ने कथा वाचक से उनकी जाति पूछी। इसके बाद कुछ लोगों ने न केवल अपशब्द कहे बल्कि मारपीट भी की। इस घटना की कड़ी निंदा करते हुए संयुक्त मोर्चा ने दोषियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की। संयुक्त मोर्चा ने चेतावनी दी है कि यदि प्रशासन जल्द कार्रवाई नहीं करता है तो उग्र आंदोलन छेड़ा जाएगा। साथ ही निर्दोष लोगों की तत्काल रिहाई और दोषियों पर कार्रवाई कर जेल भेजने की मांग की गई है।

हूल दिवस पर याद किये गये अमर शहीद सिदो कान्हू, चांद भैरव

बोकारो (आजाद सिपाही)। हूल दिवस पर अमर शहीद सिदो कान्हू, चांद भैरव और फूलों-झानो के जन्म स्थान से लाई गई पवित्र मिट्टी का पूजन सोमवार को बोकारो स्थित पर्यावरण मित्र आश्रम में किया गया। इस मौके पर अमर शहीदों को पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई। संस्थान का एक प्रतिनिधिमंडल महासचिव शशि भूषण ओझा 'मुकुल' के नेतृत्व में साहिबगंज जिला के बरहेट प्रखंड स्थित भोगनाडीह गांव गया था और वहां से इन शहीदों के घर जाकर उनके जन्म स्थल की पवन मिट्टी परिजनों से प्राप्त कर बोकारो लाया है। शशि भूषण ओझा ने बताया कि 1855 ईस्वी में संथाल परगना केभोगनाडीह में सिदो-कान्हू और चांद-भैरव (चारों भाइयों) एवं उनकी दोनों बहनों फूलों-झानो ने मिलकर 40 हजार क्रांतिकारियों को साथ लेकर अंग्रेजों के विरुद्ध विद्रोह किया था।

धनबाद में फरार गैंगस्टर के भाई पर कार्रवाई

प्रिंस खान के भाई ऋतिक के घर पुलिस ने की कुर्की-जब्ती

- न्यायालय में समर्पण के लिए दिया गया था समय
- फरार और घोषित अपराधियों को बख्शा नहीं जायेगा: पुलिस

आजाद सिपाही संवाददाता

धनबाद। वासेपुर में फरार गैंगस्टर प्रिंस खान के भाई ऋतिक खान के घर पुलिस ने सोमवार को कुर्की-जब्ती की कार्रवाई की। भूली ओपी पुलिस की टीम ने कमर मुखदमी रोड स्थित ऋतिक के मकान में यह कार्रवाई की। ऋतिक खान पर वर्ष 2019 में आर्म्स एक्ट के तहत दो मामले दर्ज हैं। उस पर अवैध हथियार रखने और गैंग की आपराधिक गतिविधियों में शामिल होने के आरोप हैं। फरार रहने के

कारण उसे भगोड़ा घोषित किया गया था। पुलिस ने पहले ऋतिक के घर पर कुर्की की नोटिस चिपकाई थी। न्यायालय में समर्पण के लिए समय दिया गया था। आरोपी की गिरफ्तारी नहीं होने पर कोर्ट के आदेश से यह कार्रवाई की गई। पुलिस ने मकान से फर्नीचर, इलेक्ट्रॉनिक सामान, दस्तावेज और अन्य घरेलू वस्तुएं जब्त की। इस दौरान स्थानीय लोगों की भीड़ जमा हो गई। पुलिस ने शांतिपूर्वक ऑपरेशन पूरा किया। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि फरार और घोषित अपराधियों को बख्शा नहीं जाएगा। यह कार्रवाई वासेपुर क्षेत्र में सक्रिय अपराधियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का संकेत है।

चौक-चौराहों पर अड्डेबाजी पर अंकुश लगाने की अपील

विश्रामपुर/पलामू (आजाद सिपाही)। विश्रामपुर प्रखंड कांग्रेस अध्यक्ष सह विश्रामपुर बीस सूत्री उपाध्यक्ष रविंद्र कुमार उर्फ गुड्डू शुक्ला ने रेहला थाना प्रभारी गुलशन बिरुआ और विश्रामपुर थाना प्रभारी ऋषिकेश दुबे से सोमवार को शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान थाना प्रभारियों के साथ बैठक कर दोनों थाना क्षेत्रों में शांति व्यवस्था को लेकर चर्चा की। साथ ही चौक चौराहों पर हो रहे अड्डाबाजी पर अंकुश लगाने की अपील की। रविंद्र कुमार शुक्ला ने दोनों थाना प्रभारी से रात्रि गश्ती बढाने पर ज्यादा बल दिया, ताकि ट्रेन या बस से सफर कर रहे यात्रियों को लाभ हो। मौके पर मृत्युंजय चौबे मौजूद थे।

बरनवाल युवा मंच की ओर से रक्तदान शिविर आयोजित, 20 यूनिट रक्त संग्रह

धनबाद (आजाद सिपाही)। बरनवाल युवा मंच की ओर से अध्यक्ष मनोज कुमार बरनवाल के वैवाहिक वर्षगाठ पर सोमवार को रक्तदान शिविर का

आयोजन किया गया। महाराजा अहिबरन जी की तस्वीर पर माल्यार्पण कर बसंत प्रसाद बरनवाल, डॉ वीरेंद्र कुमार बरनवाल, समरेंद्र नारायण प्रसाद, मनोज कुमार बरनवाल अध्यक्ष बरनवाल युवा मंच धनबाद की ओर से कार्यकर्म की शुरूआत की गयी। अध्यक्ष मनोज बरनवाल ने बताया कि रक्तदान शिविर संस्था का यह 12वां शिविर है। इस दिन 20 यूनिट रक्त संग्रह किया गया, जिसे एसजेएएस ब्लड बैंक को दिया गया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में युवा मंच के सचिव सुनील बरनवाल,डॉ.बीरेंद्र बरनवाल, डॉ.रीना बरनवाल, सुमित बरनवाल, मयंक कुमार, अमित कुमार, नागेंद्र बरनवाल, ललन बरनवाल, अतुल बरनवाल, चंद्र भूषण बरनवाल, अभिषेक बरनवाल, महेश बरनवाल, अमित बरनवाल, राजकिशोर बरनवाल, बिपिन बरनवाल, आनंद बरनवाल एवं मनोज कुमार बरनवाल के अलावा पूरे सावित्री सेर्जिकेयर मेटरनिटी सेंटर एंड हॉस्पिटल के सभी स्टाफ, बयूमं महिला समिति धनबाद की सुनीता बरनवाल, रजनी बरनवाल, प्रतिभा कुमारी, कंचन बरनवाल, रूबी बरनवाल, डॉ रीना बरनवाल और सुषमा बरनवाल आदि का सराहनीय योगदान रहा।

शिव प्रिया उद्योग हादसे में झुलसे श्रमिक की मौत, परिजनों को मिला मुआवजा

बोकारो (आजाद सिपाही)। बालीडीह बियाडा स्थित शिवप्रिया इस्पात उद्योग के फर्नेस में रविवार को हुए विस्फोट में गंभीर रूप से झुलसे श्रमिक अखिल कुमार कुमार का बीजीएच में इलाज के दौरान मौत हो गई। इसकी सूचना पाकर जिला प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मृतक के परिजनों को राहत राशि प्रदान की। श्रम अधीक्षक रंजीत कुमार और बालीडीह थाना प्रभारी की निगरानी में वर्कमैन कंपनसेशन एक्ट के तहत 15 लाख मुआवजा राशि एवं 50 हजार रुपये अंतिम संस्कार सहायता राशि मृतक के परिजनों को सौंप दी गई। वहीं, घटना पर डीसी अजय नाथ झा ने दुःख जताया। कहा कि जिला प्रशासन पीड़ित परिवार के साथ खड़ा है और हर संभव सहायता प्रदान की जाएगी। बतातें चलें कि रविवार की सुबह फैक्ट्री के फर्निश में हुए विस्फोट से दो श्रमिक लखन टुडू और अखिल कुमार बुरी तरह झुलस गए थे । जिन्हें गंभीरावस्था में बोकारो जेनरल अस्पताल में भर्ती कराया गया था। डीसी ने भी अस्पताल जाकर उनका हालचाल लिया था।

Media Marketing Initiative

नेशनल डॉक्टर्स डे

HAPPY Doctors Day

डॉक्टरों के अमुल्य योगदान को दिल से नमन !

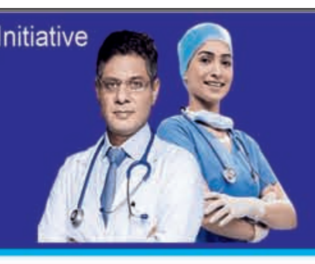

ई.एन.टी. स्पेशियलिस्ट

डॉ समित लाल
MBBS, MS, (ENT)
Formerly Registrar, Jaslok Hospital, Mumbai
Formerly Asst. Prof. K.J. Somaiya Medical College, Mumbai
Formerly Secretary AOICON 2022
Secretary AOI Bihar -Jharkhand
डॉ. लाल अस्पताल एवं रिसर्च सेन्टर
Near Kadru Over Bridge,Kadru, Ranchi -2
Mob.: 7061117676, 7707005676

किडनी रोग विशेषज्ञ

डॉ. अशोक कुमार बैद्य
MD; DNB (NEPH) MNAMS
Senior Consultant Nephrologist
सावित्री देवी मेमोरियल चैरिटेबल ट्रस्ट
नेफ्रोन किडनी केयर क्लिनिक
Ranchi -Mob.: 8102409980

न्यूरोसाइकेट्रिस्ट, बिहेवियर साइंस स्पेशलिस्ट एवं नशा मुक्ति विशेषज्ञ

डॉ. पवन कुमार बर्णवाल
MD (Psychiatry) BHU
Ex-Chief Registrar, PGI (Chandigarh)
न्यूरोसाइकेट्री एवं नशा मुक्ति केंद्र
फर्स्ट मार्क स्कूल के सामने, फाइरिंग रेंज के निकट, बरियातू, रांची
फोन : 7765912428, 0651-2540218
Visit: https://drpawanbarnwal.com

ई.एन.टी. एंड स्कल बेस एंड हेड एंड नेक सर्जन

डॉ. अभिषेक कु. रामाधीन
MBBS (KEM), MD (USA), MS (ENT), FARS (USA), FIANO (ITLAY), MRCSI (UK)
Ex Clinical Associate Tuft School Of Medicine Boston, Massachusetts, USA
EAR, NOSE, THROAT & SKULL BASE, HEAD & NECK & IT'S CANCER SPECIALIST
ENT HOSPITAL
RMDA Building, 4th Floor, Itki Road, Piska More, Ranchi
Mob.: 9934040203, 8210918334, 7258953555

डायबिटीज एवं थायराइड रोग विशेषज्ञ

डॉ. अजय छाबड़ा
M.B.B.S., D. Diabetology
(Consultant Diabetologist & Physician)
डॉ. छाबड़ा डायबिटीज सेंटर
मेट्रो लेन, रामविलास पेट्रोल पंप के सामने, रातू रोड, रांची-1, संपर्क : 0651-2283320, 8051173464

ईश्वर सबके जीवन की रक्षा खुद से नहीं कर पाते इसलिए इस धरती पर अपने रूप में डॉक्टर को भेज दिया। थैंक यू डॉक्टर !

ईश्वर के बाद किसी से आशा रखी जाती है तो वह है डॉक्टर। भगवान का नाम के साथ-साथ डॉक्टर याद आता है। कुछ हुआ तो बड़ी उम्मीद के साथ उसके पास, उसका केवल यह कहना कि चिंता की कोई बात नहीं। मन को सुकून मिल जाता है, आधी बीमारी भाग जाती है। डॉक्टर का फुल फॉर्म ही इस पीड़ित मानवता की सेवा की मिशाल कायम करता है। सफेद कोट में ईश्वर समान ये चिकित्सक इन्हे दिल से सलाम।

गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट एवं हेपेटोलॉजीस्ट

डॉ. रविश रंजन
MBBS, MD (Gen. Medicine)
DNB-Super Speciality (Gastro)
Consultant Interventional Gastroenterologist & Hepatologist
Senior Consultant Raj Hospital
"उदर"- Gastro and Liver Care Clinic
H. No-B/107, Harmu Housing Colony, Opp. Harmu Maidan
Near Annapurana Sweets, Harmu, Ranchi-834002
मो.- 7903826161, 7903637063

किडनी रोग विशेषज्ञ

डॉ अविनाश कुमार दुबे
MBBS (Gold Medalist), MD (Medicine)
DM Nephrology (JIPMER)
नेफ्रो केयर क्लिनिक
मां दुर्गा मेडिकल, ओंकार होटल के सामने, पिस्का मोड़, इटकी रोड, रांची, मो : 8102139781

शिशु रोग विशेषज्ञ

डॉ.प्रकाश कुमार
एमबीबीएस, एमडी, पीसीएच, एनएएलएस
पीएएसएस ट्रेन कंसल्टेंट एंड इंटेन्सिविस्ट
शौर्या चिल्ड्रन हॉस्पिटल
आईटीआई बस स्टैंड के पीछे, लोहा सिंह मार्ग, इटकी रोड रांची, संपर्क: 7261824060

मानसिक रोग विशेषज्ञ

डॉ. केशव जी
MBBS MD (Psychiatry)
Consultant Neuro-Psychiatrist
न्यूरो मनोचिकित्सक
Mob- 9939009705

हड्डी रोग विशेषज्ञ

डॉ. रजनीश कुमार
MBBS, MS (Ortho)
Consultant Orthopaedic Surgeon
& Specialist in Joint Replacement
लाइफकेयर हॉस्पिटल और सिनर्जी ग्लोबल अस्पताल
Near Booty More, Ranchi, Jharkhand
Helpline No.: 18005474010/8298079750, 9142171954

डेंटल सर्जन

डॉ. अर्चना सिंह
B.D.S (Hons.) Lucknow, Implantologist (Sweden)
Cert. Orthodentist F.A.F.O (Kerala)
Laser Dentist (Germany), Masters in Aesthetic Dentistry and Facial Harmony (SPAIN)
M.A.O.I., M.I.D.A.
CODS DENTAL HOSPITAL & IMPLANT CENTRE
2nd Floor, Sumati Bihar Complex, Karamtoli Road, Opp. Adivasi Hostel, Nagra Toli, Ranchi
Ph. : 08298113175

हर साल 1 जुलाई को क्यों मनाया जाता है डॉक्टर्स डे

एक मरीज के लिए उसका डॉक्टर किसी फरिश्ता से कम नहीं होता है। कोरोना काल मे हमने सीखा कि हमारे समाज में डॉक्टर किसी वॉरियर से कम नहीं है। यह सिर्फ एक प्रोफेशन नहीं बल्कि एक इंसान कि लाइफ लाइन है। देश के सभी डॉक्टर्स के योगदान को ध्यान में रखते हुए प्रत्येक वर्ष 1 जुलाई के दिन 'नेशनल डॉक्टर्स डे' मनाया जाता है। भारत में 1 जुलाई को डॉ0 बिधान चंद्र रॉय की याद में प्रत्येक वर्ष 'नेशनल डॉक्टर्स डे' के रूप में मनाया जाता है। आज हम अपने आर्टिकल के माध्यम से डॉक्टर्स डे को खास बनाने के लिए इसका महत्व एवं इतिहास आपके सामने लेकर आए हैं।

इस दिन को मनाने का महत्व : इस खास दिन को मनाने के पीछे एक ही कारण है कि देश के सभी डॉक्टर्स जो दिन-रात अपने मरीज की जान बचाने के लिए जुटे रहते हैं उन्हें सम्मानित करना।

कोरोना काल में डॉक्टर्स ने जो अपनी भूमिका निभाई है वह किसी से छिपी नहीं है। इस खास दिन को मनाने के पीछे यही कारण है कि उन्हें सम्मानित करना, उन्हें दूसरे के सेवा के लिए प्रेरित करना। डॉक्टर्स के प्रति अपना सम्मान करने के लिए इससे खास दिन और कोई हो नहीं सकता है। डॉक्टर को भगवान का दर्जा दिया जाता है।

डॉक्टर्स डे का महत्व क्या है?

देश में डॉक्टर्स डे को प्रथम वर्ष 1991 में मनाया गया था। तभी से हर साल 1 जुलाई को यह मनाया जाता है। यह बंगाल के पूर्व मुख्यमंत्री डॉ0 बीसी रॉय के सम्मान में मनाने का फैसला लिया गया। डॉ0 बीसी रॉय एक स्वतंत्रता सेनानी थे। बीसी रॉय को 4 फरवरी 1961 में भारत रत्न से नवाजा गया था। इसलिए यह खास दिन बीसी रॉय के जन्म तिथि के दिन मनाया जाता है। बीसी रॉय का जन्म 1 जुलाई 1882 को हुआ था। उनका निधन 1 जुलाई 1962 को हुआ था। इस प्रकार 1 जुलाई को डॉक्टर्स डे के रूप में मनाया जाने लगा।

इस वर्ष की थीम:
डॉक्टर के सम्मान में प्रत्येक वर्ष इस खास दिन को मनाने के लिए थीम रखी जाती है। इस वर्ष की थीम कुछ अलग है। थीम का नाम रखा गया है सेलिब्रिटी रेजिलिएंस एंड हीलिंग हैंड्स।

फर्टिलिटी कंसल्टेंट

डॉ. रूपाश्री पुरूषोत्तम
MBBS, DNB, (Obst & Gaynae)
IVF Specialist, Laparohysteroscopic Surgeon
अवेटा टेस्ट ट्यूब बेबी सेंटर
तीसरी मंजिल, कृष्णा आर्केड, बूटी मोड, रांची-09, झारखंड, मो.- 8252529345, 9155044322

हड्डी रोग विशेषज्ञ

डॉ.सपन कुमार
MBBS (RIMS , Ranchi)
MS Ortho (UCMS & GTB Hospital,DU) ,DNB ORTHO
EX - SR (Safdarjung Hospital Delhi)
FIJR (Sant Parmanand Hospital, Delhi)
IOA FELLOW (Kolkata)
FIA (Siegen , Germany)
गंगा हॉस्पिटल
Opp Chitragupt Nagar, Bargain Road, Bariatu, Ranchi,
Mob.: 9110041461

डॉक्टर : जीवन के सच्चे सारथी

डॉक्टर, यह सिर्फ एक पेशा नहीं, बल्कि एक समर्पण की भावना है, एक सेवाभाव भी है। वे हमारी जिंदगी के सच्चे सारथी हैं जो हमें अँधेरे से निकालकर रौशनी की ओर ले जाते हैं, जब हम बीमारी के भंवर में फँस जाते हैं। डॉक्टरों की तारीफ जितनी की जाए, उतनी कम है। उनका अथक परिश्रम, उनका ज्ञान और उनकी करुणा हमें स्वस्थ जीवन की ओर ले जाती है। वे घंटों तक मरीजों की सेवा में लगे रहते हैं, बिना अपनी थकान की परवाह किए। उनकी एक मुस्कान, उनके कुछ सांत्वना भरे शब्द बीमार व्यक्ति को ठीक होने की आधी शक्ति दे देते हैं। वे केवल दवाएँ नहीं देते, बल्कि आशा देते हैं। वे केवल शरीर का इलाज नहीं करते, बल्कि आत्मा को भी सुकून पहुँचाते हैं। हर डॉक्टर एक वैज्ञानिक होता है, जो लगातार नई खोजों और बेहतर उपचार पद्धतियों को समझने में लगा रहता है। वे हमारे जीवन में एक देवदूत की तरह आते हैं, और हमें मौत के मुँह से वापस खींच लाते हैं।

असाध्य, जीर्ण एवं जटिल रोगों के विशेषज्ञ

डॉ. उमा शंकर वर्मा
M.B.B.S, (RAN), M.D. (MED), D.M.S.(HOM)
Chief Medical Officer, University Hospital, BAU, Ranchi &
Chief Executive Director
यू.एस. पॉलिक्लिनिक
1 केसी कॉम्पलेक्स, डिप्टीपाड़ा रोड, कचहरी चौक, रांची-1
मो.: 9835167743, 8797015126

एक अच्छा डॉक्टर दवा कम, ख्याल ज्यादा रखने की सलाह देता है।
- डॉ. के.के.

राष्ट्रीय डॉक्टर्स दिवस के शुभ अवसर पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

हड्डी रोग विशेषज्ञ

डॉ. रोहित लाल
MBBS, D.Ortho, DNB (Ortho), MNAMS
Fellow, Joint Replacement and Arthroscopic Surgeries, Sportsmed Hospital, Adelaide, Australia
डॉ. लाल अस्पताल एवं रिसर्च सेन्टर
Near Kadru Over Bridge,Kadru, Ranchi -2
Mob.: 7061117676, 7707005676

आजाद सिपाही की ओर से स्वत्वाधिकारी लैंडस्केप मीडिया प्रा. लि., प्रकाशक एवं मुद्रक हरिनारायण सिंह के लिए 176 कोकर चौक, ओल्ड एचबी रोड, रांची 834001 (झारखंड) से प्रकाशित तथा डीबी प्रिंट सोल्यूशंस (ए यूनिट ऑफ डीबी कार्प लिमिटेड), प्लॉट नं. 535 एवं 1272, ललगुटवा, पुलिस स्टेशन, रातू, रांची से मुद्रित। **संपादक :** हरिनारायण सिंह, **स्थानीय संपादक*** : विनोद कुमार,***पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के लिए जिम्मेदार, **राज्य समन्वय संपादक :** अजय शर्मा। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 9264434560, **R.N.I. No.-JHAHIN/2015/65109,** Postal Registration No. **RN/249/2019-21**